हिंदी फिल्मों के जुबली... 7

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

मत्स्य पालन को मिलेगा... 11

■ वर्ष 31 अंक 19 | डाक/नगर संस्करण | ■ जबलपुर रविवार 13 जुलाई 2025 | ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य रु. 3.00

पहली बार डिकोड किया ब्लैकबॉक्स डेटा

नागरिक उड्डयन मंत्री ने की एएआईबी की तारीफ

विशाखापट्टनम।

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने एयर इंडिया विमान दुर्घटना में 'पारदर्शी और पेशेवर' जांच करने के लिए विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की तारीफ की है। शनिवार को मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शुक्रवार को जारी एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट की नागरिक उड्डयन मंत्रालय समीक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा कि अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की टिप्पणियां की जाएंगी। नायडू ने कहा, मैं एएआईबी द्वारा किए गए कार्य की सराहना करता हूं। बहुत सराहनीय कार्य किया गया है। एएआईबी पहली बार ब्लैकबॉक्स के डेटा को डिकोड करने की कोशिश कर रहा था, जो बहुत ही चुनौतीपूर्ण और कठिन कार्य था। यह भारत में खुद की लैब में किया गया। सब कुछ अपनी तरह का पहला प्रयास किया गया है। सभी प्रयासों की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा, यह प्रारंभिक रिपोर्ट है; मंत्रालय में, हम इसका विश्लेषण कर रहे हैं। हम किसी भी समर्थन के लिए एएआईबी के साथ समन्वय कर रहे हैं। हम उम्मीद कर रहे हैं कि अंतिम रिपोर्ट जल्द ही सामने आए ताकि हम कुछ निष्कर्ष पर पहुंच सकें। नायडू ने आगे कहा कि पायलट और चालक दल विमानन उद्योग की रीढ़ हैं और उन्होंने आश्वासन दिया कि सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

उड़ान भरते ही बंद हो गए थे इंजन

भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने शुक्रवार को एयर इंडिया विमान दुर्घटना की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में विमान के उड़ान भरने के 90 सेकंड के भीतर घटित घटनाओं के क्रम का वर्णन किया गया है, जिसमें विमान के दोनों इंजन उड़ान भरने के फौरन बाद बंद हो गए, जिसके कारण विमान का थ्रस्ट (विमान को उड़ान भरने में मदद करने वाला बल) बहुत कम हो गया और विमान तेजी से नीचे आ गया।

अनजाने में रन से कटऑफ

विमान के उन्नत एयरबोर्न फ्लाइट रिकॉर्डर, जिसे ब्लैकबॉक्स कहा जाता है, से मिले डेटा से पता चला कि उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद, दोनों इंजनों के ईंधन कटऑफ स्विच, एक-एक सेकंड के अंतराल पर, अनजाने में रन से कटऑफ पर चले गए। एक पायलट को दूसरे से पूछते हुए सुना गया, 'तुमने कटऑफ क्यों किया?' जिस पर दूसरा पायलट कहता है, 'मैंने नहीं किया।' इस शटडाउन के कारण रैम एयर टर्बाइन की तैनाती शुरू हो गई, और विमान ने तुरंत ऊंचाई खो दी और वह नीचे गिर गया।

94 सेकेंड का खौफनाक मंजर...

अहमदाबाद एयर इंडिया प्लेन क्रैश की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट ने सभी को चौंका दिया है। इस रिपोर्ट में ऐसी कई बातें सामने आई हैं, जो आज से पहले किसी को नहीं पता थीं। रिपोर्ट में बताया गया है कि अहमदाबाद एयरपोर्ट से जैसे ही प्लेन ने टेकऑफ किया, उसके 3 सेकंड बाद ही दोनों इंजन बंद हो गए। 94 सेकेंड के खौफनाक मंजर की जांच रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि इंजन बंद होने के बाद पायलट ने यात्रियों की जान बचाने के लिए क्या-क्या किया, लेकिन जब सारी कोशिशें नाकामयाब रहीं तो प्लेन क्रैश होने से पहले उन्होंने मेडे कॉल किया।

लखनऊ में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

धन-दौलत के मामले में भारत तेजी से आगे बढ़ा

लखनऊ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचे। अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के ऐशबाग रामलीला मैदान के सभागार में भाजपा मंडल चार के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण आज दुनिया में भारत के प्रति धारणा बदली है। धन-दौलत के मामले में भारत तेजी से आगे बढ़ा है। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने से पहले अर्थव्यवस्था के आकार के मामले में भारत ग्यारहवें नंबर पर था।

आज तेजी से छलांग लगाकर भारत की अर्थव्यवस्था चौथे स्थान पर आ गई है। उन्होंने कहा कि अगले दो से तीन वर्ष में हम तीसरे नंबर पर होंगे। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पोषित आतंकियों के खिलाफ भारतीय सेना के सफल ऑपरेशन को जमकर सराहा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भी बदलते भारत का साक्षी है। जिसे हमारी बहादुर सेना ने अंजाम दिया है। ऑपरेशन सिंदूर सन 1971 के बाद पाकिस्तान पर सबसे सटीक और माकूल हमला है। रक्षा मंत्री ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को नसीहत देते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही सांसद, विधायक और पार्षद बनाते हैं, उनको पूरा सम्मान

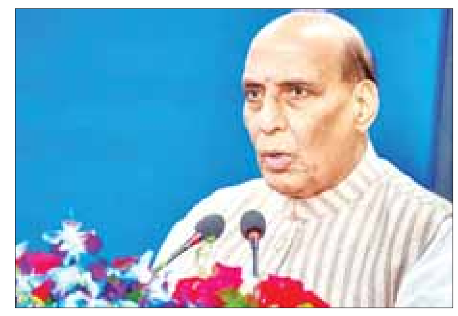

दीजिए। कार्यकर्ता भी वार्ड में अपने आसपास रहने वालों के सुख दुख में शामिल हों। उनमें सत्ता के रुतबे का भाव न हो, विनम्रता और शालीनता बनाए रहें। रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ के गोमती नगर जैसा रेलवे स्टेशन भारत ही नहीं पूरे एशिया में देखने को नहीं मिलेगा। लखनऊ जैसा एयरपोर्ट कहीं नहीं है। चारबाग की सेकेंड एंट्री का काम भी 80 प्रतिशत पूरा हो गया है।

रक्षा मंत्री ने कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। उनका हालचाल पूछा और समस्याएं भी जानीं। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य डा.दिनेश शर्मा, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल और पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने चुनावी राजनीति से लिया सन्यास

ओडिशा।

केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता जुएल ओराम ने शनिवार को चुनावी राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की। ओराम ने कहा कि वह पार्टी के भीतर पीढ़ीगत बदलाव का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। संबलपुर में एक सार्वजनिक समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए ओराम ने कहा कि वह अब चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मैं इसके बजाय अगली पीढ़ी के नेताओं को प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करूंगा।

4 मंजिला इमारत ढही, 6 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के वेलकम इलाके में शनिवार सुबह चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे के बाद शनिवार शाम तक मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 6 हो गया है। वहीं एक साल के बच्चे समेत आठ लोग घायल हो गए। बिल्डिंग में 10 लोगों का एक परिवार रहता था। एक अधिकारी ने बताया कि सुबह 7 बजे सीलमपुर में ईदगाह रोड के पास जनता कॉलोनी की गली नंबर 5 में इमारत गिरने की सूचना मिली थी।

युवाओं का कौशल, भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी : मोदी

16वां रोजगार मेला, प्रधानमंत्री ने बांटे 51 हजार जॉब लेटर

नई दिल्ली।

पीएम मोदी ने शनिवार को 16वें रोजगार मेले में 51 हजार से ज्यादा युवाओं को जॉब लेटर बांटें। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कहा कि युवाओं का सामर्थ्य हमारे भारत के भविष्य के लिए सबसे बड़ी पूंजी और गारंटी है। हमारी सरकार इस पूंजी को समृद्धि का सूत्र बनाने में जुटी है। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले ही 5 देशों की यात्रा से लौटा हूं। हर देश में भारत की युवा शक्ति की गूंज सुनाई दी। इस दौरान जो भी समझौते हुए हैं, उनसे युवाओं को फायदा होना ही है। आपके विभाग अलग हैं लेकिन ध्येय एक है। कार्य कोई भी होए पद कोई भी हो इलाका कोई भी है, एक ही ध्येय राष्ट्र सेवा।

एक ही सूत्र नागरिक सेवा। आपकी इस नई यात्रा के लिए बहुत शुभकामनाएं। रोजगार मेले का आयोजन देश भर में 47 स्थानों पर किया गया। पिछला रोजगार मेला 26 अप्रैल को आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। अब तक 9.73 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा आज हमारा देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ये हमारे देश के नौजवानों का कमाल है। मुझे खुशी होती है कि मेरे देश का नौजवान तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को गति देने के लिए मिशन मैन्युफैक्चरिंग की घोषणा की गई है। सिर्फ पीएलआई से 11 लाख रोजगार बने हैं। इलेक्ट्रानिक सेक्टर का विस्तार हुआ है। 11 लाख करोड़ रुपए की इलेक्ट्रानिक मैन्युफैक्चरिंग हो रही है। पहले मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग की दो या चार यूनिट थीं। इस समय 300 यूनिट हैं इसमें लाखों युवा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में भी भारत नए रिकॉर्ड बना रहा है। डिफेंस प्रोडक्शन सवा लाख करोड़ से ऊपर पहुंच चुका है। भारत सबसे ज्यादा लोकोमोटिव बनाने वाला देश बन गया है। कई देश में एक्सपोर्ट हो रहा है। ऐसी अनेक योजनाओं की वजह से 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए।

जस्टिस वर्मा को हटाने की तैयारी शुरू

लोकसभा में आएगा प्रस्ताव

नई दिल्ली।

दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के लिए केंद्र सरकार ने संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए लोकसभा सांसदों के साइन जुटाए जा रहे हैं। जानकारी अनुसार कई सांसदों के दस्तखत लिए जा चुके हैं। इससे संकेत मिल रहा है कि प्रस्ताव लोकसभा में लाया जा सकता है। लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 100 सांसदों के साइन जरूरी होते हैं। वहीं राज्यसभा में यह संख्या 50 सांसदों की होती है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पहले ही कह चुके हैं कि जस्टिस वर्मा को हटाने का प्रस्ताव 21 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र में लाया जाएगा। जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास के स्टोर रूम में 14 मार्च की रात आग लग गई थी। यहां से 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले थे। जस्टिस वर्मा फिलहाल इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज हैं। दिल्ली हाईकोर्ट से उनका ट्रांसफर कर दिया गया था। हालांकि उन्हें किसी भी तरह का न्यायिक कार्य सौंपने पर रोक है।

कागज दिखाने पड़ेंगे...कर लीजिए तैयारी

अगले महीने से देशभर में एसआईआर शुरू करने का प्लान बना रहा चुनाव आयोग

नई दिल्ली।

जिस तरह बिहार में चुनाव से पहले वोटर लिस्ट का वेरिफिकेशन किया जा रहा है, ठीक इसी तरह का सत्यापन देशभर में करने की तैयारी चल रही है। चुनाव आयोग पूरे देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) करने का प्लान बना रहा है। ये काम अगले महीने (अगस्त) से शुरू हो सकता है। राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को एसआईआर के लिए तैयार रहने को कहा गया है। कई सीईओ ने अपनी वेबसाइट पर पिछली बार हुए रिवीजन की मतदाता सूची डालना भी शुरू कर दिया है। इससे मतदाता अपना नाम आसानी से देख सकेंगे। चुनाव आयोग ने बूथ लेवल पर अधिकारियों की भर्ती और ट्रेनिंग भी शुरू कर दी है। इससे पहले ईसीआई ने 24 जून को बिहार में एसआईआर की घोषणा की थी। ईसीआई का कहना है कि वह मतदाता सूची की प्रामाणिकता बनाए रखना चाहती है। लगभग 30 साल बाद पूरे देश में मतदाता सूची का रिवीजन होगा। इस मुद्दे पर नागरिकता और दस्तावेजों को लेकर बहस भी चल रही है। मामला सुप्रीम कोर्ट में है और 28 जुलाई को इस पर सुनवाई है।

सीईओ कर रहे मतदाता सूची का रिवीजन

राज्यों के सीईओ ने वेबसाइट पर मतदाता सूची डालनी शुरू कर दी है। दिल्ली के सीईओ की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची है। उत्तराखंड ने 2006 की और हरियाणा सीईओ ने 2002 की मतदाता सूची डाली है। पंजाब सीईओ ने 2006 की फाइनल मतदाता सूची डाली है। बिहार में 2003 की सूची को आधार बनाया जा रहा है। ज्यादातर राज्यों में 2002-2004 के बीच मतदाता सूची का रिवीजन हुआ था।

आसानी से देख सकेंगे अपना नाम

एक अधिकारी के मुताबिक जल्द ही एसआईआर की शुरुआत हो सकती है। बिहार में चल रहे एसआईआर को देखते हुए, पिछले रिवीजन की मतदाता सूची डालना अच्छा है। इससे लोग आसानी से अपना नाम देख पाएंगे। इसके अलावा राज्यों में सीईओ खुद बूथ लेवल पर अधिकारियों की भर्ती कर उन्हें ट्रेनिंग दे रहे हैं। इसमें पहले से प्रिटेंड फॉर्म होगा। यह फॉर्म मतदाताओं को 1987 से पहले, 2004 तक और 2004 के बाद पैदा हुए लोगों में बांटा जाएगा। जन्म, नागरिकता और निवास के प्रूफ के लिए 11 दस्तावेज इस्तेमाल होंगे।

तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की मौत

दतिया।

दतिया जिले के इंदरगढ़ कस्बे में शनिवार दोपहर निर्माणाधीन तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई। हादसा दोपहर करीब 1 बजे हुआ, जब चार बच्चियां खेलते-खेलते तालाब के किनारे पहुंचीं और नहाने के दौरान गहराई में चली गईं। जिसमें तीन की मौत हो गई और एक की जान बच गई। जानकारी के मुताबिक, मृत बच्चियों की पहचान टीना आदिवासी (15), नताशा आदिवासी (10) और अरुणा आदिवासी (6) के रूप में हुई है।

1.18 करोड़ के 23 इनामी नक्सलियों ने किया सरेंडर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षाबल के सामने 23 नक्सलियों ने शनिवार को सरेंडर कर दिया। सरेंडर करने वाले नक्सलियों पर 1.18 करोड़ रुपये का इनाम था। नक्सलियों के सरेंडर पर सीएम विष्णुदेव साय ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अब बस्तर बदल रहा है। इससे पहले शुक्रवार को नारायणपुर में 22 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले 23 नक्सलियों में नौ महिला नक्सली शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में डिवीजनल कमेटी सदस्य लोकेश उर्फ पोडियाम भीमा भी शामिल है।

अधिकारियों ने बताया कि पीएलजीए बटालियन नंबर के सदस्य रमेश उर्फ कलमू, कवासी मासा, प्रवीण उर्फ संजीव, नुप्पो गंगी, पुनेम देवे, पार्टी सदस्य परस्की पांडे, पार्टी सदस्य माड़वी जोगा, स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य सन्नू दादा का गार्ड नुप्पो लच्छु, पार्टी सदस्य पोड़ियाम सुखराम और प्लाटून नंबर चार का डेप्युटी कमांडर दूधी भीमा पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनके अलावा नक्सली एरिया कमेटी सदस्य मुचाकी रनौती, कलमू दूला, दूधी मंगला और सिध्दार्थ उर्फ माड़वी पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम था। अधिकारियों ने बताया कि नक्सली पार्टी सदस्य हेमला रामा पर तीन लाख रुपये और सात नक्सलियों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम था। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने क्षेत्र में बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप है।

नामीबिया से लाई गई मादा चीता नभा की मौत

श्योपुर।

नामीबिया से श्योपुर के कूनो लाई गई 8 साल की मादा चीता नभा की शनिवार को मौत हो गई। वन विभाग के अनुसार नभा एक हफ्ते पहले अपने सॉफ्ट रिलीज बोमा में घायल मिली थी। शिकार के दौरान नभा के बाएं पैरों में फ्रैक्चर हुआ था। एक सप्ताह तक डॉक्टरों की एक्सपर्ट टीम ने उसका इलाज किया, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। मौत के सटीक कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से चलेगा। नभा की मौत के बाद कूनो में अब 26 चीते बचे हैं। इनमें 9 वयस्क चीते हैं, जिनमें 6 मादा और 3 नर शामिल हैं। साथ ही 17 भारत में जन्मे शावक भी हैं। वन विभाग के मुताबिक सभी चीते स्वस्थ हैं। वर्तमान में 16 चीते खुले जंगल में स्वतंत्र रूप से घूम रहे हैं। ये नियमित रूप से शिकार कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार ये चीते कूनो के पारिस्थितिकी तंत्र के अनुकूल हो चुके हैं। सभी चीतों को हाल ही में एंटी एक्टो-परजीवी दवा दी गई है। मादा चीता वीरा और निर्वा अपने शावकों के साथ स्वस्थ हैं। गांधीसागर अभयारण्य में रखे दो नर चीते भी स्वस्थ हैं।

दुष्कर्म के आरोपी की थाने के बाहर हत्या

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश की लोअर दिबांग घाटी में असम के युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पूरी घटना रोइंग कस्बे के पुलिस स्टेशन के बाहर पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक युवक पर 20 से ज्यादा लड़कियों (नाबालिग शामिल) के रेप और यौन शोषण का आरोप था। पुलिस ने बताया कि आरोपी को थाने लाया गया था। तभी सैकड़ों लोगों की भीड़ थाने ने घुस आई और युवक को खींचकर बाहर ले गई और मारपीट की। पुलिस ने बताया कि गंभीर हालत युवक को अस्पताल ले जाया गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक युवक एक कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करता था।

एक फिल्म ने बदल दी स्कूलों की सोच

श्रीनगर। स्थानार्थी श्रीकुट्टन नामक मलयालम फिल्म में एक स्कूली कक्षा का एक दृश्य है, जिसमें सभी छात्र यू-आकार में लगे डेस्क पर बैठे हैं। मतलब कोई भी पीछे नहीं बैठा है, कोई भी बैक-बेंचर नहीं हैं, सभी आगे हैं, सभी फ्रंट बेंचर हैं। फिल्म का यह दृश्य इतना प्रभावकारी है कि कई सरकारी स्कूलों में विशेषकर केरल में कक्षाओं में छात्रों के बैठने की पारम्परिक व्यवस्था खत्म हो गई और सभी यू-आकार की बैठने की व्यवस्था को अपना रहे हैं। जम्मू कश्मीर में भी विभिन्न शिक्षाविदों ने प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में भी यही व्यवस्था अपनाने पर जोर देना शुरु कर दिया है। उनके मुताबिक, यह छात्रों में समानता और समावेशिता का भाव जगाएगी। इस्लामिक यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी (आईयूएसटी) के पूर्व कुलपति प्रो. मुश्ताक सिद्दीकी ने कहा कि यह एक अच्छा विचार है। इससे शिक्षकों का छात्रों पर समान ध्यान सुनिश्चित होगा। उन्होंने बताया गोल मेज पर बैठने की व्यवस्था पहले आईआईएम में शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि मैंने आईयूएसटी के कुलपति के रूप में अपने कार्यकाल के

कोई बैकबेंचर नहीं : जम्मू-कश्मीर में भी लागू करने पर हो रहा विचार

दौरान, प्रबंधन और अन्य विभागों जैसे कुछ विभागों में गोल मेज पर बैठने की व्यवस्था शुरू करना चाहता था।। लेकिन तत्कालीन परिस्थितियों के कारण नहीं कर पाया। इस तरह की बैठने की व्यवस्था शिक्षकों को छात्रों के करीब लाती है। उन्होंने कहा कि अगर केरल ने ऐसा किया है, तो हमारी सरकार भी इस पर विचार कर सकती है क्योंकि इसका शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

एकरूपता की भावना बढ़ेगी

श्रीनगर स्थित सरकारी मेडिकल कालेज में मनोचिकित्सा के प्रोफेसर डा अरशद हुसैन ने स्कूलों में यू-आकार की बैठने की व्यवस्था की वकालत करते हुए कहा कि छात्रों में एकरूपता की भावना पैदा करने से काफी मदद मिलेगी। हालांकि हम हर छात्र की विशिष्टता का जश्न मनाते हैं, लेकिन एकरूपता की भावना पैदा करने से कम उम्र में भेदभाव की भावना से बचने में काफी मदद मिलती है।

यह विचार अच्छा है : शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने कहा कि सरकार केरल द्वारा अपनाई गई नई यू-आकार की बैठने की व्यवस्था को यहां जम्मू कश्मीर में लागू करने की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा। हम परियोजना का अध्ययन करेंगे और इसके वित्तीय प्रभावों का आकलन करेंगे। यह विचार अच्छा है, लेकिन इस पर ठीक से काम करने की जरूरत है और जब यह सही पाया जाता है तो इसके कार्यान्वयन पर विचार किया जाएगा।

जिला खनिज मद से 50 करोड़ रूपए की लागत वाले कार्यों के मंगाए गए प्रस्ताव

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जिला खनिज मद की बैठक शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में संपन्न हुई। सांसद ने कहा कि शासन द्वारा जिला खनिज मद से ग्रामीण एवं शहरी आबादी के अनुपात के अनुसार उच्च प्राथमिकता एवं अन्य प्राथमिकता वाले कार्यों का चिन्हांकन किया गया है। संबंधित जनप्रतिनिधि प्राथमिकता के आधार पर कार्यों का चिन्हांकन कर प्रस्ताव दें। जिससे वर्ष 2025-26 की कार्य योजना में उन्हें शामिल किया जा सके।

बैठक में विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी, विधायक जयसिंहनगर मनीषा सिंह, विधायक ब्यौहारी शरद कोल, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, वनमण्डलाधिकारी तरूणा वर्मा, सीईओ जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका शहडोल धनश्याम जायसवाल, अध्यक्ष नगर पारिषद बुढ़ार शालिनी सरावगी, अध्यक्ष नगर पालिका धनपुरी रविंदर कौर, अध्यक्ष नगर परिषद बकहो मौसमी केवट जिले के विभिन्न जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, नगरीय निकायों के अध्यक्ष तथा जिला खजिन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

सांसद हिमाद्री सिंह ने कहा कि जिन नगरीय निकायों के पास शव वाहन उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें स्टाफ के वेतन की व्यवस्था के साथ शव वाहन उपलब्ध कराए जाएं। जिस पर समिति के सदस्यों द्वारा सहमति व्यक्त की गई। आपने भवन विहीन शालाओं में राशि की उपलब्धता के अनुसार अतिरिक्त कक्ष निर्माण के भी प्रस्ताव देने की बात कही। कलेक्टर एवं खनिज मद के सचिव डॉ. केदार सिंह ने बताया कि जिला खनिज मद से 50 करोड़ रूपए तक के कार्य स्वीकृत किए जा सकते हैं। राशि का वितरण शहरी एवं ग्रामीण आबादी के प्रतिशत के आधार पर किया जाता है। जिले में ग्रामीण आबादी 79 प्रतिशत तथा शहरी आबादी 21 प्रतिशत है। कार्यों का चयन उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र में 60 प्रतिशत राशि के कार्य तथा अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्र में 40 प्रतिशत राशि के कार्य स्वीकृत किए जा सकते हैं। इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में 39.5 करोड़ रूपए के कार्य तथा शहरी क्षेत्र में 10.5 करोड़ रूपए के कार्य स्वीकृत किए जा सकते हैं। आपने जिला खनिज मद समिति के सदस्यों से गाईडलाईन के अनुसार कार्यों के प्रस्ताव देने का आग्रह किया।

आतंकी घटनाओं से निपटने एनएसजी ने दिया प्रशिक्षण, तीनों जिलों के अधिकारी हुए शामिल

शहडोल (स्वतंत्रमत)

पुलिस कंट्रोल रूम में काउंटर टेररिस्ट इंसिडेंट रिस्पॉन्स ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, होमगार्ड, अग्निशमन तथा एसडीईआरएफ एसडीईआरएफ के अधिकारियों को आतंकी घटना के दौरान प्रथम प्रतिक्रिया, सतर्कता, विभागीय समन्वय और सावधानियों के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। एनएसजी के सहायक कमांडेंट कमल द्वारा सभी प्रतिभागियों को बताया गया कि किस प्रकार किसी आतंकी घटना के समय फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में कार्य करना है, किन-किन सावधानियों का पालन करना आवश्यक है तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय किस प्रकार सुनिश्चित किया जाए। इस प्रशिक्षण में पुलिस महानिरीक्षक शहडोल अनुराग शर्मा, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव सहित शहडोल, अनूपपुर एवं उमरिया जिलों से पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य, वन, होमगार्ड, अग्निशमन और एसडीईआरएफ के अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहडोल अभिषेक दीवान द्वारा एनएसजी टीम को उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

उपेन्द्र सिंह परिहार को मिली पी.एच.डी. की उपाधि

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)। उपेंन्द्र सिंह पिता डॉ. आर.एस. सिंह परिहार निवासी मुदरिया वार्ड क्रमांक 01 को श्रीकृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर (म.प्र.) के अधिसूचना क्रमांक त्म्ध्ध्507ध्ैज्ञन्ध्2025 04 जुलाई के द्वारा भूगोल विषय (शहडोल नगर क्षेत्र के चयनित वार्डो में सडक पर रहने वाले बच्चों के रहने की स्थित और जन सांख्यिकी का अध्ययन) पर कठिन परिश्रम के बाद पी.एच.डी की उपाधि मिली है। यह शोध कार्य डॉ. सरिता सिंह के निर्देशन में पूर्ण किया गया है। डॉ. उपेन्द सिंह ने शोध कार्य का श्रेय अपने माता-पिता, गुरू और पूर्वजों के देते हुए उनके आशिर्वाद एंव परिवारजनों के सहयोग से पूर्ण होना बताया है। इन्होने यह शोध कार्य पं. राम किशोर शुक्ल स्मृति, शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय ब्यौहारी जिला शहडोल में कम्प्यूटर आपरेटर के पद पर कार्य करते हुए अपने शोध कार्य को पूर्ण किया है। उनके द्वारा बताया गया कि इस शोध कार्य को पूर्ण करने में हमारे भाई बंश बहादुर सिंह परिहार लेखापाल, शिव बहादुर सिंह परिहार, लालबहादुर सिंह परिहार एवं समयबहादुर सिंह परिहार, महाविद्यालय ब्यौहारी के प्रभारी प्रचार्य डॉ. आर.के. तिवारी प्राध्यापक भूगोल और बी.पी. सोनी सेवा निवृत्त ग्रंथपाल एवं महाविद्यालय स्टाप का भरपूर सहयोग मिलता रहा है। जिसके लिए डॉ. उपेन्द्र सिंह परिहार ने सभी श्का हृदय से आभार व्यक्त किया हैं।

सावधानी ही सुरक्षा है, बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें : कलेक्टर

नागरिक जलमग्न होने पर पुल, पुलियों और रपटों को न करें पार : कलेक्टर

शहडोल (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जनपद पंचायत जयसिंहनगर के जल भराव क्षेत्र सन्नौसी तालाब का निरीक्षण किया। कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुल, पुलियों, रपटों पर पानी होने पर बैरिकेडिंग तत्काल लगाई जाए तथा लोगों को पैदल या वाहन को पार न करने दे। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान मेडिकल किट, ब्लीचिंग पाउडर, रस्सी, टार्च सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ले। कलेक्टर ने कहा कि जल भराव वाले क्षेत्रों की जानकारी रखें तथा

जल भराव की स्थिति में स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने लोगों से चर्चा करते हुए

कहा कि पुल-पुलियों के ऊपर से बहते पानी या सड़क के ऊपर से बहते पानी को क्रॉस ना करें और ना ही वाहन निकालने का प्रयास करें, नदी-नालों के पास जाने से बचें, बिजली गिरने की आशंका हो तो पेड़ के नीचे खड़े न हों, पुराने व कमजोर मकानों में न रहें, प्रशासन द्वारा जारी अलर्ट पर ध्यान दें व निर्देशों का पालन करें, किसी भी आपात स्थिति में आपदा नियंत्रण कक्ष या निकटतम प्रशासनिक अधिकारी को तुरंत सूचित करें। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन सतर्क है और किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। जनता से सहयोग की अपेक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सावधानी ही सुरक्षा है, बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रगति वर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजरों की भर्ती के लिए लगाए जाएंगे विकासखंड स्तरीय शिविर

शहडोल (स्वतंत्रमत)

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह ने जानकारी दी है कि एस. आई. एस.कंपनी सिंगरौली द्वारा सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजरों की भर्ती हेतु विकासखंड स्तरीय शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिले के विकासखंड ब्यौहारी के एनआरएलएम ब्लॉक कार्यालय ब्यौहारी परिसर में 14 जुलाई, जयसिंहनगर में 15 जुलाई, गोहपारू में 16 जुलाई, सोहागपुर में 17 जुलाई एवं बुढार में 18 जुलाई को प्रात: 10:30 बजे सांय 4 बजे तक शिविर आयोजित किये जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी भर्ती प्रकिया के संबंध में अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी के मोबाइल नम्बर 9131557489 पर सम्पर्क कर सकते है।

आनंद संस्थान द्वारा भोपाल में शिक्षिका आशा तिवारी का किया सम्मान

उमरिया (स्वतंत्रमत)

गुरूपूर्णिमा के अवसर पर आनंद संस्थान द्वारा भोपाल में कृतज्ञता अर्पण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आशीष सिंह सीईओ, प्रवीण गंगराडे निदेशक, डॉ. दीपक पांडे, संयुक्त संचालक लोकशिक्षण संचनालय,सत्यप्रकाश आर्य निदेशक,भानु प्रताप, राजुल अस्थाना तथा अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उमरिया जिले से शिक्षिका आशा तिवारी जी को शाल, श्रीफल स्मृति चिन्ह, भेंट कर सम्मानित किया। उपरोक्त शिक्षिका की सहभागिता से मध्य प्रदेश स्कूली शिक्षा में मूल्यपरक दृष्टि को विकसित करने में बल मिला है, साथ में आगामी शिक्षण सत्र में चलने वाले सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से आनंद सभा कार्यक्रमों को भी प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। इनके सामाजिक दायित्व निर्वहन की तत्परता के लिए राज्य आनंद संस्थान द्वारा एक दिवसीय कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था।

पाली में अमृत मित्र वुमन फॉर ट्री कैंपेन अंतर्गत किया पौधारोपण

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शनिवार दिनांक 12 जुलाई को नगर पालिका पाली के एसडब्लूएम प्लांट, वार्ड नंबर 15 में महिलाओं द्वारा पौधारोपण कराया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद पाली सीएमओ भूपेंद्र सिंह, पार्षद भरत प्रजापति, घनश्याम कुशवाहा, राज खरे, सोना सिंह, उपयंत्री संतोष पांडे, विपिन कुमार विश्वकर्मा,समुदायिक संगठक,

सुश्री प्रतीक्षा द्विवेदी, धीरज कुमार विश्वकर्मा, अमृत मित्र के तहत चयनित स्वसहायता समूह की महिलाएं एवं नगर पालिका पाली के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत ग्राम सिगुड़ी में हीमोग्लोबिन की गई जांच

उमरिया (स्वतंत्रमत) .

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा व्ही एस चंदल ने बताया कि एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत विकासखंड मानपुर के ग्राम सिगुड़ी में सपोर्टिव सुपरविजन में राष्टीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत ग्राम के किशोर किशोरियों को एनीमिया मुक्त करने के लिए हीमोग्लोबिन की जांच ए एन एम शशि पटेल द्वारा की गई , इसमें ग्राम के कुल 26 किशोर एवं किशोरियों की जांच की गई इसमें

दो किशोर किशोरियों को हीमोग्लोबिन कम होने पर आईएफसी की दवा वितरण की गई एवं संतुलित पोषण आहार के संबंध में जागरूक किया गया गतिविधि में प्रशिक्षक हर्ष कुमार पाण्डेय, पूजा पाण्डेय ग्राम की आशा दीदी रेखा पटेल तथा साथिया के साथ ग्राम के किशोर किशोरियां उपस्थित रहे।

शिक्षकों की कमी दूर करने करंजिया बीईओ ने दिए अतिथि शिक्षक नियुक्ति के निर्देश

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

नवागत प्रभारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी (क्ठम्व्) तीरथ सिंह परस्ते ने आज करंजिया विकासखंड अंतर्गत सभी माध्यमिक, प्राथमिक और एकीकृत माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रधान पाठकों की बैठक आयोजित कर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन, लोक शिक्षण संचालनालय एवं आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी आदेशों का गहन अध्ययन करते हुए शालाओं में रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों की विधिवत नियुक्ति की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शैक्षणिक गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी और आवश्यकतानुसार विषयवार शिक्षकों की व्यवस्था की जाए।

बीईओ परस्ते ने बताया कि माध्यमिक शालाओं में कम से कम 3 शिक्षक, प्राथमिक विद्यालयों में 2 शिक्षक और कक्षा 1 से 8 तक संचालित एकीकृत विद्यालयों में 5 शिक्षक साथ ही कक्षा 1 से 10वीं तक के विद्यालयों में 8 शिक्षक विषयानुसार नियुक्त किए जाएं। उन्होंने कहा कि पूर्व से कार्यरत अतिथि शिक्षकों का चयन स्कोर कार्ड और प्रशिक्षण योग्यता (डीएड, बीएड) के अंकों के आधार पर किया जाए। एक ही विषय में दो शिक्षक होने पर अधिक स्कोर वाले को प्राथमिकता मिलेगी।हायर सेकेंडरी शालाओं में भी विषयानुसार नियुक्तियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी नियुक्तियाँ ईएचआरएमएस पोर्टल पर दर्ज करते हुए शाला प्रबंधन समिति की बैठक के माध्यम से की जाएं।

बीईओ ने चेतावनी दी कि शासन के निर्देशों की अनदेखी या नियमविरुद्ध भर्ती पर संबंधित प्राचार्य या प्रधान पाठक को उत्तरदायी मानते हुए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि शासन की मंशानुसार शैक्षणिक गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी स्कूल प्रमुखों को इस दिशा में जिम्मेदारी से कार्य करना होगा।

बाणसागर बांध के रेडियल गेट खोलने के संबंध में सूचना

शहडोल (स्वतंत्रमत)

कार्यपालन यंत्री पक्का बाँध सम्भाग कं. 3 पो.आ. बाणसागर, व्ही. के. ओझा ने जानकारी दी है कि बाणसागर बांध के कैधमेन्द्र ऐरिया में भारी वर्षा एवं बढ़ते हुये जलस्तर को दृष्टिगत रखते हुये बाणसागर बाध के रेडियल गेट आज (12 जुलाई को) खोलकर 2500.00 क्यूमेक्स जल प्रवाह स्पिलओवर के माध्यम से सोन नदी में किया जा रहा है। बाणसागर बांध के जल स्तर में वृध्दि एवं जल आवक दर को दृष्टिगत रखते हुये मुख्य अभियंता गंगा कछार जल संसाधन विभाग रीवा के व्दारा बाणसागर बांध के रेडियल गेट खोलकर स्पिलओवर के माध्यम से 2500 क्यूमेक्स जल प्रथाह सोन नदी में किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

5जी युग में भी करंजिया ब्लॉक के बीएसएनएल उपभोक्ता हो रहे परेशान

डिजिटल इंडिया के सपनों को डिंडौरी में लग रहे हैं झटके

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

करंजिया विकासखंड अंतर्गत कस्बा गोरखपुर सहित अंचल में बीएसएनएल के नेटवर्क पर संकट बरकरार हैं। विभाग और जिम्मेदारों की उदासीन रवैया के चलते यह नेटवर्क लगभग पूरी तरह से अपनी पहचान खो चुका हैं बावजूद इसे कोई संभालने सामने नहीं आ रहा। यघपि जहां एक ओर भारत सरकार डिजिटल इंडिया और 5 जी क्रांति के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर डिंडोरी जिले का करंजिया ब्लॉक अब भी मोबाइल नेटवर्क की बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। जनपद पंचायत करंजिया के अंतर्गत आने वाले इस ब्लॉक में आज भी लोग बीएसएनएल नेटवर्क की तलाश में यहां वहां भटकने मजबूर हैं फिर भी मोबाइल में सिग्नल नहीं आता। लोगों का कहना है कि वह बीएसएनएल सिम धारक हैं लेकिन पिछले कुछ वर्षों में तो इसका नेटवर्क

बिल्कुल गायब था हाल ही में कुछ सुधार के बाद दो चार दिन नेटवर्क आया लेकिन पिछले पंद्रह दिनों से फिर सिग्नल गायब हैं जबकि वें हर महीने इस कंपनी का रिचार्ज करा रहे हैं, वैसे करंजिया ।ब्लॉक में नेटवर्क की स्थिति इतनी खराब है कि मोबाइल से किसी को कॉल करना भी एक चुनौती बन गया है। इंटरनेट की स्पीड तो इतनी धीमी है कि व्हाट्सएप मैसेज भी कभी-कभी आधे घंटे तक नहीं पहुंचते। ऐसे में डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन क्लास, बैंकिंग, टेलीमेडिसिन, रोजगार से जुड़े कार्य और सरकारी योजनाओं की जानकारी तक सीमित हो गई है।

बीएसएनएल की हालत- एक समय में पूरे क्षेत्र में बीएसएनएल नेटवर्क को %किंग नेटवर्क% के तौर पर जाना जाता था, लेकिन आज वह पूरी तरह से दम तोड़ता नजर आ रहा है। ना टॉवर की मरम्मत हो रही है, ना ही किसी प्रकार का सिग्नल मिल रहा है। निजी कंपनियों की बात करें तो फिलहाल केवल दो नेटवर्क ङ्क जियो और 1 द्व ङ्क ही मौजूद हैं, लेकिन इनकी पकड़ भी बेहद कमजोर है। अधिकतर गांवों में या तो सिग्नल बिल्कुल नहीं आता, या फिर केवल कॉल के लिए सीमित रहता है। इंटरनेट की बात करें तो 3त्र जैसी स्पीड भी बड़ी बात मानी जाती है।

डिजिटल इंडिया की योजनाएं यहां ठप- प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घोषित डिजिटल इंडिया मिशन का उद्देश्य था कि देश के अंतिम व्यक्ति तक तकनीक पहुंचे, लेकिन इस जनपद की स्थिति इस लक्ष्य से कोसों दूर है।और कब तक इस मुसीबत से सामना करना पड़ेगा कहना दूभर है

स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई नहीं हो पा रही- कृषकों को फसल बीमा या पोर्टल आधारित योजनाओं में कठिनाई सरकारी कर्मचारियों को पोर्टल अपडेट करने में दिक्कत आम नागरिक डिजिटल पेमेंट और बैंकिंग से वंचित।

लोगों में बढ़ रही नाराजगी- स्थानीय नागरिकों में इस मुद्दे को लेकर गहरी नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

सावन की शुरुआत में ही 21 इंच पार

बरगी डैम से जारी है जल निकासी

इधर कैचमेंट एरिया से जल की आवक बनी हुई है डैम भरा हुआ है 5 गेटों से जल छोड़ा जा रहा है। बरगी डैम का रोमांचक दृश्य निहारने लोगों का तांता लगा हुआ है लेकिन जिप्र व पुलिस प्रशासन द्वारा यहां सुरक्षा के लिहाज से पुख्ता इंतजाम नहीं किये गये हैं।

कई सिस्टम एक्टिव, होती रहेगी बारिश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रुक-रुककर हो रही बारिश ने सावन को सुहाना कर दिया है।

सुबह से रात तक शहर भर में खंड वर्षा शनिवार को देखी गई। मौसम विभाग का कहना है कि दक्षिण-पश्चिमी हवायें प्रभावी हैं साथ ही कई सिस्टम एक्टिव मोड पर हैं जिसके कारण बारिश का क्रम जारी है। समीपी जिलों में भी बारिश का यही हाल है थम-थमकर वर्षा के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है लोगों को अब धूप का इंतजार है।

21 इंच पार हुआ आंकड़ा

जारी बारिश के कारण शनिवार शाम बारिश का आंकड़ा 21 इंच को पार कर गया है बताया जा रहा है कि सावन की शुरुआत में ही यह हाल है जुलाई माह तक बारिश जारी रहेगी। लगातार बारिश के कारण मौसम में ठंडक बनी हुई न्यूनतम तापमान 28 डिसे के करीब बना हुआ है।

विप्र रत्न से सम्मानित होंगे 70 मेधावी छात्र

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। ब्राह्मण समाज सिहोरा द्वारा वरिष्ठ नागरिक एंव मेधावी छात्र-छात्राओं सम्मान समारोह का आयोजन आज रुक्मणी पैलेस में सुबह 10 बजे से किया जाएगा । जिसमें विभिन्न स्कुलो के 70 बालक बालिका विप्र रत्न से सम्मानित होंगें । आयोजन श्री 1008 बनवारी दास महाराज भरभरा आश्रम भटिया के विशेष आतिथ्य तथा आशीष दुबे सांसद के मुख्य आतिथ्य, प्रणय प्रभात पांडे विधायक बहोरीबंद, संध्या दिलीप दुबे अध्यक्ष नपा परिषद आदि की अध्यक्षता में आयोजित होगा।

2 दिवसीय उर्स का आगाज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पूर्व पार्षद शाबान मंसूरी ने बताया कि 128वां दो दिवसीय उर्स 14 जुलाई दिन सोमवार से होगा। उर्स का आगाज, उर्स कमेटी की बैठक में हुआ। सुबह मस्जिद सुलेमानी में सुबह 8.30 बजे कुरान खानी वं लंगरे आम होगा। बाद नमाज असर 5.30 बजे चादर संदल जुलूस बड़ी शान शौकत के साथ सुंदर जुलूस को उठाया जाएगा। मस्जिद सुलेमानी खानकाह शरीफ से, मुस्लिम बहुत क्षेत्र मे गस्त करते मस्जिद सुलेमानी से मोती नाला बरिया तले, मोती नाला पुल से होते हुवे मोती नाला अस्पताल के सामने से अनीशिया बारात घर के सामने से होते हुए मंडी मदार टेकरी के मैदान से मंडी कब्रिस्तान मजार शरीफ हजरत बहादुर अली शाह रहमतुल्ला अलेह के दरगाह शरीफ पर पहुंचेगी।

जेएमसी स्पेशल अवार्ड के लिये राष्ट्रीय स्तर पर चयनित

मेयर-कमिश्नर और स्वच्छता टीम की मेहनत सराही गई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की प्रतियोगिता में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के नेतृत्व और निगमायुक्त प्रीति यादव की प्रशासनिक दक्षता तथा उनकी स्वच्छता टीम की मेहनत फिर से एक बार रंग लाई है और राष्ट्रीय स्तर पर नगर निगम जबलपुर के नाम का परचम फहराने में सफलता हासिल की है।

मिनिस्ट्रियल अवार्डी स्पेशल कैटेगरी में चयन

इस संबंध में निगमायुक्त प्रीति यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार का आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 17 जुलाई 2025 को स्वच्छ सर्वेक्षण - 2024 के अंतर्गत सुपर स्वच्छ लीग (एसएसएल) में बेहतर प्रदर्शन करने पर नगर निगम जबलपुर को मिनिस्ट्रियल अवार्डी स्पेशल कैटेगरी के लिए चयनित किया गया है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में जबलपुर द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर यह अवार्ड दिया जा रहा है।

महामहिम राष्ट्रपति देंगी अवार्ड

17 जुलाई को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू की गरिमामयी उपस्थिति में केंद्रीय मंत्री द्वारा स्पेशल आवार्ड प्रदान कर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और निगमायुक्त प्रीति यादव एवं नोडल अधिकारी संभव अयाची प्राप्त करेंगे। निगमायुक्त प्रीति यादव ने बताया कि स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर जबलपुर ने अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बना ली है स्वच्छ भारत मिशन ने जबलपुर नगर निगम को स्पेशल कैटेगरी में सम्मानित करने के लिए चयनित किया है। निगमायुक्त ने कहा कि हमारा पूरा प्रयास है कि न सिर्फ सर्वेक्षण के दौरान बल्कि हमेशा ही शहर को साफ-सुथरा रखने के साथ शहरवासियों में स्वच्छता की आदत को विकसित किया जाए।

इस कार्यकाल में अवार्ड ही अवार्ड

उल्लेखनीय है कि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और निगमायुक्त प्रीति यादव के अभी तक के कार्यकाल में नगर निगम जबलपुर को एक दर्जन से अधिक विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने तथा नवाचार के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। निगमायुक्त की प्रशासनिक दक्षता और आपसी समन्वय के साथ टीम भावना को प्रोत्साहित करते हुए जमीनी धरातल पर उतरकर जनहित में जो कार्य किये गए हैं, उसके परिणाम स्वरूप ही जबलपुर नगर निगम को राष्ट्रीय स्तर पर सफलता मिली है एवं उनकी एक अलग पहचान बनी है।

जानवरों पर क्रूरता करने वाली के खिलाफ शिकायत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जानवरों पर क्रूरता करने वाली महिला के खिलाफ एनिमल वेलफेयर ने अधारताल थाने में शिकायत की है। उन्होंने बताया कि अधारताल थाना क्षेत्र में ड्रायविंग स्कूल के पीछे शिव नगर में रहने वाली एक महिला बबीता यादव अपने घर के बाहर किसी गौवंश पर लाठी, डंडों एवं पैरों से उस पर वार करती है।

इस कॉलोनी के अन्य घरों द्वारा गाय, भैंसो को खाना खिलाना पर उक्त घरों से लड़ाई झगड़ा एवं गाली- गलौज करती हैं। महिला के साथ खुशबू गुप्ता, भुरी बर्मन, मनीष गुप्ता, राहुल बर्मन के द्वारा भी इसी प्रकार का व्यवहार किया जाना है। सभी एनिमल एक्टिविस्ट ने उक्त महिला के खिलाफ उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

शराब के लिए रूपए न देने पर मारपीट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थाने में शरद कुमार राज उम्र 42 वर्ष निवासी मानेगावं तालाब के पास इंद्राआवास कालोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सवारी आटो चलाता है । शाम को ऑटो लेकर घर जा रहा था । जोसेफ टेलर की दुकान के पास पहुंचा तभी उसकी पत्नी डोली राज ने उसे आवाज लगाई । उसने आटो रोककर रोड़ किनारे खड़ा किया तभी मोहल्ले का अर्जुन बेन आकर उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगा। उसने रूपये देने से मना किया तो गाली गलौज करने लगा, गालियां देने से मना करने पर पत्थर उठाकर उसके सिर में मारकर चोट पहुंचा दी तथा जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया। पुलिस ने विवेचना में लिया है।

वर्ल्ड पेपर बैग डे पर वर्कशॉप का आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ एमके श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वर्ल्ड पेपर बैग डे 2025 के अंतर्गत एनसीसी ऑफिसर डॉ अर्चना नामदेव के निर्देशन में वर्कशॉप का आयोजन किया गया । एनसीसी ऑफिसर डॉ. अर्चना नामदेव द्वारा प्लास्टिक पॉलीथिन के पर्यावरण पर हानिकारक प्रभाव को समझाया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा किस प्रकार पेपर बैग का निर्माण करना चाहिए कैडेट्स को सिखाया गया। साथ ही विद्यार्थियों से पेपर बैग बनवाए गए एवं उनसे अपील की गई प्लास्टिक पॉलीथिन की जगह पेपर बैग का अधिकाधिक प्रयोग करें। डॉ. एस के महरोलिया द्वारा पीएम इंटर्नशिप स्कीम स्पेशल वीक के अंतर्गत समस्त कैडेट्स को प्रेजेंटेशन के माध्यम से पीएम इंटर्नशिप स्कीम जानकारी दी गई।

कार्यक्रम मैं कैडेट्स सहित लगभग 60 सदस्यों की उपस्थिति दर्ज हुई। आभार प्रदर्शन अंडर ऑफिसर रंजीत गाडारी द्वारा किया गया।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पनागर थाने में मनीष वंशकार उर्फ भूरा उम्र 22 वर्ष निवासी परियट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करता है । वह एवं उसका दोस्त अभिषेक कुशवाहा मोटर सायकल से पनागर परियट बरा मोहल्ला में अपने घर जा रहे थे । कंदराखेड़ा भारत पेट्रोल पम्प के सामने पहुँचे तभी ट्रक का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये दाहिने तरफ मोड़ा। जिससे उनकी मोटर सायकल ट्रक से टकरा गयी। उसे और अभिषेक दोनों मोटर सायकल सहित गिर गये दोनों के सिर में चोट आ गई। एम्बुलेंस से अभिषेक कुशवाहा को उपचार हेतु सीएचसी पनागर लेकर आये । जहां डाक्टर ने चैक कर अभिषेक कुशवाहा उम्र 25 वर्ष निवासी परियट बरा मोहल्ला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले को विवेचना में लिया है।

उप संचालक ने किया औचक निरीक्षण

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

शनिवार को उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. अविनाश श्रीवास्तव एवं कृत्रिम गर्भाधान केंद्र सिहोरा प्रभारी डॉ.अभिषेकशुक्ला द्वारा पशु अस्पताल पनागर सिहोरा मझौली का औचक निरीक्षण किया गया। उसके बाद निरीक्षण करते हुए ब्लॉक सिहोरा की संस्थाओं का निरीक्षण किया गया और रिकॉर्ड देखे गए । निरीक्षण में पनागर अस्पताल समय से खुला मिला और कृत्रिम गर्भाधान उपकेंद्र गांधीग्राम पशु चिकित्सालय हृदयनगर बंद पाए गए । कृत्रिम गर्भाधान उपकेंद्र कछपुरा के निरीक्षण में समस्त स्टाफ और रिकॉर्ड व्यवस्थित पाए गए। सम्मेदगिरि गौ सेवा संस्था गौशाला गोसलपुर का निरीक्षण किया गया। जिसमें एक्सीडेंट यूनिट एवं स्टाफ से गौशाला में आ रही परेशानियों की जानकारी ली और समस्याओं को दूर करने के लिए सहयोग देने की बात कही गई।

गोदाम से सामान चुरा ले गया नौकर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लार्डगंज थाने में शांतनु तिवारी उम्र 25 वर्ष निवासी हर्षित नगर यादव कालोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह खेल का सामान बेचने की दुकान सदर में चलाता है एवं गोदाम उसके घर पर है । उसकी दुकान में काम करने वाला अशोक अहिरवार को बीजी 65 रेकेट की कटींग, शटल कॉक के बाक्स 350 योनेक्स के रेकेट एवं ट्रैकसूट लेने उसके घर स्थित गोदाम गया था, घर पर उसकी दादी एवं घर पर काम करने वाले कर्मचारी थे, अशोक अहिरवार ने घर जाकर जो सामान बोला था उससे ज्यादा मात्रा में 7-8 रैकिट, बीजी 65 रैकिट की कटिंग 90 नग, यूनिक्स 350 के शटल 120 नग, ट्रेक सूट 15 नग घर से निकाल कर दुकान न लाकर अपने घर ले गया, बुलाने पर भी नहीं आया। अशोक अहिरवार उसके घर से 80 हजार रूपये कीमती सामान चुरा ले गया है। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

ई.कॉमर्स सिस्टम से होगी उत्पादों की डिलेवरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत की जाने वाली विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का क्रियान्वयन और इन गतिविधियों को समुदाय तक पहुंचाने के संबंध में बैठक आयोजित की। इस बैठक में एसआरएलएम ऑन व्हीलस कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई। एसआरएलएम ऑन व्हीकलस कार्यक्रम के तहत, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा उत्पादित सामग्रियों को तत्परता से समुदाय तक पहुंचाने के लिए ई.कॉमर्स सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। यह कार्यक्रम स्विगी, जोमेटो, बिलिंकइट और बिग बास्केट जैसी कंपनियों की तरह ही काम करेगाए जो फोन कॉल पर ही सामग्रियों की डिलेवरी करती हैं। उन्होंने कहा कि एसआरएलएम ऑन व्हीजलस कार्यक्रम को जबलपुर संभाग के अन्य जिलों में भी विस्तारित किया जाएगा। इससे जबलपुर संभाग के विभिन्न जिलों में उत्पादित सामग्रियों को समुदाय तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। सीईओ ने सभी संबंधित अधिकारियों से इस कार्यक्रम के लिए अपने बेहतर सुझाव देने और उन्हें मूर्त रूप में लाने का आग्रह किया है। ताकि इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में मदद मिल सके।

राजेंद्र प्रसाद खरे का निधन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा निवासी राजेंद्र प्रसाद खरे का शुक्रवार को निधन हो गया। आप अशोक खरे के बड़े भाई एवं अंकित, लकी और आतिश खरे के पिता है। अंतिम संस्कार बाबाताल मुक्ति धाम में सम्पन्न हुआ।

शराब के विवाद पर घोंपा चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

घमापुर थाने में रात संजय रजक उम्र 48 वर्ष निवासी लालमाटी घमापुर ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह फोटोग्राफर का काम करता है। रात को घर में टीवी देख रहा था। उसके भतीजे के चिल्लाने की आवाज आने पर बाहर निकलकर देखा भतीजे हर्ष उम्र 17 वर्ष का जो रंजन मेडिकल नारायण चौक के पास काम करके दुकान बंद कर घर आ रहा था। कुलिया मे देखा कि हर्ष को ऐश्वर्य नाहर, कौशिक सोंधिया, पुष्पराज सिंह चाकू से मार रहे थे । जिससे हर्ष को पैरो मे चोटे आ गयी सभी जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। भतीजे हर्ष ने बताया कि तीनों मुझसे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांग रहे थे पैसे नही देने पर तीनों ने गालीगलैज कर मारपीट किये है। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

धोखाधड़ी करने वाले दंपती की तलाश

मकान दिलाने के नाम पर लगाई चपत, हनुमानताल थाने का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हनुमानताल थाना अंतर्गत हुस्ना बानो निवासी मोतीनाला बरिया तले ने लिखित शिकायत देकर बताया था कि उसने तनवीर उद्दीन अंसारी एवं शगुप्ता अंसारी निवासी उर्दू लाला स्कूल के पास मौलाना अबुल कलाम वार्ड से 18 जनवरी 2022 को मकान का विक्रय करने का अनुबंध 13 लाख 50 हजार रुपये में किया था। उक्त अनुबंध के चलते उसके द्वारा तनवीर उद्दीन अंसारी एवं शगुप्ता अंसारी को नगद व चैक के माध्यम से कुल 7 लाख रुपये दिये जा चुके है। चार माह मे सम्पूर्ण रकम अदा करना था, 4 माह बाद उसने शेष राशि देकर रजिस्ट्री करने हेतु कहा जो रजिस्ट्री करने में हीला हवाली करने लगे, काफी समय बीत जाने पर रूपये वापस मांगने पर कभी कोई कभी कोई बहाना बनाते रहे। शंका होने पर अपने स्तर पर पता करने पर यह जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त सम्पत्ति पर तनवीर उद्दीन अंसारी एवं श्रीमति शगुप्ता अंसारी के द्वारा अन्य व्यक्तियो से भी धोखाधडी कर अनुबंध पत्र निष्पादित किया है । उक्त सम्बंध में दोनों से बात करने पर उसे 5 लाख रूपये का चैक देते हुये शेष राशि शीघ्र देने हेतु कहा गया। उसके द्वारा बैंक में चैक लगाने पर ओवर राईटिंग की वजह से चैक अनादरित हो गया। जिसके सम्बंध में दोनों से कई बार कहने पर उसे साढे तीन लाख रूपये का चैक दिया गया जो बैंक में लगाने पर राशि अंकन की जगह दो लाईन खींच देने की वजह से चैक अनादरित हो गया। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पनागर थाने में मनीष वंशकार उर्फ भूरा उम्र 22 वर्ष निवासी परियट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करता है । वह एवं उसका दोस्त अभिषेक कुशवाहा मोटर सायकल से पनागर परियट बरा मोहल्ला में अपने घर जा रहे थे । कंदराखेड़ा भारत पेट्रोल पम्प के सामने पहुँचे तभी ट्रक का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये दाहिने तरफ मोड़ा। जिससे उनकी मोटर सायकल ट्रक से टकरा गयी। एम्बुलेंस से अभिषेक कुशवाहा को उपचार हेतु सीएचसी पनागर लेकर आये । जहां डाक्टर ने चैक कर अभिषेक कुशवाहा उको मृत घोषित कर दिया।

स्थानांतरण पर अंतरिम राहत का आदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र हाईकोर्ट में दायर याचिका उर्मिला सिंह विरुद्ध शासन में मुख्य न्यायाधीश एवं न्यायाधीश विनय सराफ की युगल खंडपीठ ने याचिकाकर्ता के पक्ष में अंतरिम आदेश पारित किया है। पक्ष रखते हुए एड. सत्येंद्र ज्योतिषी ने बताया की याचिकाकर्ता का स्थानांतरण शा. माध्यमिक स्कूल सिलोंडी से माध्यमिक स्कूल पुरवा हुआ था। आवेदिका ने याचिका दायर की थी परंतु अंतरिम राहत ना मिलने पर याचिकाकर्ता ने युगल पीठ के समक्ष अपील दायर की थी। याचिकाकर्ता अतिशेष शिक्षक नहीं थी फिर भी उसका स्थानातंरण नियम विरुद्ध कर दिया गया, जबकि शासन की स्थानांतरण नीति के अनुसार वरिष्ठ शिक्षक को अतिशेष होना चाहिए। याचिकाकर्ता वार्डन के पद पर अतिरिक्त प्रभार पर कार्यरत है, वह एक परीत्यक्त महिला है जो कि आदिवासी महिला हॉस्टल की प्रभारी है उसके पास उसके भतीजा रहता हैं जो 60 प्रतिशत विकलांग हैं। न्यायालय ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को आदेशित किया है कि प्रकरण की अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ता को स्थान्तरण किए गये स्कूल पर ज्वाइनिंग के लिए बाध्य ना किया जाये अत: याचिकाकर्ता अपनी पूर्व की संस्था में कार्य करती रहेगी, याचिकाकर्ता का पक्ष एड. सत्येंद्र ज्योतिषी ने रखा।

नाबालिगा से दुष्कर्म, 2 को 20 साल कैद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। तिलवारा थाना क्षेत्र में में एक 14 वर्षीय नाबालिगा के साथ मारपीट कर दुष्कर्म करने वाले आरोपियों को अदालत ने दोषी करार दिया है। अपर सत्र न्यायाधीश अभिलाषा एन मवार की अदालत ने दोनों आरोपी भारत विश्वकर्मा व अतुल ठाकुर को बीस साल के सश्रम कारवास व साढ़े 11-11 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अदालत के समक्ष अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मनीषा दुबे ने पक्ष रखा। जिन्होंने बताया कि 2 सितंबर 2023 को पीड़िता ने अपने साथ हुई आपबीती की शिकायत तिलवारा थाना पुलिस में दर्ज करायी थी। जिसमें उसने बताया था कि आरोपी भारत विश्वकर्मा पिता भागचंद विश्वकर्मा उम्र 27 साल व अतुल ठाकुर पिता रामस्वरूप ठाकुर उम्र 28 साल दोनों निवासी मुकनवारा थाना बरगी ने उसके साथ मारपीट करते हुए दुष्कर्म किया था। शिकायत पर पुलिस ने पर पाक्सों, एसटी-एसटी व दुष्कर्म की धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया था। विचारण दौरान पेश किये गये गवाह व साक्ष्यों को मद्देनजर रखते हुए अदालत ने दोनों आरोपियों को उक्त सजा सुनाई।

किरनापुर में अवैध प्लाटिंग की रजिस्ट्री का खेल!

कलेक्टर के आदेश को दरकिनार, राजस्व अधिकारियों की साठगांठ से अवैध कालोनाईजर कर रहे रजिस्ट्री

शिकायत के बाद आखिर जांच क्यों नहीं?

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

जिले में कालोनाईजरों का बोलबाला हैं, जिसमें भूखण्ड को टुकड़ों में काटकर प्लाटिंग के खेल जारी हैं। प्लाटिंग में खरिददारों को चुना लगाया जा रहा हैं, यहीं नहीं प्रदेश में हो रहीं अवैध प्लाटिंग के खेल को देखते हुए मोहन सरकार के द्वारा समस्त जिला कलेक्टरों को निर्देशित कर अवैध प्लाटिंगों पर निगरानी व क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध लगाने के कलेक्टर के द्वारा आदेशित किया गया हैं, किंतु किरनापुर में तो अवैध कालोनाईजर के द्वारा राजस्व अधिकारियों की साठगांठ से अवैध प्लाटिंगों की रजिस्ट्री का खेल जारी हैं।

ज्ञात हो कि कालोनियों की निगरानी के लिए कलेक्टर मृणाल मिणा के द्वारा भी उप पंजीयक कार्यलयों को अवैध प्लाटिंगों की लिस्ट सौंपाते हुए अवैध प्लाटों की रजिस्ट्री नहीं करने के आदेश दिये गये हैं। और जो भी आगे भूखण्ड पर प्लाटिंग कर रहें हैं उसकी रिपोर्ट पटवारी के द्वारा तहसीलदार व एसडीएम को दी जाती हैं उसके बाद अवैध प्लाटिंग की लिस्ट में उक्त खसरा को रखा जा रहा हैं, रजिस्ट्री होने पर कार्यवाही भी की जा रही हैं या कहें एफआईआर की कार्यवाही हो रहीं हैं। लेकिन किरनापुर में ये सब कागजों तक ही सीमित हैं धरातल पर शिकायत करने के बावजूद भी चार माह से अवैध प्लाटिंग को अवैध घोषित करने के लिए राजस्व विभाग जांच में लिपापोती कर रहा हैं। जिस पर कई प्रश्न खड़े हो रहे हैं?

जानकारी अनुसार, राणा हनुमान सिंह बीएएड कॉलेज किरनापुर के सामने बने शासकिय आदिवासी जनजातिय छात्रावास के पिछे भूमि खसरा नं. 478/2/2, 478/25, 499/2, रकबा (0.2020 है.) जो निखाडे परिवार की भूमि पर अवैध कालोनाईजर तेजस रहांगडाले द्वारा प्लाटिंग काटी गई हैं। वहीं इसी से लगी भूमि पर अवैध कालोनाईजर नरेंद्र पिता श्यामलाल अग्रवाल निवासी किरनापुर द्वारा खसरा नम्बर 498/1/च एंव 498/1/ड़ को रजिस्ट्री करने के पश्चात भूमि के खसरा नं. 498/1/6 (स) एंव 498/1/5 भूमि पर अलग-अलग नाम से ले-आउट पर कालोनी का अवैद्य निर्माण व विक्रय कर रहा है एंव पटवारी द्वारा नक्शे काटकर दिए गए हैं।

पटवारी ने काटा नक्शा... पटवारी फुलेश मानेश्वर ने कहा कि एक नक्शा काटा गया हैं उसी आधार पर एक रजिस्ट्री हुई हैं, अब इस रजिस्ट्री होने के पिछे क्या राजस्व अधिकारियों का सरंक्षण हैं। क्योकि नक्शा काटने के पहले पटवारी भूमि देखता हैं और फिर नक्शा काटते हैं, पर पटवारी ने सरक्षंण देते हुए पुरा कार्य किया, जब इसकी शिकायत की गई तब कहीं जाकर कहने लगें कि अब नक्शा काटना बंद कर दिया गया हैं। आखिर जांच क्यों नहीं हो रहीं? आखिर कितनी रजिस्ट्री हुई हैं इसका भी जांच में पता चल पायेगा?

कालोनाईजर एक्ट का नहीं हो रहा पालन... कालोनाईज़र एक्ट के तहत, कालोनी के विकास और निर्माण से जुड़े लोगों को ज़रूरी सुविधाएं देनी होती हैं। इनमें पीने का पानी, आश्रय और शौचालय जैसी सुविधाएं शामिल हैं। मध्य प्रदेश में, मध्यप्रदेश नगर पालिका (कॉलोनाइजर का पंजीकरण, नियम और शर्तें) नियम, 1998 और मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 जैसे कानून हैं जो कॉलोनियों के विकास और विनियमन को नियंत्रित करते हैं। ये कानून कॉलोनाइजरों (कॉलोनी बनाने वालों) के पंजीकरण, कॉलोनी के विकास के लिए आवश्यक शर्तों, और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई जैसे विषयों को शामिल करते हैं। पंचायत क्षेत्र में, कलेक्टर को अवैध कॉलोनी को खत्म करने और इसके विकास करने वाले पर कार्रवाई करने का अधिकार हैं।

फिर कार्यवाही क्यों नहीं... उक्त खसरा पर अवैध कालोनाईजरों के द्वारा कालोनी काटी गई हैं, जिसमें बकायदा कुछ प्लाटों की रजिस्ट्री भी की गई हैं और यहीं नहीं विगत चार माह पूर्व से जांच के लिए शिकायत लगी हुई हैं, फिर किरनापुर के तहसीलदार व एसडीएम के द्वारा जांच कर कार्यवाही क्यों नहीं कि जा रहीं हैं यह बड़ा सवाल हैं? ऐसा ही चलता रहा तो अवैध कालोनाईजरों के द्वारा कालोनी बसा दी जायेगी फिर खरिददारों के द्वारा सुविधाओं के लिए अधिकारियों के दफ्तरों की चक्कर काटते रहेगें और यहीं हो रहा हैं।

इनका कहना हैं

उक्त भूमि का नक्शा मेरे द्वारा काटा गया हैं टूकड़े भूखंड की रजिस्ट्री भी कि गई हैं। जिसके बाद रिपोर्ट बनाकर तहसीलदार को सौंप दिया गया हैं।

फुलेश मानेश्वर, हल्का पटवारी किरनापुर

पटवारी ने बताया कि तेजस रहांगडाले और नरेन्द्र अग्रवाल के द्वारा प्लाटिंग काट रहें थे, उनके द्वारा अतिआश्यक एक नक्शा काट कर दिया जिससे एक रजिस्ट्री करा पाये। उसके बाद जैसे ही पता चला कि ये लोग इस प्रकार से कालोनी काटने का काम कर रहें हैं तो पटवारी द्वारा नक्शा काटना बंद कर दिया हैं और दोनों को कारण बताओं नोटिस भी जारी किया गया हैं। उनके द्वारा लाईसेंस के लिए आवेदन दिया गया हैं, कोई भी कार्यवाही शेष नहीं हैं। तो मैने पटवारी से कहा कि कोई कार्यवाही पर औचित नहीं हैं, और जो उन्होने गलत प्लाटिंग काट दिए हैं उससे उनके ऊपर कार्यवाही होंगी।

कार्तिकेय जैसवाल एसडीएम, किरनापुर

सिरफिरे आशिक ने युवती, पिता सहित परिवार पर किया चाकू से हमला

युवती और पिता की हालात नाजुक, मौके से सिरफिरा आशिक हुआ फरार

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

बालाघाट के वारासिवनी थाना के बुदबुदा गांव से दिलदहलाने वाली घटना सामने आई हैं, जहां सिरफिरे युवक के द्वारा युवती के घर में घुसकर युवती को मौत के घाट उतारने के लिए उसके गले पर धारेधार चाकू से हमला किया और फिर उसके पिता पर चाकू और डंडे से हमला कर लहुलुहान कर, परिवार के चार लोगों पर हमला कर मौके से फरार हो गया। इस वारदात में युवती और पिता दोनों की हालात गंभीर बताई जा रहीं हैं, जहां वारासिवनी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बालाघाट जिला अस्पताल से भी हालात को देखते हुए रिफर कर दिया गया हैं।

इस घटना में आरोपित युवक धनेन्द्र ठाकरे उम्र 23 वर्ष ने बस्तीराम राणा उम्र 50 वर्ष, बेटी संजू राणा (बदला हुआ नाम) उम्र 23 वर्ष, दादी चूरन राणा 92 वर्षीय और बालक अभी पटले 3 वर्षीय पर हमला कर घायल किया हैं। इधर, वारासिवनी पुलिस पुरे घटनाक्रम को लेकर जांच में जुट गई हैं। जानकारी अनुसार, शनिवार सुबह करीब 11 बजे सिरफिरा आशिक सावंगी निवासी धनेंद्र ठाकरे 23 वर्षीय अचानक बुदबुदा निवासी 50 वर्षीय किसान बस्तीराम राणा के घर में घुस गया और घर में बर्तन माँज रही 23 वर्षीय युवती संजू राणा(बदला हुआ नाम) को जबरदस्ती शादी का दबाव बनाने लगा युवती ने विरोध किया, इस दौरान युवती की दादी ने भी विरोध किया तो युवक ने युवती की दादी और 3 वर्षीय अभी पटले के साथ भी मारपीट करने के साथ ही युवती के विवाह करने पर इनकार करने से आक्रोशित युवक ने चाकू से युवती की गर्दन पर वार कर घायल कर दिया जहां किसी तरह युवक के चंगुल से छूटकर पड़ोसी के घर मे भाग गई इसी घटना के तुरंत बाद खेत से बस्तीराम राणा घर आए तो आरोपित युवक धनेंद्र ने उसके सिर पर चाकू और डंडे से हमला कर लहूलुहान कर दिया और मौके से फरार हो गया, जिसके बाद चीख पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग जमा हुए और तत्काल वारासिवनी पुलिस को घटना की सूचना दी जिसपर तत्काल 108 एम्बुलेंस वाहन ने मौके पर पँहुचकर दोनो घायलों को वारासिवनी अस्पताल लाया जहाँ से उन्हें प्राथमिक उपचार बाद दोनो पिता-पुत्री की नाजुक हालत को देखते हुए तत्काल उन्हें जिलाअस्पताल रेफर कर दिया।

बताया जाता हैं कि आरोपित युवक धनेंद्र ठाकरे नागपुर में प्लम्बर का कार्य करता हैं और युवती का भाई उसके साथ ही काम करता हैं। आरोपी धनेन्द्र और पीड़ित राणा परिवार दोनो आपस में रिश्तेदार भी हैं।

घटना के बाद मौके पर पँहुची पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों से बयान लेकर आरोपित के विरुद्ध बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपित की सरगर्मी से तलाश कर रही हैं।

मंत्री प्रहलाद पटेल ने किया 101 वर्षिया रामकुमारी देवी का सम्मान

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम विभाग के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की फेसबुक वॉल एवं इंस्ट्राग्राम से प्राप्त जानकारी के अनुसार बालाघाट जिले के दौरे पर आए मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने साहित्यकार, पत्रकार पं. सुधाकर शर्मा की एक सौ एक वर्षिया माता जी को उनके निवास पर पहुँच कर शॉल, श्री फल प्रदान कर सम्मानित किया! मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के शब्दों में, आज रात्रि बालाघाट प्रवास के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध कवि श्री सुधाकर शर्मा जी के निवास पर पहुंचकर उनकी पूजनीय माताजी श्रीमती राम कुमारी शर्मा जी (101 वर्ष) का कुशलक्षेम जाना और आशीर्वाद लिया। उनके चेहरे का तेज आलौकिक ऊर्जा से भरा देखकर प्रसन्नता हुई।

सगर्व ज्ञात हो कि स्वाधीनता संग्राम की परोक्ष रूप से सेनानी रहीं रामकुमारी देवी के पति स्व. पं. विद्यासागर शर्मा ने स्वनामधन्य चंद्रशेखर आजाद के मार्गदर्शन में स्वाधीनता संग्राम के अजेय योद्धा की भूमिका निभाई थी! युवा विद्यासागर ने रामसनेही साधु के भेष में आठ वर्ष उदयपुर से लाहौर पर्यंत महत्वपूर्ण गुप्त संदेश और पिस्तौल, कारतूस अपने क्रांतिकारी साथियों को मुहैया कराये थे!

डीजल चोर गिरोहों पर खैरलांजी पुलिस की कार्यवाही

वाहन, डीजल समेत पांच गिरफ्तार

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। 09-10 जुलाई की दरमियानी रात्रि मे खैरलांजी थाना क्षेत्र के पुराना बस स्टैंड पर खड़े ट्रक से डीजल चोरी की सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल सक्रियता दिखाते हुए घेरा बंदी कर संदिग्ध बोलेरो वाहन का पीछा किया गया जहां वाहन को छोड़कर कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गए। बोलेरो वाहन की विधिवत तलाशी लेने पर उसमें से डीजल निकलने के औजार सहित खाली 11 जरीकेनें बरामद की गई। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा थाना खैरलांजी अंतर्गत डीजल चोर गिरोह के आरोपियों की शीघ्र गिरप्तारी हेतु निर्देशित करने पर थाना प्रभारी खैरलांजी रामसिंह पटेल के नेत्रत्व में गठित पुलिस टीम ने पुलिस ने आरोपियों पर धारा 303(2),3(5) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर गिरफ्तारी कर जेल भेज दिया गया हैं। जानकारी अनुसार, प्रकरण में तत्काल कार्यवाही करते हुए खैरलांजी पुलिस द्वारा मुखबिरी तंत्र से दबिस की गई और 05 संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया, जिनमें 03 बालिग आरोपी तथा 02 विधि विरुद्ध बालक शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि वे मिलकर सड़क किनारे खडें विभिन्न ट्रकों से डीजल चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। आरोपियों में राहुल उईके 22 वर्ष नगरवाड़ा निवासी, ऋतिक नंदा 20 वर्षी नैनपुर निवासी, वासु यादव, 20 वर्षीय नैनपुर निवासी एवं दो नाबालिक हैं डीजल चोर गिरोह मे शामिल अन्य आरोपीगणों की तलाश की जा रही है। जिनके पास से बोलेरो वाहन, 11 प्लास्टिक जरीकेन, जिनमें से एक में डीजल भरा हुआ डीजल, टंकी के ताले तोड़ने के औजार, दो शटल पाइप को जब्त किया गया हैं।

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रामसिंह पटेल, उनि अंकित उपाध्याय, कार्य प्र. आर. विवेक ठाकर, आर. आकाश अहिरवार, आर. विष्णु जाट, आर. शिवजीत भदौरिया, एंव आर. ललित देशमुख की प्रमुख भूमिका रहीं।

आरोपियों से पूछताछ के दौरान डीजल चोरी गिरोह मे दो और आरोपी के नाम सामने आया जिसमे सोनखार निवासी नरेन्द्र पटले चोरी करवाता था और नगरवाड़ा निवासी रुपेश तुरकर चोरी का डीजल खरीदता था जिसमें से एक आरोपी नरेन्द्र पटले को गिरफ्तार कर लिया गया है दूसरे आरोपी की तलाश जारी हैं।

जंगली हाथियों का कहर जारी, ग्रामीण परेशान

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के वन परिक्षेत्र घुनघुटी में आए चार हाथियों ने उमरिया. जिले में उत्पात मचा रखा है। मंगलवार से लगातार जंगल और गांव में घूम रहे हाथियों ने शुक्रवार रात कुसमहा में किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाया। इतना ही नहीं, एक घर की दीवार भी तोड़ दी।घुनघुटी परिक्षेत्र अधिकारी अर्जुन सिंह के अनुसार हाथियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वन विभाग के 60 से अधिक कर्मचारी और अधिकारी मौके पर तैनात है। राजस्व ओर पुलिस की टीम भी मौजूद है। स्थानीय ग्रामीणों का सहयोग भी लिया जा रहा है। वन विभाग के सभी रेंजर्स घुनघुटी में निगरानी में जुटे हैं। अधिकारियों का मुख्य ध्यान हाथियों को गांव से दूर रखने पर है। हालांकि बारिश के कारण निगरानी में कुछ परेशानी हो रही है। हाथी अभी भी कुसमहा और आसपास के क्षेत्र में विचरण कर रहे हैं।

जिले में एक लाख से अधिक लाड़ली बहनों के खाते में राशि हुई अंतरित

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शनिवार दिनांक 12 जुलाई को प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने ग्राम पंचायत नलवा जिला उज्जैन से 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में 1543.16 करोड़ रूपये अंतरित किए। जिले की एक लाख 9629 बहनों के खाते में राशि अंतरित हुई। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला मुख्यालय उमरिया स्थित एनआईसी कक्ष में देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका तथा लाडली बहने उपस्थित रही।

विश्व जनसंख्या दिवस अभियान 11 जुलाई से 11 अगस्त तक किया जाएगा आयोजित : डॉ. चंदेल

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर वी एस चंदेल ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस एक अभियान के रूप में मनाए जाने हेतु 11 जुलाई से 11 अगस्त तक विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में एवं ग्राम स्तर पर आशा कार्यकर्ता एएनएम द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह अभियान जनसंख्या से जुड़े विभिन्न मुद्दों के प्रति जागरूकता लाने के लिए प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। वर्ष 2025 हेतु थीम युवाओं को एक निश्चय और आशावान दुनिया में अपने मनचाहे परिवार बनाने के लिए सशक्त बनाना है वहीं जिला परिवार कल्याण अधिकारी डॉक्टर एस बी चौधरी द्वारा बताया गया जनसंख्या वृद्धि की दर को कम करने हेतु जन जागरूकता बढ़ाना परिवार नियोजन स्वास्थ्य सेवाओं और गर्भनिरोधक उपायों के प्रति जागरूकता फैलाना लैंगिक समानता युवा सशक्तिकरण शिक्षा प्रजनन स्वास्थ्य और मातृ एवं शिशु मृत्यु जैसे मुद्दों के प्रति जागरूकता लाना है। जनसंख्या वृद्धि से स्वास्थ्य प्रणाली पर बोझ बढ़ता है एक परिवार में शिक्षा बेरोजगारी के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन प्रदूषण वन क्षेत्र में कमी और जैव विविधता पर संकट विचाराधीन स्थिति बनी हुई है उन्होंने बताया की जनसंख्या वृद्धि झुग्गी बस्तियों का विस्तार,यातायात,प्रदूषण और सामाजिक असमानताओं समस्याएं बनी हुई है उन्होंने बताया कि उक्त अभियान के तहत दिनांक 11 जुलाई से 11 अगस्त तक ग्राम स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम परिवार नियोजन के साधनों पर चर्चा परामर्श देकर जागरूक किया जाएगा।

परिक्षेत्र सहायकों को मोटरसाइकिल का किया गया वितरण

उमरिया (स्वतंत्रमत) - बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पूर्व में आवंटित मोटरसाइकलें पुरानी होने के कारण बार-बार खराब हो रही थी उनके स्थान पर प्रबंधन द्वारा कर्मचारियों की कठिनाइयों को देखते हुए 15 नई मोटरसाइकिल का वितरण बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक एवं उप संचालक द्वारा किया गया। ये मोटरसाइकिलें संबंधित क्षेत्र के परिक्षेत्र सहायक, बरबसपुर, धीरखोह, रायपुर, मानपुर, कुचवाही, बिजौरी, समरकोईनी, खिचकिड़ी, कठई, पनपथा, पथरहटा, बरही, खितौली, कल्लवाह, ताला को प्रदान की गई हैं, ताकि वे वन एवं वन्यप्राणियों की निगरानी एवं अन्य सुरक्षा गतिविधियों को बेहतर ढंग से संपन्न कर सकें। इससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा जिससे उनकी कार्यक्षमता एवं प्रतिबद्धता में वृद्धि होगी।

जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

शुक्रवार 11 जुलाई को भारतीय शक्ति चेतना पार्टी उमरिया द्वारा जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने एवं प्रभावी ढंग से लागू कराने प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर उमरिया को ज्ञापन सौंपा गया जिसमे कहा गया है कि एक देश तभी जीवित रह सकता है और विकसित हो सकता है जब उसकी जनसंख्या नियंत्रण में हो, क्योंकि सभी की जरूरतों को पूरा करने के संसाधन सीमित हैं। जहां एक ओर नियंत्रित जनसंख्या राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाने का कार्य करती है तो वहीं दूसरी ओर अनियंत्रित जनसंख्या राष्ट्र के विकास में बाधक है जनसंख्या वृद्धि मानव जीवन के लिए आवश्यक संसाधनों जैसे - आवास, भोजन, रोजगार, बुनियादी ढांचा एवं पर्यावरण को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचती है।

'जनसंख्या वृद्धि की चुनौती'

भारत की जनसंख्या वर्तमान में 140 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जो विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या है। यह आँकड़ा हमारी सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता का प्रतीक है, किंतु यह हमारे संसाधनों पर भारी दबाव डाल रहा है। बढ़ती जनसंख्या के कारण निम्नलिखित समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।

'संसाधनों की कमी' पानी, भोजन, आवास और ऊर्जा जैसे बुनियादी संसाधन सीमित हो रहे हैं। प्रति व्यक्ति संसाधनों की उपलब्धता में कमी के कारण जीवन स्तर प्रभावित हो रहा है।

'शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव' स्कूलों में सीटों की कमी और अस्पतालों में बेड की अनुपलब्धता आम बात हो गई है।

'बेरोजगारी और गरीबी' बढ़ती जनसंख्या के कारण रोजगार के अवसरों पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे बेरोजगारी और गरीबी में वृद्धि हो रही है। 'पर्यावरणीय क्षति' वनों की कटाई, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ जनसंख्या घनत्व के कारण और गंभीर हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यदि जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया, तो 2050 तक भारत की जनसंख्या 170 करोड़ तक पहुँच सकती है। यह स्थिति हमारे आर्थिक विकास, सामाजिक समानता और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती है।वर्तमान समय में भारत विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश है भारत की वर्तमान जनसंख्या लगभग 146 करोड़ है।

यह संख्या विश्व की 20 प्रतिशत है। जबकि जमीन 2 प्रतिशत है। प्रतिदिन 90000 बच्चे पैदा हो रहे अर्थात् वर्षभर में 3 करोड़ के लगभग बच्चे पैदा हो रहे सत्ता में बैठी सरकार 5 वर्ष में अधिकतम 2 करोड़ रोजगार निर्माण कर सकती है वह भी सरकारी व प्राइवेट मिलाकर लेकिन 5 वर्ष में 10 करोड़ बेरोजगार पैदा होकर बैठे रह जाते हैं।

देश में संसाधन सीमित हैं जिसके कारण बेतहाशा बढ़ रही जनसंख्या से अशिक्षा, निर्धनता, प्रदूषण, कुपोषण, बेरोजगारी, नशा, मांसाहार-जीवहत्या, भ्रष्टाचार इत्यादि समस्याएं विकराल रूप से बढ़ती चली जा रही हैं। भारत सरकार के द्वारा जनसंख्या नियंत्रण को लेकर अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है भारतीय शक्ति चेतना पार्टी सरकार से मांग करती है कि अतिशीघ्र जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए ताकि इस अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि को रोक जा सके।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ठगे गए किसान

अमानक बीज के बाद नकली डीएपी बेचे जाने से किसानों में नाराजगी

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पेटेगांव में वर्षो से खाद बीज कीटनाशक का विक्रय करने वाले उत्तम ट्रेडर्स के संचालक पर अब तक कृषि विभाग एफआईआर नही करा पाया है। नकली डीएपी बेचने के आरोप लगे हैं। किसानों ने जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई है शिकायत की जांच कृषि विभाग के द्वारा की जा रही है वहीं डीएपी का सेम्पल जांच के लिए लेब भेजा गया है। जहां से रिपोर्ट आना बाकि बताया जा रहा है। वहीं उत्तम ट्रेडर्स के संचालक के बयान कृषि विभाग के द्वारा लिए गए हैं। वहीं दुकान को सील किए जाने की जानकारी सामने आई थी फिर यह भी चर्चा थी कि दुकान की सील गायब कर दी गई है और दुकान को खोला गया है। क्या सच है और क्या झूठ यह तो कृषि विभाग के जवाबदार अधिकारी ही बता पायेंगे। लेकिन कृषि विभाग से जुडे सूत्रों ने हैरत कर देने वाली जानकारी स्वतंत्र मत को दी है। उनका कहना है कि इस वर्ष सबसे अधिक अवैध काम कृषि बीज कीटनाशक दवा डीएपी खाद विक्रय करने वाले विक्रेताओं के द्वारा किए गए हैं।

सूत्र यह भी कह रहे हैं कि मिलती जुलती कम्पनियों के पैकिंग पाऊच कुछ कृषि माफियाओं के द्वारा बनवाए गए हैं। इसी के साथ बोरी पत्री भी नामचीन कम्पनियों की बनवाई गई है। जिन पर घटिया अमानक माल भर कर बेचा गया है। दुकानदार के पास नकली डीएपी कहां से आई है यह भी उजागर नही हो पाया है। कुल मिलाकर किसानों को ठगने के लिए जिले भर में बिचौलियां कृषि विभाग के संरक्षण में खुलेआम काम कर रहे हैं। बता दें कि इसके पहले भी अनेक दुकानों में कृषि संबंधी सामग्री विक्रय के अनेक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। जिन पर भी ठोस कार्यवाही नही हो पाई है। कुल मिलाकर विभाग खानापूर्ति कर रहा है। जबकि ऐसे दुकानदारों के लायसेंस को निरस्त करते हुए इन्हें ब्लैकलिस्टेड भी किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसा नही किया जा रहा है। खेती किसानी का समय है जहां किसानों को अच्छी फसल के लिए खाद डीएपी की बहुत आवश्यकता है जिले भर में निजी व सरकारी संस्थानों में डीएपी की कमी रही किसान परेशान रहे। जिसका फायदा उठाने के लिए कुछ कालाबाजारी तैयार रहते है। जिनके चंगुल में किसान फंस जाते है।

ऐसे ही जिला प्रसासन के सामने केवलारी व आसपास के सेकड़ो किसान पहुंचे जिन्होंने कलेक्टर को आवेदन देते हुए बताया कि उन्होंने ग्राम पेटेगाव स्थित उत्तम ट्रेडर्स से लगभग 3 पीकप वाहन भरके डीएपी खाद लेकर गए। जिसका पक्का बिल भी दुकान संचालक द्वारा नही दिया गया जब उन्होंने अपने खेतों में डीएपी डाली गई। जिससे जो कुछ फसल आई थी वह भी पीली पड़ गई खराब हो गई है। वही दूसरे खेतों के किसानों ने अन्य दुकान से ले जाकर डीएपी डाले है। उनके खेतो में शानदार स्वस्थ्य पौधे अंकुरित हुए है खेतो में फसल आने लगी है। जब उन्होंने उत्तम ट्रेडर्स से लाई गई डीएपी को पानी मे डालकर परीक्षण किया तो वह घुली नही व काले छोटे-छोटे पत्थर जैसा प्रतीत हुआ जब किसान उत्तम ट्रेडर्स के मालिक से खाद वापस करने को कहा तो उसने उल्टे किसानों को फंसाने की बात कहते हुए मारने की धमकी दिया व कहा कि में जिम्मेदारो को पैसा देता हूं मेरा कुछ नही हो सकता है जिसको रिपोर्ट करना है कर दो की बात कही है। किसानों ने उत्तम ट्रेडर्स पेटेगांव के खिलाफ जांच व कार्यवाही की मांग की व खराब हुई फसल का हर्जाना व डीएपी के पैसे की वापसी की मांग की है। कृषि विभाग जांच दल द्वारा उत्तम ट्रेडर्स पेटेगाव की जांच के दौरान भारी अनियमितता पाई गई थी। तब कृषि उप निरीक्षक मधु अली द्वारा पंचनामा तैयार कर आवश्यक कार्यवाही करते दुकान को सील किया गया था। जब जनसुनवाई में किसानों ने उत्तम ट्रेडर्स पेटेगांव के खिलाफ आवेदन दिया जिसके बाद कृषि उपनिरीक्षक मधु अली के साथ समस्त टीम उत्तम ट्रेडर्स पेटेगांव पहुंची जहा दुकान बंद मिली परन्तु जो सील की गई थी। शटर से सील गायब पाई गई। आसपास के लोगो ने बताया कि मेडम द्वारा दुकान को सील किया गया था। परन्तु अन्य लोग कार में आए उन्होंने सील तोड़ कर दुकान खोल दी है यह सुन कर मधु अली आश्चर्य से सोच में पड़ गई कि यह कार्य मेरे अधिकार क्षेत्र में है।

फिर किसने दुकान की सील तोड़ दी। वही दुकान संचालक गायब मिला उसका मोबाइल भी बन्द मिला कृषि विभाग की टीम ने अवैध तरीके से खाद को भण्डारण करने की जगह देखी जहां से खाद डीएपी गायब मिली जिसके बाद गवाहों और पीड़ित किसानों के बयान लिए गए। व कृषि विभाग उप निरीक्षक द्वारा अग्रिम कार्यवाही की बात कही। गौर करने वाली बात जब जिले भर में डीएपी की कमी रही तो उत्तम ट्रेडर्स में भारी मात्रा में डीएपी कहा से आई। दुकान की सील कैसे ओर किसने तोड़ी जिसकी खबर कृषि विभाग को नही थी। इतनी सूक्ष्मता से जिले भर के खाद बीज दुकानों की जांच चल रही। उत्तम ट्रेडर्स में कैसे डुप्लीकेट डीएपी संचालक निडरता से बेच रहा है। बार बार उत्तम ट्रेडर्स संचालक पैसे देकर कार्यवाही से बचने की बात किसानों से किया वह पैसा किसको देता है। जो खाद बीज डीएपी वह बेच रहा उसके पक्के बिल क्यो नही देता है। किसकी छत्र छाया में उत्तम ट्रेडर्स का संचालक दिलेरी से गलत तरीके से खाद भण्डारण डुप्लीकेट डीएपी बेच रहा है।

जांच के विषय है उत्तम फसल किसानों की जान होती है मुनाफा खोरो के कारण किसान परेशान होते है। वहीं केंद्र सरकार घटिया उर्वरकों कीटनाशकों और बीजों की बिक्री के खिलाफ सख्त कानून लाने की योजना बना रही है। नए कानून के तहत घटिया खाद, कीटनाशक और बीज बेचने या देने पर अधिकतम सजा का प्रावधान होगा अभी तक इस तरह की गड़बड़ी के लिए बहुत कम जुर्माने का प्रावधान है किसानों को नुकसान से बचाने के लिए सरकार यह कदम उठाने जा रही है। वहीं केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घटिया बीज, खाद और कीटनाशक की बिक्री पर चिंता जताया उन्होंने कहा कि सरकार घटिया बीज, खाद और कीटनाशकों की बिक्री के खिलाफ सख्त कानून बनाने जा रही है घटिया बीज बेचना या देना किसानों के साथ धोखा है।

पॉपुलेशन डे पर जागरूकता कार्यक्रम

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

पॉपुलेशन डे के अवसर पर इनर व्हील क्लब द्वारा पड़ाव स्थित ब्राइट फ्यूचर स्कूल में विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों के बीच ड्राइंग प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक छात्र का जन्मदिन भी हर्षोल्लास से मनाया गया इस विशेष आयोजन में बच्चों के साथ-साथ स्कूल स्टाफ व इनर व्हील क्लब की सदस्याओं ने अंगदान के प्रति जनजागरूकता फैलाने हेतु रैली का आयोजन किया। क्लब की आईएसओ प्रिया पमनानी ने बच्चों को गुड टच और बैड टच की जानकारी देते हुए उन्हें आत्म-सुरक्षा के प्रति सजग रहने की सीख दी। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष श्रद्धा तपा, सचिव सुनीता पमनानी, प्रिया पमनानी, रुबी तपा, आरती ब्रजपुरिया, रिया तपा, किरण पमनानी व अनीता चंद्रोल विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभी ने बच्चों को जागरूक और प्रेरित करने के उद्देश्य से सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रबंधन द्वारा इनर व्हील क्लब के कार्यों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

प्रधानमंत्री आवास योजना (बीएलसी) घटक 2.0 अंतर्गत ब्रिलिएंट कनवेशन सेंटर इंदौर से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नगर पालिका टाउनहॉल में किया गया। उक्त कार्यक्रम में निकाय क्षेत्र के प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 अंतर्गत हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष व अन्य पार्षदगणों के माध्यम से वितरित किए गए। उक्त कार्यक्रम में विनोद कछवाहा अध्यक्ष नगरपालिका परिषद एवं अन्य पार्षदगण सुधीर मिश्रा, श्रीमति माया गुप्ता, श्रीमति प्रतिभा साहू, श्रीमति अनीता चौधरी, श्रीमति कॉमनी चौधरी, श्रीमति पूर्णिमा धुर्वे, अनिल दुबे, नरेश सिंधिया, मो. गनी एवं आवास योजना के हितग्राही व नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

नल जल योजनाओं का निरीक्षण

मण्डला (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर के निर्देशन में जिले में संचालित नल जल योजनाओं का मुआयना सभी संबंधित एसडीएम द्वारा किया जा रहा है। इस कड़ी में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोनल सिडाम ने ग्राम पंचायत भंवरदा के ग्राम भंवरदा एवं बरबसपुर के ग्राम देवरीदादर को हस्तांतरित नल जल योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नल जल योजना अंतर्गत ट्यूबवेल, सम्पवेल, उच्च स्तरीय टंकी, पाईप लाईन, विद्युत कार्य एवं क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन की जांच करते हुए ग्रामीणों से नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति पर बात की।

युवा-संगम मेला 15 को

मण्डला (स्वतंत्रमत)। रोजगार के इच्छुक बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए मासिक रोजगार मेले का आयोजन 15 जुलाई को नगरपालिका के टाऊनहॉल में किया जा रहा है। इस मेले में बेरोजगार युवा जिनकी उम्र 18-35 वर्ष एवं योग्यता कक्षा 8वी से स्नातक आईटी आई उत्तीर्ण हो वह निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए पहुंचकर काउंसलिंग में हिस्सा ले सकते हैं। नगर पालिका के टाउनहॉल में यह आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जा रहा है। जिसमें निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियों के द्वारा रोजगार के अवसर प्रदान किये जायेंगे।

विधायक निधि से मिलेंगे 7 लाख

मण्डला (स्वतंत्रमत)। कैबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्रीमती संपतिया उइके के दादा धनीराम आश्रम महाराजपुर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पहुंची और सभी को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर की शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर उन्होंने आश्रम में उपस्थित पूज्य संत-महात्माओं एवं गुरुजनों का पूजन अर्चन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान आश्रम में अतिरिक्त कक्ष निर्माण की बात स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं द्वारा की गई। मंत्री श्रीमती उइके ने विधायक निधि से 7 लाख रुपये की राशि का स्वीकृत पत्र आश्रम के सदस्यों को सौंपा।

मत्स्यपालक कृषकों का दल रवाना

मण्डला (स्वतंत्र मत)। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत प्रगतिशील मत्स्यपालक किसानों का दल शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना किया गया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कलेक्ट्रेट परिसर में वाहन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अरविंद सिंह सहित मत्स्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने बताया कि मत्स्यपालक कृषकों का प्रशिक्षण सह एक्सपोजर विजिट कराया जा रहा है। इस शैक्षणिक भ्रमण में जिले के 43 तथा डिंडौरी जिले के 10 कुल 53 प्रगतिशील मत्स्यपालक कृषक भाग ले रहे हैं।

श्रीराम वाटिका की होगी स्थापना

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर सूर्यकुंड धाम मे महाआरती भंडारा समिति व जिला गायत्री परिवार समिति के संयुक्त तत्वावधान मे वृक्षगंगा अभियान के अंतर्गत श्रीराम वाटिका स्थापना की गई। जिसमें प्रदेश की केबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उईके भी शामिल हुईं पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत कार्य मे मंत्री ने स्थल का विधिवत मंत्रोचार के साथ भूमिपूजन कर सामूहिक गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ पौधे रोपित किये व उपस्थित जनों के साथ इसकी आवश्यक देखरेख सुरक्षा सहयोग आदि विषयों पर सामूहिक चर्चा की व रोपित पौधे की सुरक्षा की जानकारी ली फेंनसिंग तार सीमेंट पोल हेतु लगने वाली राशि का स्टीमेट बनाकर देने हेतु समिति के सदस्यों को मार्गदर्शन दिया। मंत्री का स्वागत पुष्पाहार व मंत्र दुपट्टा के साथ श्रीमति साधना वर्मा व श्रीमति सत्या रोहरा ने किया। कार्यक्रम के प्रारंभ मे मंत्री ने सर्वप्रथम हनुमान लला के दर्शन पूजन किए। कार्यक्रम मे स्थानीय समिति से सुरेश हुंका व समिति के सदस्य व हरिकेश दुबे व जिला गायत्री परिवार के परिजन उपस्थित रहे।

वनाधिकार समिति की समीक्षा

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर ने कहा कि वनभूमि में काबिज व्यक्तियों को वनाधिकार अधिनियम के तहत लम्बित आवेदन पत्र की समीक्षा कर वनाधिकार हक प्रमाण पत्र प्रदान किया जाए। इसके लिए ग्राम स्तरीय, जनपद स्तरीय एवं जिला स्तरीय समितियाँ लम्बित प्रकरणों की गहनता से छानबीन करें। जिससे पात्रताधारी व्यक्तियों को वनाधिकार हक प्रमाण पत्र प्रदान किया जा सके। कलेक्टर गोलमेज सभाकक्ष में जिला स्तरीय वनाधिकार समिति के प्रकरणों की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर वन मंडलाधिकारी पश्चिम सामान्य, वन मंडलाधिकारी पूर्व सामान्य, उपसंचालक केटीआर बफर जोन एवं जनजातीय कार्यविभाग के अधिकारी मौजूद थे। आयोजित बैठक में वनग्रामों से सामुदायिक वनाधिकार दावों हेतु प्रस्तुत किए गए आवेदनों की भी समीक्षा की गई।

ओशो ध्यान शिविर में बोले स्वामी- शिष्य के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाते हैं गुरु

मण्डला (स्वतंत्र मत)। कटरा स्थित ओशो ध्यान केन्द्र में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर ओशो के अनुयायी ने ध्यान व गुरूपूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन किया। तीन दिवसीय इस आयोजन में ध्यान, प्रवचन, और उत्सव रहा। वहीं गुरूपूर्णिमा के दिन ओशो के अनुयायी उनके प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करते रहे और उनके द्वारा बताए गए ध्यान के तरीकों का अभ्यास करते दिखे गए। ध्यान, भजन, और गुरु के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर स्वामी ध्यान भारती जी ने कहा कि ओशो का मानना है कि गुरु शिष्य के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाते हैं और उन्हें अपनी चेतना में गहरा संबंध स्थापित करने में मदद करते हैं। गुरु पूर्णिमा, गुरु-शिष्य संबंधों का उत्सव है, जहां शिष्य अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं ओशो के अनुसार गुरु ज्ञान नहीं, बल्कि चेतना देते हैं गुरु एक बीज की तरह हैं जो शिष्य को अंकुरित होने पनपने और खिलने में मदद करता है गुरु पूर्णिमा शिष्य के लिए अपने

गुरु के प्रति प्रेम और भक्ति व्यक्त करने का दिन है। वही माँ भट्टी भारती जी ने कहा कि ओशो के ध्यान और विचार आत्म-निरीक्षणऔर आत्म-अवलोकन को प्रोत्साहित करते हैं जिससे व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं और व्यवहारों को बेहतर ढंग से समझ पाता है ओशो के सक्रिय ध्यान जैसे कि गतिशील ध्यान, शारीरिक गतिविधि और भावनात्मक मुक्ति प्रदान करते हैं, जिससे तनाव और तनाव कम होता है। ओशो के ध्यान, विशेष रूप से गतिशील ध्यान, ऊर्जा के प्रवाह को उत्तेजित करते हैं, जिससे व्यक्ति अधिक ऊर्जावान और जीवंत महसूस करता है। ओशो के विचारों और ध्यान विधियों से, व्यक्ति वर्तमान क्षण में अधिक मौजूद रहना सीखता है, जो उनके अनुभवों को बेहतर बनाता है और उन्हें अपने आसपास के लोगों और दुनिया से बेहतर ढंग से जुड़ने में मदद करता है। इस अवसर पर माँ उमा भारती जी व माँ प्रेम माधुरी जी ने बताया कि ओशो के विचार और ध्यान, आध्यात्मिक विकास और परिवर्तन के लिए एक शक्ति शाली उपकरण हो सकते हैं ओशो के सक्रिय ध्यान, जैसे कि गतिशील ध्यान, कुंडलिनी ध्यान और अन्य, विभिन्न शारीरिक और मानसिक लाभ प्रदान करते हैं। इन लाभों में शामिल हैं। सक्रिय ध्यान शरीर में ऊर्जा के प्रवाह को उत्तेजित करते हैं, जिससे शारीरिक स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती में सुधार हो सकता है। वही इस अवसर पर आलोक नरेलिया ने बताया कि तीन दिवसीय इस आयोजन में ओशो के अनुयायी पहुंचे जिन्होंने ओशो के विचारों और ध्यान विधियों से लाभ मिलता है। ओशो के विचारों से आत्म-जागरूकता तनाव में कमी, बढ़ी हुई जीवन शक्ति, और आध्यात्मिक विकास जैसे लाभ हो सकते हैं उनके सक्रिय ध्यान विधियों से, जैसे कि गतिशील ध्यान, भावनात्मक स्वास्थ्य, और ऊर्जा का प्रवाह बेहतर हो सकता है। ओशो के विचारों और ध्यान विधियों से मिलने वाले लाभ मिला है। इस अवसर पत्रकार परिषद के द्वारा स्वामी ध्यान भारती जी का पुष्पमाला से स्वागत करते हुए छत्री भेंट की इस दौरान पत्रकार परिषद जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, समाज कल्याण प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कैलाश डेहरिया, वरिष्ठ समाजसेवी सुधीर कांसकार, दीपक कछवाहा, किशोर रजक, अनमोल अग्रवाल, रोहित बघेल, अनिल मिश्रा उत्सव सहित दूर दराज व अन्य शहरों से आए ओशो प्रेमी मौजूद रहे।

कृषि विज्ञान ने मनाया मछुआ दिवस

मण्डला (स्वतंत्र मत)। कृषि विज्ञान केन्द्र में मछुआ दिवस का आयोजन किया गया जिसमें जिले के सहकारी समितियों समूहों व्यक्तियों द्वारा हिस्सा लिया गया। प्रत्येक वर्ष 10 जुलाई को भारत में राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश में मत्स्य पालकों, मछुआरों और मछली पालन से जुड़े अन्य हितधारकों को शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराना एवं तकनीकी जानकारी प्रदान करना है। मत्स्य किसान दिवस का इतिहास देश में पहली बार दस जुलाई 1957 को प्रो. डॉ. हीरा लाल चौधरी और उनके सहयोगी डॉ. अलीकुन्ही ने उड़ीसा के अंगुल में भारतीय मेजरकार्प के सफल प्रेरित प्रजनन में कार्प पिट्यूटरी हार्मोन को निकालने में सफलता हासिल की थी। प्रो. चौधरी और डॉ. अलीकुन्ही के इस महत्वपूर्ण योगदान की याद में हर साल भारत में राष्ट्रीय मछुआ दिवस का आयोजन किया जाता है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर संगोष्ठी

मण्डला (स्वतंत्रमत)। केंद्रीय संचार ब्यूरो सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार क्षेत्रीय कार्यालय मंडला द्वारा एवं युवा भारत माय भारत खेल एवं युवा मंत्रालय भारत सरकार मण्डला के संयुक्त तत्वाधान में पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती विभा मिश्रा प्राचार्य, रविंद्र कुमार चौरसिया वरिष्ठ

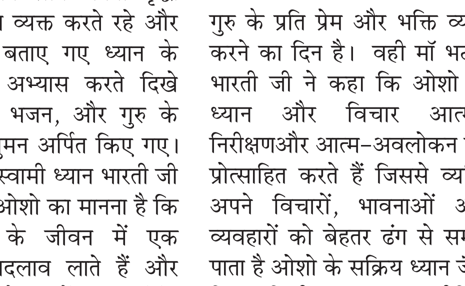

शिक्षक, रघुनंदन झरिया लेखा एवं कार्यक्रम अधिकारी माय भारत मंडला, सतीश मिश्रा शिक्षक, आशीम गौतम शिक्षक, श्रीमती उषा ठाकुर शिक्षिका एवं विद्यालय की शिक्षक शिक्षिकाएं व छात्राएं उपस्थित रही। कार्यक्रम का आयोजक केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रचार अधिकारी श्रवण कुमार साहू ने मंच का संचालन करते हुए विश्व के बढ़ते हुए जनसंख्या पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न जानकारी दी एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा विषय पर अनेक उदाहरण देते हुए महत्वपूर्ण जानकारी छात्रों को दिया गया व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सही जवाब देने वाले प्रतिभागियों को विभाग की तरफ से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

न्यायालय द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड मण्डला (म.प्र.) (पीठासीन अधिकारी- नेहा रहमान)

MJCSUC-11/2025 नियत दिनांक-04.08.2025 श्रीमती मैनवती मरावी पति स्व0 नंदकिशोर मरावी उम्र 47 वर्ष निवासी ग्राम बालाघाट रोड स्कूल टोला गुरुद पोस्ट चिरईडोंगरी तहसील नैनपुर जिला मण्डला (म0प्र0)

..... आवेदिका

विरुद्ध

कार्यालय संभागीय प्रबंधक मध्यप्रदेश व अन्य

प्रेषिति- आम जनता

.....अनावेदकगण

-आम इश्तहार-

इस आम इश्तहार के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका के द्वारा मृतक नंदकिशोर मरावी की मृत्यु उपरांत समस्त शासकीय राशि ग्रेच्युटि, पी.एफ., फेमिली पेंशन आदि प्राप्त करने हेतु धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम का आवेदन उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया है। जिस किसी भी व्यक्ति निकाय को आवेदिका के पक्ष में इस न्यायालय द्वारा उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रदाय करने में किसी भी प्रकार की आपत्ति है तो वह नियत पेशी दिनॉक 04/08/2025 को इस न्यायालय में 10.30 बजे उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, यदि उक्त नियत दिनॉक को किसी कारणवश सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है तो प्रकरण ठीक अगले कार्य दिवस में सुना जावेगा आज दिनॉक 10/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी।

मण्डला, दिनॉक 10/07/2025

नेहा रहमान
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड मण्डला जिला मण्डला

वैदिक गुरूकुल में हुआ आयोजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल में गुरु पूर्णिमा पर्व के उपलक्ष्य पर सर्वकल्याण महायज्ञ आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में गुरुकुल के आचार्यों द्वारा गुरुपूर्णिमा पर्व पर गुरु महिमा के विषय में प्रवचन किया गया व गुरुकुल के ब्रह्मचारियों द्वारा भी भजन व प्रवचन किया गया एवं आए हुए सभी अतिथि महानुभावों ने भी गुरु पूर्णिमा के पर्व पर अपने भाव व्यक्त किये। हवन, भजन, प्रवचन के पश्चात आए हुए सभी अतिथि महानुभावों ने प्रसाद ग्रहण किया। यह कार्यक्रम सनातन वैदिक गुरुकुल एवं गोशाला समिति के सदस्यों व जिला मंडला के अनेक समाजसेवी संगठनों की उपस्थिति में गुरु पूर्णिमा का महोत्सव संपन्न हुआ।

काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल परिवार आए हुए सभी अतिथि महानुभावों का धन्यवाद करता है व उन दानी सज्जनों का भी धन्यवाद करता है जो गुरुकुल व गोशाला को निरंतर प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग कर रहे हैं।

पेंशनर एसोसिएशन की बैठक आज

मण्डला। मध्यप्रदेश वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन की बैठक रविवार को स्थानीय माहिष्मति घाट के गौंडी पब्लिक ट्रस्ट भवन में दोपहर बाद 1 बजे से आयोजित की गई है। जिसमें सेवानिवृत्त पेंशनर्स का सम्मान, सदस्यता, व पत्रिका पेंशनर संवाद की सदस्यता तथा माह सितम्बर में प्रांतीय सम्मेलन में कराने पर विचार विमर्श कर निर्णय लिया जावेगा। इस बैठक में जिले के साथ समस्त विकासखंडों के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहेंगे। जिलाध्यक्ष बीके राय ने जिला शाखा, तहसील शाखा व समस्त विकासखंडों की शाखाओं के पदाधिकारियों से बैठक में आने की अपील की गई है।

62 बीएलओ ने प्राप्त किया प्रशिक्षण

मण्डला (स्वतंत्र मत)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार बूथ लेवल ऑफिसर्स के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र स्तर पर बीएलओ का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन निर्धारित प्रशिक्षण स्थलों पर किया जा रहा है। इसी कड़ी में 11 जुलाई को जिले के विधानसभा क्षेत्र निवास (अजजा) के मतदान केन्द्र क्रमांक 118 से 212 तक कुल 32 बीएलओ के लिए कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी, कार्यालय निवास में, मतदान केन्द्र क्रमांक 292 से 321 तक कुल 30 बीएलओ के लिए जनपद सभाकक्ष, मोहगांव में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र के कुल 62 बीएलओ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बीएलओ के कर्तव्य, फार्म 6,7,8 को भरना, मोबाईल ऐप से फार्मों को ऑनलाईन करना, डोर-टू-डोर सर्वे के दौरान बीएलओ के कर्तव्य आचरण, केस स्टडी, ग्रुप स्टडी, गहन पुनरीक्षण आदि के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण सत्र के बाद प्रशिक्षणार्थी बीएलओ का गूगल लिंक के माध्यम से टेस्ट भी लिया जा रहा है। 16 जुलाई 2025 तक जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र के सभी 945 बीएलओ को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। सभी बीएलओ के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य है।

भगवान शिव को भक्त प्रसन्न करने के लिए बिल्वपत्र और शमीपत्र चढ़ाते हैं। इस संबंध में एक पौराणिक कथा के अनुसार जब 88 हजार ऋषियों ने महादेव को प्रसन्न करने की विधि परमपिता ब्रह्मा से पूछी तो ब्रह्मदेव ने बताया कि

महादेव सौ कमल चढ़ाने से जितने प्रसन्न होते हैं, उतना ही एक नीलकमल चढ़ाने पर होते हैं। ऐसे ही एक हजार नीलकमल के बराबर एक बिल्वपत्र और एक हजार बिल्वपत्र चढ़ाने के फल के बराबर एक शमीपत्र का महत्व होता है।

09 अगस्त तक श्रावण माह... भोलेनाथ को विधि-विधान से करें प्रसन्न

सावन सोमवार बन रहा प्रीति और सर्वाथ सिद्धि योग

सावन की शुरुआत इस वर्ष अत्यंत शुभ संयोगों के साथ होना और भी शुभ माना जा रहा है। महादेव को प्रिय माह सावन में सोमवारी व्रत का विशेष महत्व है। शिव पूजनोत्सव के क्रम में भगवान शिव पर श्रद्धालु पूरे माहभर जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक करेंगे, जबकि विप्रजनों के निर्देशन में रुद्राभिषेक अनुष्ठान भी कराएंगे तथा बम भोले का आशीष पाएंगे। 14 जुलाई को पहला सोमवार होगा। 09 अगस्त को सावन पूर्णिमा होगी और इस दिन रक्षाबंधन का त्योहार मनाए जाने के साथ सावन माह का समापन हो जाएगा।

सावन में 4 सोमवार

इस बार सावन में 4 सोमवार व्रत रहेंगे। इसके अलावा कई विशेष शुभ योग भी आएंगे। ऐसी मान्यता है कि इस माह में किए गए सोमवार के व्रत का फल बहुत जल्दी मिलता है।

सावन सोमवार की तिथियां

पहला सोमवार–	14 जुलाई 2025
दूसरा सोमवार–	21 जुलाई 2025
तीसरा सोमवार–	28 जुलाई 2025
चौथा सोमवार–	04 अगस्त 2025

सनातन धर्म के अनुसार

सावन की शुरुआत इस वर्ष अत्यंत शुभ संयोगों के साथ होना और भी शुभ माना जा रहा है। इस बार भक्तों को चार सावन सोमवार का अवसर प्राप्त होगा। 09 अगस्त को सावन पूर्णिमा के साथ-साथ रक्षाबंधन का त्योहार भी मनाया जाएगा। सनातन परंपरा के अनुसार तिथि की गणना उदया तिथि के आधार पर की जाती है।

सावन सोमवार पूजा विधि

सावन में भगवान शंकर की विशेष रूप से पूजा की जाती है। अभिषेक में महादेव को जल, दूध, दही, घी, शकर, शहद, गंगाजल, गन्ना रस आदि से स्नान कराया जाता है। अभिषेक के बाद बिल्वपत्र, शमीपत्र, दूब, कुशा, कमल, नीलकमल, आक मदार, जंवाफूल, कनेर, राईफूल आदि से शिवजी को प्रसन्न किया जाता है। इसके साथ ही भोग के रूप में धतूरा, भांग और श्रीफल महादेव को चढ़ाया जाता है। प्रातः और सायंकाल स्नान के बाद शिव के साथ माता पार्वती, गणेशजी, कार्तिकेय और नंदीजी की पूजा करें। चतुर्थी तिथि को श्रीगणेश की विशेष पूजा करें।

भगवान शिव को प्रिय है सावन

देवों के देव महादेव को सावन महीना अत्यंत प्रिय है। मान्यतानुसार इस माह में शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

धन नहीं रुक रहा है तो

यदि आपके पास धन टिकता नहीं या फिर आता ही नहीं तो आप दही कठोर हो जाने पर उसका शिवलिंग बनाएं और उसका विधिवत पूजन व अर्चन करें। ऐसा करने से आपकी आर्थिक समस्या ठीक होगी एवं धन भी टिकने लगेगा।

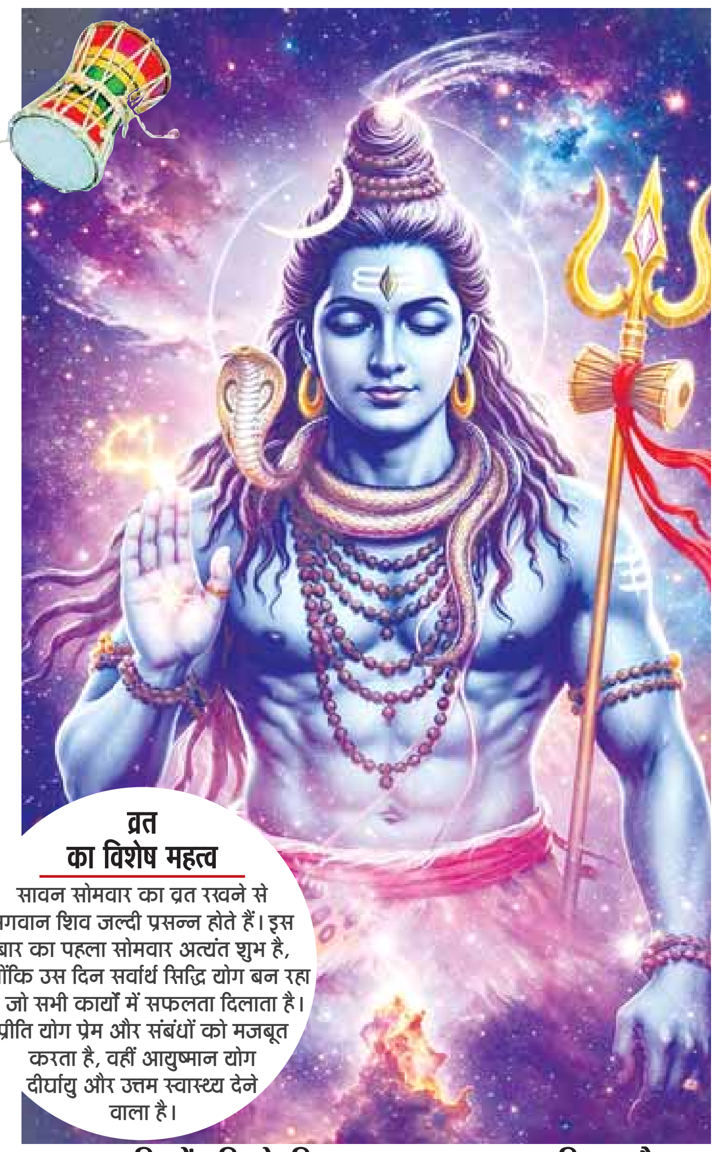

व्रत का विशेष महत्व

सावन सोमवार का व्रत रखने से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं। इस बार का पहला सोमवार अत्यंत शुभ है, क्योंकि उस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है, जो सभी कार्यों में सफलता दिलाता है। प्रीति योग प्रेम और संबंधों को मजबूत करता है, वहीं आयुष्मान योग दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य देने वाला है।

सुख-समृद्धि में वृद्धि के लिए

कनेर के फूलों से शिव पूजन करने से नवीन वस्त्रों की प्राप्ति होती है। हरसिंगार के पुष्पों से पूजन करने पर सुख-संपत्ति में वृद्धि होती है।

वाहन सुख मिलता है

लाल व सफेद आंकड़े के फूल से शिव का पूजन करने पर भोग व मोक्ष की प्राप्ति होती है। चमेली के फूल से पूजन करने पर वाहन सुख मिलता है।

सुयोग्य पुत्र के लिए

जूही के फूल से शिव का पूजन करें तो घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती है। धतूरे के पुष्प से शिवपूजा करने से सुयोग्य पुत्र मिलता है।

शिव-पार्वती की करें पूजा

शास्त्रों के अनुसार सावन सोमवार व्रत में भगवान शिव तथा पार्वतीजी की पूजा करना चाहिए। स्नान के बाद शिवजी को उनके परिवार सहित धूप, चंदन, फूल, बिल्वपत्र, भांग, धतूरा आदि चढ़ाना चाहिए। अंत में फल, मिठाई आदि का भोग लगाकर प्रसाद को लोगों के बीच बांट देना चाहिए। तीन पहर तक उपवास रखने के बाद एक समय भोजन करना चाहिए।

सावन सोमवार व्रत के फल

मान्यता है कि सावन के सोमवार का व्रत पूरे विधि-विधान से करने पर भगवान शिव अत्यधिक प्रसन्न होते हैं। इस व्रत के फलस्वरूप व्यक्ति का जीवन धन-संपत्ति से भर जाता है। इसके अलावा सभी दुःखों का भगवान शिव अंत कर देते हैं तथा मन की इच्छाओं की पूर्ति करते हैं और भक्तों के कष्टों को दूर कर देते हैं। इस व्रत को मनोवांछित वर पाने के लिए भी सार्थक माना जाता है।

शिवपुराण के अनुसार

क्या करें अर्पित

किसी भी देवी-देवता का पूजन करते वक्त उनको अनेक चीजें अर्पित की जाती हैं। प्रायः भगवान को अर्पित की जाने वाली हर चीज का फल अलग होता है। शिवपुराण में इस बात का वर्णन मिलता है कि भगवन शिव को अर्पित करने वाली अलग-अलग चीजों का क्या फल मिलता है।

कौन सा अनाज चढ़ाने से क्या फल

- भगवान शिव को चावल चढ़ाने से धन की प्राप्ति होती है।
- तिल चढ़ाने से पापों का नाश हो जाता है।
- जौ अर्पित करने से सुख में वृद्धि होती है।
- गेहूं चढ़ाने से संतान वृद्धि होती है।
- यह सभी अन्न भगवान को अर्पण करने के बाद गरीबों में वितरित करें।

कौन सा रस चढ़ाने से क्या फल

- ज्वर (बुखार) होने पर भगवान शिव को जलधारा चढ़ाने से शीघ्र लाभ मिलता है। सुख व संतान की वृद्धि के लिए भी जलधारा द्वारा शिव की पूजा उत्तम बताई गई है।
- तेज दिमाग के लिए शकर मिश्रित दूध भगवान शिव को चढ़ाएं।
- सुगंधित तेल से भगवान शिव का अभिषेक करने पर समृद्धि में वृद्धि होती है।
- शिवलिंग पर ईख (गन्ना) का रस चढ़ाया जाए तो सभी आनंद की प्राप्ति होती है।
- शिव को गंगाजल चढ़ाने से भोग व मोक्ष दोनों की प्राप्ति होती है।
- मधु (शहद) से भगवान शिव का अभिषेक करने से राजयक्ष्मा (टीबी) रोग में आराम मिलता है।

कौन सा फूल चढ़ाने से क्या लाभ

- लाल व सफेद आंकड़े के फूल से भगवान शिव का पूजन करने पर भोग व मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- चमेली के फूल से पूजन करने पर वाहन सुख मिलता है।
- अलसी के फूलों से शिव का पूजन करने से मनुष्य भगवान विष्णु को प्रिय होता है।
- शमीपत्रों से पूजन पर मोक्ष प्राप्त होता है।
- बिल्व के फूल से पूजन करने पर सुंदर व सुशील पत्नी मिलती है।
- जूही के फूल से शिव का पूजन करें तो घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती।
- कनेर के फूलों से शिव पूजन करने से नए वस्त्र मिलते हैं।
- हरसिंगार के फूलों से पूजन करने पर सुख-संपत्ति में वृद्धि होती है।
- धतूरे के फूल से पूजन करने पर भगवान शंकर सुयोग्य पुत्र प्रदान करते हैं, जो कुल का नाम रोशन करता है।
- लाल डंठलवाला धतूरा पूजन में शुभ माना गया है।
- दूर्वा से पूजन करने पर आयु बढ़ती है।

नहीं होगी अकाल मृत्यु

यंत्रशास्त्र में महामृत्युंजय यंत्र का स्थान बहुत ऊंचा है। यह यंत्र मानव जीवन के लिए अभेद्य कवच है। बीमारी में अथवा दुर्घटना आदि से अकाल मृत्यु के भय को यह यंत्र नष्ट करता है। यह शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा को नष्ट करता है। सावन के पवित्र मास में इस यंत्र की पूजा करने से विशेष फल मिलता है। इसे चल-अचल दोनों तरह से प्रतिष्ठित किया जा सकता है। श्रावण मास में महामृत्युंजय जप का विशेष महत्व है।

सनातन धर्म के अनुसार

प्राचीन ग्रंथों के अनुसार समुद्र-मंथन के दौरान समुद्र से विष निकला था। इस विष को पीने के लिए शिव भगवान आगे आए और उन्होंने विषपान कर लिया। जिस माह में शिवजी ने विष पीया था, वह सावन का माह था। विष पीने के बाद शिवजी के तन में ताप बढ़ गया। शीतलता पाने के लिए भोलेनाथ ने चंद्रमा को अपने सिर पर धारण किया। इससे उन्हें शीतलता मिल गई। ऐसी मान्यता भी है कि शिवजी के विषपान से उत्पन्न ताप को शीतलता प्रदान करने के लिए मेघराज इंद्र ने भी बहुत वर्षा की थी। इससे भगवान शिव को बहुत शांति मिली। इसी घटना के बाद सावन का महीना भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए मनाया जाता है।

साल में तीन बार रंग बदलता है तिलेश्वर महादेव का स्थापित शिवलिंग

पवित्र श्रावण मास की शुरुआत के साथ उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में पौराणिक तिलेश्वर महादेव मंदिर पर शिव भक्तों का सैलाब पहुंचने लगा है।

जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर काशी- प्रयाग के मध्य भदोही जिले के तिलंगा में स्थित तिलेश्वर महादेव मंदिर का अपना ऐतिहासिक व पौराणिक महामात्य है। बताया जाता है कि मंदिर में स्थापित अद्भुत शिवलिंग साल में तीन बार रंग बदलता है।

प्रमुख ज्योतिषाचार्य एवं इतिहास विद पंडित आलोक शास्त्री ने बताया कि वैसे तो पूर्वांचल में ऐसे कई धार्मिक मंदिर व धरोहर हैं जिनका इतिहास पौराणिक होने के साथ ही लोगों के आस्था का केंद्र भी हैं। इन्हीं प्राचीन व पौराणिक मंदिरों व तीर्थ स्थलों में शुमार जिले के गोपीगंज क्षेत्र के तिलंगा में स्थित तिलेश्वर नाथ मंदिर में स्थापित द्भुत शिवलिंग साल में तीन बार अपने स्वरूप बदलने के कारण प्राचीन काल से ही सनातनियों की आस्था का केंद्र बिंदु बना हुआ है। जहां साल भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है।

पवित्र श्रावण मास में तो तो इस मंदिर का माहात्म्य काफी बढ़ जाता है। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए भक्त सैकड़ों किलोमीटर की पैदल कांवड़ यात्रा कर जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। गंगा के तट पर स्थित मंदिर का यह शिवलिंग अपने रहस्यमयी स्वरूप के लिए जाना जाता है। पांडवकालीन शिवलिंग वर्ष की तीन ऋतुओं में तीन बार अपना स्वरूप बदलने के लिए प्रसिद्ध है। इस पर भक्तों की अपार श्रद्धा और विश्वास है। मान्यता है कि पांडवों ने इसे अपने अज्ञातवास के दौरान स्थापित किया था।

मंदिर के पुजारी महादेव गोसाई ने शिवलिंग के रहस्य के बारे में बताया कि यह शिवलिंग सावन के महीने में चप्पड़ (ऊपरी परत) छोड़ता है, लेकिन वह आज तक किसी के हाथ नहीं लग सका है। उन्होंने बताया कि सच्चे मन से जो भी मुराद मांगी जाती है, वह अवश्य पूरी होती है।

वाद की खाद खाते हैं वो... वात और वाद के रोगी

डॉ मुकेश असीमित

इस दुनिया में दो पक्के प्रकार के रोगी मिलते हैं – एक, जो 'वात' से पीड़ित होते हैं, और दूसरे, जो 'वाद' से। कई बार ये दोनों रोग एक साथ भी आ जाते हैं, और जब ऐसा होता है, तो स्थिति लगभग असाध्य हो जाती है। वैसे तो आयुर्वेद में तीन दोष बताए गए हैं – वात, पित्त और कफ – जिनसे शरीर के रोगों की जड़ जुड़ी होती है। इनमें भी वात रोग को सबसे अधिक प्रभावी माना गया है। कोई भी रोग जो किसी स्पष्ट बीमारी में फिट न बैठे, वह वात का ही रूप माना जाता है। जिसे हम वायु कहते हैं – हवा, गैस, प्रेशर, असर – उसी के दुष्प्रभाव से शरीर और मन दोनों बिगड़ जाते हैं।

वायु अगर घुटनों में जा घुसे तो आदमी लंगड़ाने लगे; पेट में हो तो अपच, बदहजमी, गैस की समस्या। और यदि वही वायु मस्तिष्क में चढ़ जाए, तो वह वात न रहकर वाद बन जाती है – और वाद का रोगी सिर्फ मानसिक रूप से नहीं, सामाजिक रूप से भी बीमार माना जाता है।

वाद के रोगी के लक्षण स्पष्ट होते हैं –

चेहरे पर तनाव, बात-बात में अकड़, मुँह से अनर्गल गालियाँ, दूसरों को अपमानित करना, खुद को महापुरुष घोषित करना और दिनभर चक्करघिन्नी की तरह घूमते रहना। वाद की भी कई किस्में होती हैं – प्रगतिवाद, प्रतिक्रियावाद, परंपरावाद, राष्ट्रवाद, निष्पक्षवाद, फलाँवाद, ढिकानावाद... बिल्कुल वायरस के स्ट्रेन की तरह। इनमें लक्षण भले ही मिलते-जुलते हों, लेकिन इलाज अलग-अलग होता है।

इस वाद से ग्रसित व्यक्ति, ठीक वैसे ही व्यवहार करता है जैसे कोई बीमार आदमी, जिसे अपनी बीमारी से प्रेम हो जाए – वह उसे ओढ़े-बिछाए घूमता है, हर चर्चा में अपनी बीमारी घुसेड़ देता है, और दूसरों की बीमारियों को घटिया या तुच्छ बताता है।

वह दिनभर घूमता है, दूसरों को विचारों का इंजेक्शन देता है, खुद को 'महान पीड़ित' और बाकी सबको 'भ्रमित' मानता है।

और इस सबके बीच, कोई एक सामान्य, संतुलित व्यक्ति – जिसे न वात ने घेरा है, न वाद ने – उन्हें बीमार लगने लगता है। ऐसे में वाद-पीड़ित उस सामान्य व्यक्ति से भी बहस में उलझ जाते हैं, और अंततः उसे भी किसी न किसी वाद में घसीट ही लेते हैं।

क्योंकि इस बीमारी का नियम है –

जो बीमार नहीं है, उसे बीमार साबित करो – यही असली वाद का प्रचार है।

कई लोग वाद के विवाद में न पड़कर स्वयं को शील कहलवाना पसंद करते हैं... नाम से ही सही, कम से कम शालीन नजर आएं।

जैसे एक हैं हमारे बब्बन चचा..

ये प्रगतिशील हैं... प्रगति में विश्वास रखते हैं – प्रगति का घूंघट ओढ़े रहते हैं।

थोड़ा ही कोई इनका घूंघट उठाने की जुर्रत करे तो शील भंग होने का रंडी-रोना रोते नजर आते हैं।

प्रगति का नंगा नाच करते हैं ये – मन, शीर और अपने कुकर्म से कभी-कभार पूरी नंगाई पर उतर आते हैं। प्रगति की लाठी हाथ में लिए लठियाते हैं, प्रगतियाते हैं! प्रगति के पीछे हाथ धोकर पड़े हैं... लेकिन,अब प्रगति की काली कोठरी में हाथ काले हुए बिना रहेंगे क्या.. प्रगति की कालिख अब पूरे चेहरे पर पोत ली है। लोट-लुहान हैं।

देखो तो, जुगाली करते हैं तो प्रगति की कैसी फेन सी निकल आती है मुँह से!

प्रगति की हरी घास काटने के लिए सर्वहारा की हँसिया इस्तेमाल करना इन्हें अतिप्रिय है!

जो उनके वाद का नहीं है, उस पर वाद-विवाद की तलवार चलाते हैं।

हद तो यह है कि ये संवेदनाएँ नहीं फैलाते – ये तो सनसनी फैलाते हैं। अपने 'वाद' को ही अंतिम सत्य मानने वाले ये लोग खुद को 'सर्वहारा' घोषित कर चुके हैं – मगर जहाँ भी किसी लेखक में वाद विहीन स्वतंत्रता दिखे, वहीं ये लपक पड़ते हैं।

वे सभी साहित्यकार इनके निशाने पर होते हैं, जो किसी भी वाद में नहीं फँसते –

उन्हें 'प्रतिक्रियावादी' करार दे दिया जाता है,
उन्हें जनविरोधी घोषित कर दिया जाता है,
और साहित्य के मंचों पर तख्तियाँ टाँग दी जाती हैं
यहाँ बिना वाद का प्रवेश वर्जित है।

उन्होंने मुझसे पूछा –
आप किस वाद से पीड़ित हैं?
मैंने निर्विवाद रूप से अपनी मंशा जताई –
कृपया मुझे किसी वाद के कीचड़ में न घसीटें।

बोले – कैसे लेखक हो तुम यार? बिना वाद की स्याही डाले तुम्हारी लेखनी लिख ही कैसे पाएगी! तुम किसी वाद से पीड़ित नहीं हो – इसका मतलब निश्चित ही तुम सत्ता के चाटुकार हो... सत्ता के दरबारी! क्योंकि वही तो छुपाए फिरते हैं अपनी फितरत!

और जब मैं कहता हूँ – भाई, मुझे निर्विवाद ही रहने दोज क्यों घसीट रहे हो किसी वाद में?

तो कहते हैं – बेटा! साहित्य के किले में वाद की रस्सी पकड़कर ही चढ़ा जाता है!

कहो... अब मैं क्या करूँ? रस्सी पकडूँ या कलम?

दान-पुण्य करने से बरसेगी सूर्य कृपा

ज्योतिषियों की मानें तो मेष राशि के जातकों पर सूर्यदेव की विशेष कृपा बरसती है। इस राशि के जातक कारोबार में उत्तम करते हैं। सूर्यदेव की कृपा से जातक को कॅरियर में मनमुताबिक सफलता मिलती है। इस शुभ तिथि पर दान-पुण्य करने से जातक पर सूर्यदेव की कृपा बरसती है।

कैसे प्रसन्न करें?

सनातन धर्म में संक्रांति तिथि का बेहद खास महत्व है। यह पर्व हर महीने सूर्यदेव के राशि परिवर्तन करने की तिथि पर मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर आत्मा के कारक सूर्यदेव की पूजा की जाती है, साथ ही दान-पुण्य किया जाता है। धार्मिक मत है कि सूर्यदेव की पूजा करने से कॅरियर संबंधी परेशानी दूर होती है, साथ ही सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। संक्रांति तिथि पर श्रद्धालु गंगा नदी में स्नान करते हैं।

सूर्य राशि परिवर्तन

वर्तमान समय में सूर्यदेव मिथुन राशि में विराजमान हैं। इस राशि में सूर्यदेव 15 जुलाई तक रहेंगे। इसके अगले दिन सूर्यदेव मिथुन राशि से निकलकर कर्क राशि में गोचर करेंगे। सूर्यदेव 16 जुलाई को शाम 05 बजकर 40 मिनट पर कर्क राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में सूर्यदेव एक महीने तक रहेंगे। इसके बाद सूर्यदेव कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में गोचर करेंगे।

पुण्यकाल– सुबह 05 बजकर 40 मिनट से लेकर शाम 05 बजकर 40 मिनट तक।

महापुण्यकाल– 16 जुलाई को दोपहर 03 बजकर 22 मिनट से लेकर शाम 05 बजकर 40 मिनट तक।

कर्क संक्रांति शुभ मुहूर्त

सूर्यदेव के कर्क राशि में गोचर करने की तिथि पर कर्क संक्रांति मनाई जाती है। इस प्रकार 16 जुलाई को कर्क संक्रांति मनाई जाएगी। इस दिन पुण्यकाल सुबह 05 बजकर 40 मिनट से लेकर शाम 05 बजकर 40 मिनट तक है, वहीं महापुण्यकाल दोपहर 03 बजकर 22 मिनट से लेकर शाम 05 बजकर 40 मिनट तक है।

कर्क संक्रांति शुभ योग

ज्योतिषियों की मानें तो कर्क संक्रांति पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। कर्क संक्रांति पर शोभन योग का संयोग 11 बजकर 57 मिनट तक है। इसके साथ ही पूर्व भाद्रपद और उत्तर भाद्रपद का संयोग बन रहा है। इन योग में सूर्यदेव की पूजा करने से आरोग्यता का वरदान प्राप्त होगा।

कर्क संक्रांति पूजा विधि

ब्रह्म मुहूर्त में उठकर शुद्ध होकर पवित्र नदी, सरोवर या घर में ही गंगाजल मिलाकर स्नान करें। साफ स्थान पर लाल या पीला वस्त्र बिछाकर सूर्यदेव की प्रतिमा या चित्र रखें। दीपक जलाएं और रोली, चावल, पुष्प, लाल वस्त्र, लाल चंदन, गुड़ और गेहूं से पूजा करें। इसके बाद घृणि सूर्याय नमः का 11, 21 या 108 बार जाप करें। तांबे के लोटे में जल, लाल पुष्प, रोली, अक्षत मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें।यदि संभव हो तो व्रत रखें। दिनभर फलाहार करें और सात्विक आहार ग्रहण करें।तांबा, गेहूं, गुड़, घी, लाल वस्त्र, छाता, जल से भरे घड़े, फल, अनाज, दक्षिणा आदि इस दिन दान करने का बहुत पुण्य मिलता है।

अवसाद : बच्चों की उम्र और कैरियर

वर्षा वार्ष्णेय
लेखिका एवं कवियित्री, अलीगढ़

न कार से न हार से
सुकून मिलता सिर्फ प्यार से,
दुनिया के ऐशोआराम से क्या काम
जिंदगी चलती है सिर्फ प्यार से'

आज हर दूसरा व्यक्ति अवसाद को सहन कर रहा है । आप कभी किसी से भी बात करो ,सभी हमसे ज्यादा परेशान दिखाई देते हैं ।क्यों इसका कारण क्या है ? क्या कभी किसी ने इसकी तह में जाने की कोशिश की है । इस संसार का प्रत्येक जीव फिर वो चाहे इंसान ही या जानवर ,हर व्यक्ति को प्रेम और स्नेह की अति आवश्यकता होती है । खाना समय से न खाना ,गरिष्ठ पदार्थों का सेवन ,जीवन में उल्लास की कमी ,पति पत्नी दोनों का सर्विस करना ,सबका अलग अलग रहना ये सभी बहुत सारी बातें हैं जो आज बीमारियों को दावत दी रही हैं क्योंकि जब घर परिवार और पति -पत्नी में सामंजस्य ही नहीं होगा तो स्वाभाविक है कि कोई भी खुश नहीं होगा ।भूख ,प्यास काम, क्रोध, नींद सभी जन्मजात आवश्यकताएं हैं जिनका समय से पूरा न होना ही अवसाद को जन्म देता है । प्रेम वहीं होता है जहां परिवार में सामंजस्यता होती है । जहाँ प्रेम नहीं वहाँ निराशा और अवसाद जैसी बीमारियों का जन्म होता है । नतीजा आज जीवन सिर्फ एक रूटीन बनता जा रहा है ,जहाँ व्यक्ति सिर्फ एक अंधी दौड़ में बिना सोचे समझे भाग रहा है । माना कि पैसा जीवन में अति आवश्यक है लेकिन क्या परिवार के साथ बैठना उठना ,हँसना बोलना भी उतना ही जरूरी नहीं ?आखिर ऐसा क्यों ? दूसरों से होड़ करना ,अपनी खुशी से कभी संतुष्ट न हो पाना ,परिवार के लिए समय न देना ,रिश्तों की सच्चाई और गंभीरता को छीन रहा है । आज जहाँ शादी का मतलब सिर्फ शारीरिक संबंध से माना जाता है वहाँ पति पत्नी एक दूसरे की भावनाओं को समझ ही नहीं पाते

,नतीजा अलगाव,चिढ़चिढ़ापन परिवार में लड़ाई झगड़े आम बात होती जा रही है । पति पत्नी दोनों को ही एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए तभी जीवन की गाड़ी सही पटरी पर चल सकती है । हमारे समाज में आज भी जीवन से संबंधित बातों को गंदा माना जाता है ।चोरी छिपे उल्टा सीधा साहित्य पढ़ना , दोस्तों से गलत जानकारी लेने में किसी को कोई आपत्ति नहीं लेकिन माँ बाप का बच्चों से खुलकर बात करना आज भी गलत समझा जाता है ।आज देर से शादी करना भी एक ट्रेंड बन चुका है। का वर्षा जब कृषि सुखानी ।आज के परिवेश में बच्चों को जीवन से पहले कैरियर की चिंता ज्यादा होती है ,बाकी सब बातें उनके लिए कोई मायने नही रखती । प्रकृति के खिलाफ जाना दुष्परिणाम देता ही है। हर युवा में

प्रकृति के अनुसार शारीरिक परिवर्तन होते हैं और ये परिवर्तन कुछ जरूरी बातों की ओर इशारा करते हैं लेकिन आज के युवा इन बातों को नजरअंदाज करके अपने जीवन को तबाही के रास्ते पर ले जाते हैं जिनका पता समय बीतने पर लगता है। प्रकृति ने सभी के लिए कुछ समय निर्धारित किया है लेकिन पैसे और कैरियर की तमन्ना में हम अपनी मूलभूत आवश्यकताओं को नजरअंदाज करते चले जाते हैं नतीजा आज सभी के सामने है ।सही उम्र में शादी करना परिवार और समाज के एक अति आवश्यक फर्ज का भी दायित्व उठाना होता है जिसे आज की पीढ़ी नजरअंदाज कर रही है जिसका असर देर सवेर हमारे परिवार पर ही पड़ता है ।आप सभी एक बार जरूर सोचें कि क्या हम अपने बच्चों को सही सीख दे पा रहे हैं ? क्या हम अपने समाज के प्रति जागरूक हैं ?

समुद्र से 2,000 साल बाद वापस आ रहा इटली का शहर

ज्वालामुखी ने डुबोया था हंसता-खेलता रोमन नगर

रोम

इटली का 2,000 साल पहले पानी में डूबकर खत्म हो गया शहर फिर से दुनिया के सामने आ रहा है। एनेरिया नाम के इस शहर को ज्वालामुखी ने तबाह कर दिया था। इटली के इस्चिया द्वीप पर 180 ईस्वी में क्रेटियो ज्वालामुखी फटा था। इससे उठी प्रचंड तरंगों ने रोमन बंदरगाह शहर ऐनारिया को समुद्र में डुबो दिया। अब पानी के नीचे की सैर और चल रही खुदाई इसके आकर्षक इतिहास को फिर से सतह पर ला रही है। इटली के इस्चिया द्वीप के तट पर खोए हुए इस रोमन शहर के खंडहर फिर से दिखने लगे हैं।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुरातात्विक उत्खनन और पानी के नीचे पर्यटन के जरिए इस शहर को दुनिया की नजर में वापस लाया जा रहा है। यह कार्टारोमाना की खाड़ी में स्थित खंडहर सतह के ठीक नीचे स्थित हैं। बड़ी संख्या में लोग कांच के

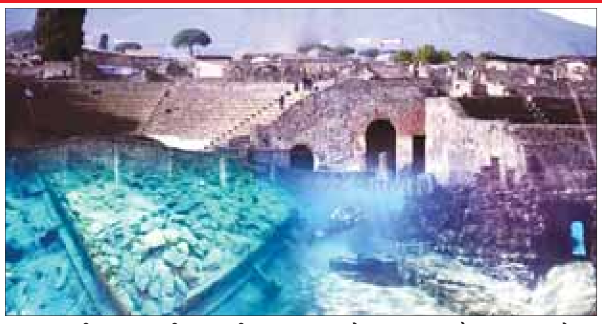

तल वाली नाव की सवारी या स्नॉर्कलिंग से इस साइट को देख सकते हैं। यहां प्राचीन घाटों, रोमन कलाकृतियों और समुद्र तल पर संरक्षित पत्थर संरचनाएं हैं।

इस शहर के शुरुआती सुराग 1970 के दशक में उभरे, जब गोताखोरों को इस्चिया तट से मिट्टी के बर्तनों और सिल्लियों के टुकड़े मिले। हालांकि तब इस खोज को रफ्तार नहीं मिल सकी। साल 2011 में स्थानीय नाविकों और इतिहास में दिलचस्पी रखने वालों को बड़ी कामयाबी मिली, जब समुद्र तल के दो मीटर नीचे दबे विशाल रोमन घाट के अवशेषों को सामने आए। इसके बाद एम्फोरा, मोजाइक, सिक्के, समुद्र किनारे विला के अवशेष और लकड़ी का रोमन जहाज यहां मिला।

ग्रीक डोमेन माना जाने वाला इस्चिया लंबे समय तक अपने थर्मल स्प्रिंग्स और 750 ईसा पूर्व में शुरुआती ग्रीक उपनिवेशीकरण के लिए प्रसिद्ध रहा। 322 ईसा पूर्व में रोमन नियंत्रण के बाद इस द्वीप का नाम बदलकर एनेरिया कर दिया गया,। यह नाम प्लिनी द एल्डर और स्ट्रैबो के शास्त्रीय ग्रंथों में भी मिलता है। हालांकि अभी तक इस रोमन बस्ती के भौतिक प्रमाण दुर्लभ रहे हैं।

पुरातत्वविद् डॉक्टर एलेसेंड्रा बेनिनी ने बीबीसी से कहा कि ऐसा माना जाता था कि रोमनों ने इस्चिया पर कभी कोई शहर नहीं बनाया। वास्तविकता इसके विपरीत थी। किसी समकालीन रोमन अभिलेख में इसका वर्णन नहीं होने की वजह सदियों तक इस स्थल के ज्वालामुखीय तलछट के नीचे दबा होना रहा है। खोज से पता चलता है कि ऐनारिया ना केवल एक बंदरगाह था, बल्कि एक आवासीय केंद्र भी था।

रोमन सैन्य अभियानों में ऐनारिया की रणनीतिक भूमिका रहने के सबूत खोज से मिलते हैं। साथ ही व्यापारिक साक्ष्य भी मजबूत हैं। इस स्थल पर पाए गए एम्फोरा भूमध्य सागर के पार 12 उत्पादन केंद्रों से हैं। खास बात ये है कि पर्यटक गर्मियों के महीनों में लाइव खुदाई देख सकेंगे। ऐनारिया का 3ष्ठ वीडियो इसकी सड़कों, इमारतों और समुद्र तट को दिखाएगा।

ये सिर्फ आत्मसमर्पण नहीं बल्कि ये उस विश्वास की जीत है : साय

रायपुर (वार्ता)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुकमा में शनिवार को 23 इनामी नक्सलियों के आत्मसमर्पण पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये सिर्फ आत्मसमर्पण नहीं है ये उस विश्वास की जीत है जो हमारी सरकार ने 'नियद नेल्ला नार' जैसी योजनाओं के माध्यम से विकास के रूप में सुदूर अंचलों तक पहुंचाया है। श्री साय ने एक्स पर किये ट्विट में कहा,बस्तर बदल रहा है, बंदूकें थम रही हैं लोकतंत्र की लौ अब हर कोने में जल रही है। सुकमा जिले में 1 करोड़ 18 लाख रुपए के 23 इनामी नक्सलियों ने आज आत्मसमर्पण किया है। इन्हें मिलाकर पिछले 24 घंटों के भीतर प्रदेश में कुल 45 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ लोकतंत्र पर भरोसा दिखाया है। ये सिर्फ आत्मसमर्पण नहीं है, ये उस विश्वास की जीत है जो हमारी सरकार ने नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं के माध्यम से विकास के रूप में सुदूर अंचलों तक पहुंचाया है। अब यहाँ बंदूक की गोली नहीं, विकास की बोली सुनाई दे रही है 15 महीनों में 1521 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह सरकार की नवीन आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025 की भी सकारात्मकता का प्रमाण है कि लोग हथियार छोड़कर विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

पृथ्वी पर लौटने के बाद शुभांशु शुक्ला को सात दिनों तक पुनर्वास में रहना होगा

नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, जो एक्सिओम-4 मिशन के तहत लगभग चार दशकों में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का दौरा करने वाले पहले भारतीय हैं, पृथ्वी पर लौटने के लिए तैयार हैं। उनका स्प्लैशडाउन 15 जुलाई, 2025 को दोपहर 3:00 बजे ढ्रुस्ञ्ज पर निर्धारित है, जो उनकी ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा के सफल समापन का प्रतीक होगा। इसरो ने एक्सिओम-4 मिशन पर एक अपडेट में कहा, पृथ्वी से उतरने के बाद, गगनयात्री को फ्लाइट सर्जन की देखरेख में पुनर्वास कार्यक्रम (लगभग 7 दिन) से गुजरना होगा, ताकि वह पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुकूल हो सके। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला 15 जुलाई को कैलिफोर्निया तट पर उतरने के बाद सात दिनों तक पुनर्वास में रहेंगे। ग्रुप कैप्टन शुक्ला 18 दिनों तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर प्रवास के बाद पृथ्वी पर लौट रहे हैं। शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री, कमांडर पैगी व्हिटसन, पोलैंड व हंगरी के मिशन विशेषज्ञ स्लावोज

उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और टिबोर कापू, 'एक्सिओम-4 मिशन' के तहत 26 जून को अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे थे।नासा ने एक बयान में बताया कि चारों अंतरिक्ष यात्री सोमवार, 14 जुलाई को भारतीय समयानुसार अपराह्न चार बजकर 35 मिनट पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से रवाना होंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अनुसार, अंतरिक्ष स्टेशन से अलग होने के बाद कई कक्षीय प्रक्रियाओं को पार कर 'क्रू ड्रैगन' अंतरिक्ष यान 15 जुलाई को भारतीय समयानुसार अपराह्न तीन बजे कैलिफोर्निया तट के पास उतरेगा।

इसरो ने 'एक्सिओम-4' मिशन के बारे में बताया, ''(अंतरिक्ष से) वापस आने के बाद शुक्ला को पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुकूल होने के लिए फ्लाइट सर्जन की देखरेख में एक कार्यक्रम के तहत (लगभग सात दिन) पुनर्वास में रहना होगा।'' इसरो ने शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा के लिए लगभग 550 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। यह एक ऐसा अनुभव है, जो अंतरिक्ष एजेंसी को अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम 'गगनयान' की योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने में मदद करेगा। 'गगनयान', 2027 में कक्षा में स्थापित होगा। इसरो के फ्लाइट सर्जन निजी चिकित्सा/मनोवैज्ञानिक सत्रों में भागीदारी के माध्यम से अंतरिक्ष यात्री शुक्ला के समग्र स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती की निरंतर निगरानी कर रहे हैं। इसरो ने बताया, गगनयात्री शुभांशु का स्वास्थ्य अच्छा है और वह उत्साह से लबरेज हैं। शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के भारतीय समयानुसार अपराह्न दो बजकर 25 मिनट पर 'क्रू ड्रैगन' अंतरिक्ष यान में सवार होने, अपने अंतरिक्ष सूट पहनने और पृथ्वी की यात्रा शुरू करने से पहले आवश्यक जांच कराने की उम्मीद है। अंतरिक्ष स्टेशन 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है।

अवैध धर्मांतरण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा:योगी

लखनऊ, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अवैध धर्मांतरण देश और समाज के खिलाफ गहरी साजिश है जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। अपने सरकारी आवास पर श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350 वें शहीदी वर्ष को समर्पित श्री तेग बहादुर संदेश यात्रा के दौरान योगी ने शनिवार को कहा कि कुछ ताकतें योजनाबद्ध तरीके से देश के स्वरूप को बदलने की कोशिश कर रही हैं। यह समाज को तोड़ने और धार्मिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की साजिश है। ऐसी गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह देश और समाज के खिलाफ गहरी साजिश है। अनुसूचित जाति के लोगों को लालच और भय के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो संविधान और सामाजिक समरसता के खिलाफ है। योगी आदित्यनाथ ने श्री गुरु तेग

बहादुर साहिब के 350वें शहीदी वर्ष को समर्पित श्री तेग बहादुर संदेश यात्रा का सरकारी आवास पर स्वागत और सम्मान किया। इस दौरान उन्होने संदेश यात्रा का फूल बरसाकर स्वागत किया। यहीं से संदेश यात्रा का शुभारंभ हुआ। संदेश यात्रा लखनऊ से चलकर कानपुर, इटावा, आगरा होकर दिल्ली के चांदनी चौक और शीशगंज गुरुद्वारा तक जाएगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि प्रदेश सरकार अवैध धर्मांतरण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने हाल ही में बलरामपुर में एक बड़ी कार्रवाई की है, जिसमें अवैध धर्मांतरण को बढ़ावा देने के लिए विदेशों से धन राशि प्राप्त करने वाले एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया। इस कार्रवाई में अवैध धर्मांतरण के लिए रेट तय करने के मामले को उजागर किया गया और अब तक 40 खातों में 100 करोड़ से अधिक का लेन-देन पाया गया है। यह आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा दोनों के लिए गंभीर खतरा है। योगी ने कहा कि आज एक ऐतिहासिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से दिल्ली तक एक संदेश यात्रा शुरू की गई। इस यात्रा का उद्देश्य गुरु तेग बहादुर जी महाराज की शहादत को याद करना था, जिन्होंने सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपनी जान दी थी। यात्रा दिल्ली के उस ऐतिहासिक गुरुद्वारे तक जाएगी, जहां गुरु तेग बहादुर जी ने अपना बलिदान दिया था। उन्होने कहा कि यात्रा के माध्यम से 350 वर्षों के शहीदी इतिहास को जीवंत किया जा रहा है, जिसमें उस समय के कठिन कालखंड की याद दिलाई जा रही है जब औरंगजेब जैसे अत्याचारी शासक का शासन था।

नासा का एक्सिओम मिशन 4 दल अगले सप्ताह लौटेगा धरती पर

वाशिंगटन (वार्ता)

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बताया है कि अंतर्राष्टीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए चौथी निजी अंतरिक्ष यात्री उड़ान 14 जुलाई को परिक्रमा प्रयोगशाला से रवाना होकर पृथ्वी पर वापस लौटेगी।

नासा की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के मुताबिक चार सदस्यीय दल स्थानीय समय के अनुसार लगभग 7:05 बजे (जीएमटी समय 11:05) पर आईएसएस से स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान से रवाना होगा और कैलिफोर्निया के तट के लिए अपनी यात्रा शुरू करेगा। एक्सिओम मिशन 4 नामक इस मिशन को 25 जून को फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया गया था।

इस दल में नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री और एक्सिओम स्पेस में मानव अंतरिक्ष उड़ान निदेशक पैगी व्हिटसन, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोजेक्ट अंतरिक्ष यात्री पोलैंड के स्लावोज़ उज़्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के ऑर्बिट अंतरिक्ष यात्री टिबोर कापू शामिल हैं।

यह मिशन भारत, पोलैंड और हंगरी के लिए चार दशकों से भी अधिक समय में पहला सरकार समर्थित कक्षीय उड़ान है। वापस लौटने वाला ड्रैगन कैप्सूल 580 पाउंड से अधिक का सामान लाएगा जिसमें नासा के हार्डवेयर और मिशन के दौरान किए गए 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोगों का डेटा शामिल है।

अफ्रीका का उत्तर कोरिया बना माली!

बमाको

अफ्रीकी देश माली सरकार के प्रमुख असिमी गोइता का राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच के लिए बढ़ा दिया गया है। माली की मंत्रिपरिषद ने बुधवार को उस विवादास्पद विधेयक को उस मंजूरी दी है, जिससे सैन्य जुंटा प्रमुख गोइता को बिना चुनाव सत्ता में पांच साल का समय मिल गया है। अब गोइता 2030 तक देश का नेतृत्व करते रहेंगे। इस फैसले से माली की सत्ता पर काबिज सैन्य नेतृत्व और ज्यादा मजबूत हो गया है। असिमी गोइता माली के सैन्य अधिकारी हैं, जो 2021 के तख्तापलट के बाद से माली की सत्ता पर काबिज हैं। मुस्लिम बाहुल्य माली में गोइता ने ऐसा कानून बनाया है, जो बिना चुनाव उनको राष्ट्रपति बने रहने की ताकत देता है। पिछले हफ्ते देश की सैन्य-नियुक्त संस्था ने ये कानून पास किया है। हालांकि गोइता ने सत्ता पर नियंत्रण के बाद मार्च 2024 तक

चुनाव कराने और नागरिक नागरिक को सत्ता सौंपने का वादा किया था लेकिन वह इससे पलट गए हैं। गोइता के इस फैसले से क्षेत्रीय एक्सपर्ट उनकी तुलना उत्तर कोरिया के किम जोंग उन से कर रहे हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि गोइता भी किम की तरह सत्ता का सर्वेसर्वा बनने और आजीवन इस पर बने रहने की राह पर चलते दिख रहे हैं। गोइता को पांच साल के लिए राष्ट्रपति बनाने वाला नया कानून देश में शांति होने तक, जितनी बार जरूरी हो, उतनी बार उनको इस पद पर बने रह सकते हैं। इस साल की शुरुआत में जुंटा के नेतृत्व वाली एक समिति ने सिफारिश की थी कि गोइता को बिना चुनाव के पांच साल के लिए राष्ट्रपति घोषित किया जाए। इसके बाद उनको राष्ट्रपति बनाया गया है। इसी कमेटी ने राजनीतिक दलों को भंग करने और नए दल बनाने के नियमों को सख्त करने की सिफारिश की। इसके बाद जुंटा ने मई में सभी राजनीतिक दलों और राजनीतिक संगठनों को भंग करते हुए सभाओं पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। इन फैसलों से देश में सत्ता की पूरी ताकत गोइता के हाथ में आ गई है। वह देश के सबसे ताकतवर शख्स हैं। माली दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है। माली कई आतंकी गुटों और आपराधिक संगठनों की हिंसा में फंसा हुआ है। गोइता ने देश को इन मुश्किलों से बाहर निकालने का वादा करते हुए सत्ता को नियंत्रण में लिया था।

माकपा मतदाता सूची अद्दतन प्रक्रिया में डाल रही है बाधा : भाजपा

तिरुवनंतपुरम, (वार्ता)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई ने शनिवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) मतदाता सूची अद्यतन प्रक्रिया को जानबूझकर बाधित कर रही है ताकि मतदाताओं को आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में भाग लेने से रोका जा सके।

भाजपा के प्रदेश महासचिव एमटी रमेश ने आज यहां एक बयान जारी करके आरोप लगाया कि माकपा राज्य चुनाव आयोग का उपयोग राजनीतिक हित के लिए कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदाता सूची अद्यतन प्रक्रिया के कार्य में राजनीतिक कारणों से विलंब किया जा रहा है।श्री रमेश ने कहा, माकपा आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में मतदाताओं को भाग लेने से रोकने के लिए मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश रही है।भाजपा ने राज्य चुनाव आयोग से मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया में तकनीकी खामियों को दूर करने का आग्रह करते हुए चेतावनी दी कि इन मुद्दों का समाधान करने में विफल रहने से कई पात्र लोग मतदाता सूची से बाहर हो सकते हैं।जवाब में, राज्य चुनाव आयुक्त ए. शाहजहां ने भाजपा नेताओं को सूचित किया कि इस मामले पर चर्चा के लिए 19 जुलाई को एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाएगी। श्री रमेश ने सरकार द्वारा मतदाता सूची प्रक्रिया में कथित हेराफेरी को रोकने का आह्वान किया और संभावित गंभीर अनियमितताओं की चेतावनी दी।

उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता-अनुकूल उपाय लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव आयोग ऐसा करने में असमर्थ होता है तो भाजपा अदालत का दरवाजा खटखटा सकती है। उनका बयान चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी एवं पारदर्शिता को लेकर चिंताओं को उजागर करता है। अदालत जाने की उनकी धमकी, निष्पक्ष और लोकतांत्रिक प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता रेखांकित करती है।

भाजपा ने इस बात पर बल दिया कि वर्तमान मतदाता पंजीकरण प्रणाली जटिल और उपयोगकर्ता-अनुकूल नहीं है। पार्टी ने जन सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एक सरल और ज्यादा सुलभ प्रणाली लागू करने की मांग की।

चीन का तियानझोउ-9 मालवाहक यान पहुंचाया गया प्रक्षेपण स्थल पर

वेनचांग (वार्ता)। चीन के अंतरिक्ष स्टेशन तक सामग्री पहुंचाने वाले तियानझोउ-9 मालवाहक यान और लॉन्ग मार्च-7 वाहक रॉकेट को शनिवार को प्रक्षेपण स्थल पर स्थानांतरित किया गया। यह जानकारी चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) ने दी। सीएमएसए के अनुसार मालवाहक अंतरिक्ष यान को निकट भविष्य में उचित समय पर प्रक्षेपित किया जाएगा। एजेंसी ने बताया कि वर्तमान में दक्षिणी द्वीपीय प्रांत हैनान स्थित वेनचांग अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण स्थल पर सुविधाएं और उपकरण अच्छी स्थिति में हैं। प्रक्षेपण से पहले व्यापक कार्यक्षमता जांच और संयुक्त परीक्षण योजना के अनुसार किए जाएंगे। तियानझोउ-9 एक मानवरहित कार्गो अंतरिक्ष यान है, जिसे चीन के तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन को फिर से आपूर्ति करने के लिए विकसित किया गया है। यह यान चीन के हैनान प्रांत में स्थित वेनचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से लॉन्ग मार्च 7 रॉकेट द्वारा लॉन्च किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रसद, उपकरण और वैज्ञानिक प्रयोगों को पहुंचाना है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

अपनी निर्मित फिल्मों से दर्शकों को दीवाना बनाया विमल रॉय ने

भारतीय सिनेमा जगत में विमल रॉय को एक ऐसे फिल्मकार के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने पारिवारिक सामाजिक और साफ सुथरी फिल्में बनाकर लगभग तीन दशक तक सिने प्रेमियों के दिल पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। विमल रॉय का जन्म 12 जुलाई 1909 को ढ़ाका (वर्तमान में बंगलादेश) में हुआ था। उनके पिता जमींदार थे।पिता की मृत्यु के बाद पारिवारिक विवाद के कारण उन्हें जमींदारी से बेदखल होना पड़ा।इसके बाद वह अपने परिवार को लेकर कलकत्ता चले गये। कलकता में उनकी मुलाकात फिल्मकार पी.सी. बरूआ से हुयी जिन्होंने उनकी प्रतिभा पहचान कर प्रचार सहायक के तौर पर काम करने का मौका दिया। इस बीच उनकी मुलाकात न्यू थियेटर के नितिन बोस से हुयी जिन्होंने उनकी प्रतिभा को पहचाना और बतौर छायाकर काम करने का मौका दिया।इस दौरान उन्होंने डाकू मंसूर, माया, मुक्ति जैसी कई फिल्मों में छायांकन किया लेकिन इनसे उन्हें कोई खास फायदा नही पहुंचा। वर्ष 1936 में प्रदर्शित फिल्म देवदास बिमल राम्य के सिने करियर की अहम फिल्म साबित हुयी।फिल्म देवदास में उन्होंने बतौर छायाकार के अलावा निर्देशक पी.सी. बरूआ के साथ सहायक के तौर पर भी काम किया था।फिल्म हिट रही और वह फिल्म इंडस्ट्री में कुछ हद तक अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गये ।

वर्ष 1944 में विमल रॉय ने बंग्ला फिल्म 'उयर पाथेर' का निर्देशन किया। यह फिल्म भारतीय समाज में फैले जातिगत भेदभाव से प्रेरित थी।फिल्म को जोरदार सफलता मिली। चालीस के दशक के अंत में न्यू थियेटर के बंद होने से वह मुंबई आ गये। मुंबई आने पर उन्होंने बांबे टॉकीज से जुड़े।इस काम के लिये अभिनेता अशोक कुमार ने उनकी काफी मदद की। वर्ष 1953 में प्रदर्शित फिल्म 'दो बीघा जमीन' के जरिये उन्होंने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रखा। उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी के लिये प्रतीक चिह्न बंबई विश्वविद्यालय का राजा भाई टावर रखा। फिल्म दो बीघा जमीन उनके सिने करियर में अहम पड़ाव साबित हुई।इस फिल्म की कामयाबी के बाद बलराज साहनी और विमल रॉय शोहरत की बुलंदियों पर जा पहुंचे। वर्ष 1955 में उनके सिने करियर की एक और महत्वपूर्ण फिल्म देवदास प्रदर्शित हुयी। शरत चंद्र के उपन्यास पर बनी इस फिल्म में दिलीप कुमार, सुचित्रा सेन और वैजयंती माला ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म की सफलता के बाद अभिनेता दिलीप कुमार ने कहा मैंने फिल्म इंडस्ट्री में जितना अभिनय करना था कर लिया वहीं वैजयंती माला को जब बतौर सह अभिनेत्री फिल्म फेयर पुरस्कार दिया जाने लगा तो उन्होंने यह कहकर पुरस्कार लौटा दिया कि यह उनकी मुख्य भूमिका वाली फिल्म थी। वर्ष 1959 में प्रदर्शित फिल्म सुजाता विमन राय के सिने करियर के लिये एक और अहम फिल्म साबित हुयी। फिल्म में उन्होंनें अछूत जैसे गहन सामाजिक सरोकार वाले मुद्दे को अपनी फिल्म के माध्यम से पेश किया। फिल्म में अछूत कन्या की भूमिका नूतन ने निभायी थी। फिल्म इंडस्ट्री में विमल रॉय उन गिने चुने चंद फिल्मकारों में शामिल थे जो फिल्म की संख्या से अधिक उसकी गुणवत्ता पर यकीन रखते हैं इसलिये उन्होंने अपने तीन दशक के सिने करियर में लगभग 30 फिल्मों का ही निर्माण और निर्देशन किया। फिल्म निर्माण के अलावा उन्होंने महल, दीदार, नर्तकी और मेरी सूरत तेरी आंखे जैसी फिल्मों का संपादन भी किया। अपनी निर्मित फिल्मों से लगभग तीन दशक तक दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने वाले महान फिल्माकार विमल रॉय 08 जनवरी 1965 को इस दुनिया को अलविदा कह गये। उनके निधन के बाद उनकी मौत के बाद उनके पुत्र जॉय विमल राय ने उनपर 55 मिनट की डाक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण किया।

हिंदी फिल्मों के जुबली कुमार थे राजेन्द्र कुमार

हिंदी फिल्मों के जुबली कुमार के नाम से मशहूर राजेन्द्र कुमार ने कई सुपरहिट फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया था, हालांकि उन्हें अपने करियर के शुरूआती दौर में कड़ा संघर्ष करना पड़ा। 20 जुलाई 1929 को पंजाब के सिलाकोट शहर में एक मध्यम वर्गीय परिवार मे जन्में राजेन्द्र कुमार अभिनेता बनने का ख्वाब देखा करते थे।विभाजन के बाद राजेंद्र कुमार का पूरा परिवार भारत आ गया था। इसके बाद उनके पिता ने कपड़ों का बिजनेस शुरू किया जो अच्छा चलने लगा। इस दौरान राजेंद्र कुमार की भी सरकारी नौकरी लग गई। उनकी नौकरी पुलिस विभाग में लगी लेकिन ट्रेनिंग में जाने से दो दिन पहले वह एक्टर बनने का सपना लिए हुए मुंबई पहुंच गए।

जब वह अपने सपनों को साकार करने के लिए मुम्बई पहुंचे थे तो उनके पास मात्र पचास रुपए थे। जो उन्होंने अपने पिता से मिली घड़ी बेचकर हासिल किए थे। घड़ी बेचने से उन्हें 63 रुपए मिले थे। जिसमें से 13 रुपए से उन्होंने फ्रंटियर मेल का टिकट खरीदा। मुंबई पहुंचने पर गीतकार राजेन्द्र कृष्ण की मदद से राजेन्द्र कुमार को 150 रुपए मासिक वेतन पर वह निर्माता, निर्देशक एच.एस. रवैल के सहायक निर्देशक के तौर पर काम करने का अवसर मिला। वर्ष 1950 मे प्रदर्शित फिल्म जोगन मे राजेन्द्र कुमार को काम करने का अवसर मिला। इस फिल्म में उनके साथ दिलीप कुमार ने मुख्य भूमिका निभायी थी। वर्ष 1950 से वर्ष 1957 तक राजेन्द्र कुमार फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिये संघर्ष करते रहे। फिल्म जोगन के बाद उन्हें जो भी भूमिका मिली वह उसे स्वीकार करते चले गये। इस बीच उन्होंने तूफान और दीया तथा आवाज एक झलक जैसी कई फिल्मों मे अभिनय किया लेकिन इनमें से कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुई। 1957 मे प्रदर्शित महबूब खान की फिल्म में राजेन्द्र कुमार को बतौर पारश्रमिक 1000 रुपए महीना मिला। यह फिल्म पूरी तरह अभिनेत्री नरगिस पर आधारित थी बावजूद इसके राजेन्द्र कुमार ने अपनी छोटी सी भूमिका के जरिये दर्शकों का मन मोह लिया। इसके बाद गूंज उठी शहनाई, कानून, ससुराल, घराना, आस का पंछी और दिल एक मंदिर जैसी फिल्मों मे मिली कामयाबी के जरिये राजेन्द्र कुमार दर्शको के बीच अपने अभिनय की धाक जमाते हुए ऐसी स्थिति में पहुंच गये जहां वह फिल्म में अपनी भूमिका स्वयं चुन सकते थे।वर्ष 1959 मे प्रदर्शित विजय भट्ट की संगीतमय फिल्म गूंज उठी शहनाई बतौर अभिनेता राजेन्द्र कुमार के सिने कैरियर की सबसे पहली हिट साबित हुई।

इसके बाद राजेन्द्र कुमार ने कुमार गौरव के कैरियर को आगे बढाने के लिए नाम और फूल फिल्मों का निर्माण किया लेकिन पहली फिल्म की सफलता का श्रेय संजय दत्त ले गए जबकि दूसरी फिल्म बुरी तरह पिट गई और इसके साथ ही कुमार गौरव के फिल्मी कैरियर पर भी विराम लग गया। राजेन्द्र कुमार के फिल्मी योगदान को देखते हुए 1969 में उन्हें पदमश्री से सम्मानित किया गया। नब्बे के दशक मे राजेन्द्र कुमार ने फिल्मों मे काम करना काफी कम कर दिया। अपने संजीदा अभिनय से लगभग चार दशक तक दर्शको के दिल पर राज करने वाले महान अभिनेता राजेन्द्र कुमार 12 जुलाई 1999 को इस दुनिया को अलविदा कह गये। राजेन्द्र कुमार ने अपने कैरियर में लगभग 85 फिल्मों में काम किया।

कमिश्नर धनंजय सिंह ने आंगनबाड़ी, विद्यालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। कमिश्नर जबलपुर संभाग श्री धनंजय सिंह ने आज नरसिंहपुर जिले में भ्रमण कर देवरी- राजमार्ग में आंगनबाड़ी केन्द्र, प्राथमिक शाला, पं. उमाशंकर शर्मा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवरी और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजमार्ग- देवरी का निरीक्षण किया। कमिश्नर श्री सिंह ने आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों की उपस्थिति के संबंध में जानकारी ली और बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से नाश्ता, मध्यान्ह भोजन प्रदान करने तथा उनका नियमित रूप से वजन, ऊंचाई एवं टीकाकरण करने के निर्देश दिये। भ्रमण के दौरान कमिश्नर श्री सिंह ने प्राथमिक शाला देवरी- राजमार्ग और पं. उमाशंकर शर्मा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवरी- राजमार्ग का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए प्राचार्य को निर्देशित किया।विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ- साथ खेलकूद गतिविधियों की समुचित व्यवस्थाओं हेतु निर्देश दिये। कमिश्नर श्री सिंह ने

पोषण प्रबंधन कार्यशाला में की योजनाओं की समीक्षा

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजमार्ग का निरीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपस्थित मरीजों से चर्चा कर उपचार व्यवस्थाओं की जानकारी ली। बरसात के मौसम में मौसमी बीमारियां की रोकथाम एवं समुचित उपचार की व्यवस्थाओं के लिए स्वास्थ्य विभाग को अपने क्षेत्रों में निगरानी बनाए रखने एवं आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिये। कमिश्नर श्री सिंह ने आंगनबाड़ी केन्द्र, विद्यालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिये कि वे शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही न बरतें। स्कूलों आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जाए। क्षेत्र भ्रमण के पश्चात्य आयुक्त द्वारा आईटीआई तेंदूखेड़ा में महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मैदानी अमले की पोषण प्रबंधन एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में महिला बाल विकास विभाग के 0 से 6 वर्ष के बच्चों के पोषण स्तर, टेक होम राशन वितरण एवं प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना की समीक्षा कर उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे सभी बच्चों,गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को समय पर पोषण आहार वितरित करें एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में सभी पात्र महिलाओं का समय पर पंजीयन कर उन्हें लाभ देना सुनिश्चित करें। परियोजना अधिकारी एवं सुपरवाइजर सप्ताह में नियमित रूप से भ्रमण कर विभागीय योजनाओं की मॉनिटरिंग प्रभावी ढंग से करें। स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले को निर्देशित किया कि वे महिला बाल विकास विभाग के विभागीय अमले के साथ समन्वय बनाकर संयुक्त रूप से बच्चों एवं महिलाओ के पोषण तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करें। आई टी आई परिसर में कमिश्नर श्री धनंजय सिंह, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, श्री दिलीप पटेल ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, जिला पंचायत सीईओ श्री दलीप कुमार, संयुक्त आयुक्त विकास श्री राजेश दीक्षित, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित संभाग स्तरीय, जिला स्तरीय एवं जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का एक अगस्त को किया जाएगा आयोजन

क्विज प्रतियोगिता के लिए टीम का 18 जुलाई तक ऑनलाइन होगा पंजीयन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिला पंचायत सीईओ श्री दलीप कुमार ने बताया कि मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता- 2025 का जिला स्तरीय आयोजन शुक्रवार एक अगस्त 2025 को किया जायेगा। इस पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में कक्षा 9 वीं से कक्षा 12 वीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। जिले के ऐसे समस्त शासकीय/ अशासकीय विद्यालय जो राज्य बोर्ड, केन्द्रीय बोर्ड अथवा अन्य शिक्षा बोर्ड, जिसमें कक्षा 9 वीं से कक्षा 12 वीं तक अध्ययनरत विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता के इच्छुक विद्यालयों द्वारा अपने स्कूल के कक्षा 9 वीं से कक्षा 12 वीं तक के विद्यार्थियों की 3 सदस्यीय टीम का गठन किया जायेगा। टीम गठन का दायित्व विद्यालय प्राचार्य/ प्रबंधन का होगा। विद्यालय प्राचार्य/ प्रबंधन द्वारा क्विज प्रतियोगिता के लिए टीम का पंजीयन 18 जुलाई की सायं 5.30 बजे तक ऑनलाइन लिंक के माध्यम से किया जायेगा। जिला स्तरीय पर दो चरणों में प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। प्रथम चरण में लिखित प्रश्न पत्र के हल करने के पश्चात सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली जिले की 6 टीमों को द्वितीय चरण ऑडियो विजुअल राउंड में प्रवेश दिया जायेगा। जिला स्तर पर ऑडियो विजुअल राउंड में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली टीम राज्य स्तर पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता के लिए पात्र होगी। जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता- 2025 के प्रथम चरण लिखित परीक्षा का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और द्वितीय चरण मल्टी मीडिया विजुअल राउंड का आयोजन शासकीय स्वामी विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में दोपहर 2.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक किया जायेगा। प्रतियोगिता के आयोजन के लिए क्विज प्रभारी श्री जीएस पटेल, प्राचार्य एवं क्विज मास्टर डॉ. अशोक उदेनिया वरिष्ठ अध्यापक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर को नियुक्त किया गया है। प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने के साथ- साथ जिला स्तरीय पर्यटन क्विज के विजेता एवं उपविजेता टीमों को मप्र राज्य पर्यटन विकास निगम के होटलों में ठहरने संबंधी उपहार कूपन प्रदान किये जायेंगे। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद और स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से मध्यप्रदेश के समृद्धशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कलां, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरूषों, पर्यटन महत्व की संभावनाओं आदि से छात्रों को अवगत कराने तथा पर्यटन के माध्यम से जागरूकता कराने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी।

जिले में अब तक 585.2 मिमी अर्थात 23.04 इंच वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर जिले में एक जून से 12 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 585.2 मिमी अर्थात 23.04 इंच वर्षा दर्ज की गई है। 12 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 57 मिमी अर्थात 2.24 इंच वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 77 मिमी, गाडरवारा में 39 मिमी, गोटेगांव में 42 मिमी, करेली में 40 मिमी और तेंदूखेड़ा में 87 मिमी वर्षा आंकी गई है।12 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 602 मिमी, गाडरवारा में 666, गोटेगांव में 527 मिमी, करेली में 536 मिमी और तेंदूखेड़ा में 595 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 167.40 मिमी अर्थात 6.59 इंच वर्षा हुई थी।

हृदय गति रुक जाने से कौशलेंद्र जाट पप्पू का निधन

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। ग्राम मेनावरी के जाट पटेल परिवार श्री कौशलेंद्र जाट पप्पू का करीब 39 वर्ष की आयु में हृदय गति रुक जाने के कारण निधन हो गया। वे श्री सुरेंद्र जाट पटेल के सुपुत्र थे। वे विद्यार्थी परिषद, युवा मोर्चा में वे कई पदों पर रहे। साथ ही नरसिंहपुर विधायक श्री जालम सिंह पटेल के प्रवक्ता रहे। पत्रकार संगठन और अन्य संगठनों से भी जुड़े रहे।

पैसे की मांग करने एवं लोहे के धारदार कटर से चेहरे पर मारने वाले आरोपी को 2 वर्ष का कारावास

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। न्यायालयए न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी गाडरवारा के न्यायालय द्वारा पैसे की मांग करने एवं लोहे के धारदार कटर से चेहरे पर मारने वाले प्रकरण में आरोपी उमेश उर्फ करिया उर्फ काला पिता डालचंद्र कहारए आयु 42 वर्षए निवासी शास्त्री वार्ड गाडरवारा थाना गाडरवारा जिला नरसिंहपुर को दोषसिद्ध पाते हुए आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा. 327, 324 में क्रमशः 02 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000/ रूपये अर्थदंड व 6 माह का सश्रम कारावास व 1000/ अर्थदंड से दंडित किया गया। जिला अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि दिनांक 10/11/2023 को शाम 05:30 बजे अभियोगी मजदूरी का काम करने के उपरांत अपने गांव चिहरकलां जा रहा था जैसे ही वह राजधानी किराना दुकान के सामने नया बस स्टेंट गाडरवारा पहुचा तभी निरंजन वार्ड गाडरवारा निवासी मिला और उससे शराब पीने के लिए पैसे की मांग करने लगा जब अभियोगी ने पैसे देने से मना किया तो अभियुक?त उसे मां.ब?हन की गंदी.गंदी गालियां देने लगा। इसके पश्चात अभियुक्त ने अपने हाथ में रखे लोहे के धारदार कटर से उसके चेहरे पर मार दिया जिससे उसके बांये गाल तथा होंठ पर चोट लग गयी तथा खून निकलने लगा। अभियुक्त ने अभियोगी के साथ हाथ.मुक्के से मारपीट की थी तथा जाने से खत्म करने की धमकी दी थी। अभियोगी की सूचना के आधार पर थाना गाडरवारा के अपराध क्रमांक 0/23 अंतर्गत धारा 294, 323, 324, 327 एवं 506 भाग.2 भारतीय दंड संहिता 1860 के अधीन दंडनीय अपराध की देहाती प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध की गयी। आहत का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। देहाती प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर थाना गाडरवारा के अपराध क्रमांक 1061/2023 अंतर्गत धारा 29, 323,324, 327 एवं 506 भाग.2 भारतीय दंड संहिता 1860 के अधीन दंडनीय अपराध के संबंध में अभियुक्त के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान घटनास्थल का रेखाचित्र तैयार किया गया। साक्षीगण के कथन उनके बताये अनुसार लेखबद्ध किए गये। अभियुक्त उमेश उर्फ करिया को गिरफ्तार कर पूछताछ की गयी तथा पूछताछ पंचनामा तैयार किया गया। अभियुक्त के आधिपत्य से लोहे के धारदार कटर की जप्ती शुमार की गयी। अभियुक्त की गिरफ्तारी की सूचना उसके परिजनों को प्रदान की गयी। आवयक अन्वेषण उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जिला लोक अभियोजन अधिकारी नरसिंहपुर के मार्गदर्शन मेंए सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्रीमती संगीता दुबे द्वारा उक्त प्रकरण में सशक्त पैरवी की गई।

नायब तहसीलदार व प्रभारी नायब तहसीलदार की जिले में हुई पदस्थापना

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने नायब तहसीलदार सुश्री रूबी खान को प्रभारी अधीक्षक भू- अभिलेख और प्रभारी नायब तहसीलदार श्री राजीव कुमार नेमा को नायब तहसीलदार गोटेगांव- बरहटा सर्किल के पद पर अस्थायी तौर पर आगामी आदेश के लिए पदस्थापना की है। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के राजस्व विभाग द्वारा जारी आदेश के परिपालन में नायब तहसीलदार सुश्री रूबी खान और प्रभारी नायब तहसीलदार श्री राजीव कुमार नेमा का जिला छिंदवाड़ा से जिला नरसिंहपुर स्थानांतरण किया गया है। उक्त आदेश के परिपालन में कलेक्टर द्वारा यह आदेश जारी किया है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। शासकीय हाई स्कूल खापा शेढ़ में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। जिसके अंतर्गत विद्यालय में अशोक के पेड़ का रोपण हुआ। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत विद्यालय में वृक्षरोपण किया जा रहा है ।आगामी दिवसों में भी विभिन्न प्रजाति के वृक्षों का रोपण किया जाएगा ।वृक्षारोपण प्राचार्य एस के बक्शी के मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में शिक्षक ओंकार गोस्वामी, प्रीति धुर्वे, गेंदालाल काछी तथा विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा वृक्षरोपण किया गया।

15 जुलाई से गोंदिया- कटंगी और तुमसर से बालाघाट ट्रेन होंगी शुरू

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन बिलासपुर सलाहकार मोनिल जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि, बालाघाट से गोंदिया के परिचालन में आ रही कठिनाइयों से रेल सलाहकार समिति की गत दिनों बैठक में महाप्रबंधक को अवगत कराया था। जिसमें गोंदिया में बन रहे निर्माणाधीन रेल ओवर रेल ब्रिज का सीआरएस जल्द कराने। बालाघाट से विगत समय से बंद पड़ी मेमो ट्रेनों का परिचालन पुनः शीघ्र किया जाए, जिस पर महाप्रबंधक ने कहा 4-5 जून तक सीआरएस कर लिया गया है। जिससे बालाघाट से गोंदिया ट्रेनों के परिचालन सुलभ हो जाएगा, साथ ही प्रतापबाग से गुदमा कार्ड बायपास लाइन का भी काम शुरू कर दिया गया है। इसी कड़ी में रेल्वे की एक नोटिफिकेशन जारी कर बालाघाट से प्रातः चलने वाली और गोंदिया से देर रात वाली ट्रेन पुनः चालू करने आदेशित किया। साथ ही तुमसर से बालाघाट भी चालू कर दिया गया है ।तुमसर रोड से बालाघाट डेमू ट्रेन फिर से शुरू होगी। 15 महीने बाद मिली बड़ी खुशखबरी से 15 जुलाई 2025 से यह ट्रेन सेवा बहाल होगी। यह ट्रेन तुमसर रोड होते हुए गोबरवाही, तिरोड़ी, कटंगी और वारासिवनी से बालाघाट तक जाएगी। वापसी में यह ट्रेन बालाघाट से होकर तिरोड़ी, गोबरवाही होते हुए तुमसर रोड आएगी। यात्रियों की सुविधा के अनुसार ट्रेन सुबह 10 बजे तुमसर रोड से रवाना होकर दोपहर 1 बजे बालाघाट पहुंचेगी।

निशुल्क नेत्र जांच मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर संपन्न

313 नेत्र मरीजो को मिला लाभ,42 मरीजो को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए भेजा गया

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। स्थानीय नया बस स्टैंड पर शुक्रवार को नि:शुल्क नेत्र जाँच, मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन स्व. भागचंद पहलवान की 22 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर किया गया ।सुबह से ही नेत्र रोगियो के पंजीयन व विभिन्न जांचों उपरांत निशुल्क नेत्र शिविर में सक्षम भारत संस्था एवं दादा वीरेन्द्र पुरी आई हॉस्पिटल (देवजी नेत्रालय) तिलवारा घाट, जबलपुर के नेत्र विशेषज्ञ डॉ.पवन स्थापक के मातगदर्शन में नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर देशमुख व उनकी टीम द्वारा जरूरतमंद 313 मरीजो का परीक्षण कर 42 चिन्हित नेत्र रोगियों को ऑपरेशन हेतु जबलपुर पहुंचाया

गया । देवजी नेत्रालय में इन मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा एवं उन्हें ऑपरेशन के पश्चात यथा स्थान पर छोड़ा जाएगा । नेत्र शिविर के आयोजक पहलवान मित्र मंडल ने नेत्र रोगियों की बेहतर व्यवस्थाएं की थी । शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा के नेत्र सहायक यू एस पटेल व माँ विजयासन इंस्टीट्यूट के मुकेश बसेड़िया की पैरामेडिकल टीम ने शिविर में सहयोग किया । नेत्र शिविर में मरीजो को निशुल्क दवा एवं चश्मा वितरण किये गए । पहलवान मित्र मंडल द्वारा सेवभाव के साथ नेत्र रोगियो का परीक्षण कराया व ऑपरेशन हेतु जबलपुर जाने वाले मरीजो को देवजी नेत्रालय की टीम की निगरानी में बस द्वारा रवाना किया, नेत्र शिविर की सभी वर्गों में सराहना की जा रही है । इस मौके पर समाजसेवी एवं जन प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे ।

भटेरा में संगीतमय शिव महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ 17 जुलाई से

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। ग्राम पंचायत भटेरा के वरहाल माता मंदिर परिसर में संगीतमय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ एवं 13 दिवसीय रुद्री निर्माण रुद्राभिषेक का आयोजन 17 जुलाई से 23 जुलाई तक वरहाल माता समिति ,दद्दा जी शिष्य मंडल व समस्त ग्राम वासियो द्वारा किया जा रहा है । आज 13 जुलाई से सुबह 8 बजे से 1 बजे तक रुद्री निर्माण रुद्राभिषेक प्रारंभ हो जाएगा जो 23 जुलाई तक प्रतिदिन चलेगा । भव्य कलश यात्रा 17 जुलाई को मंदिर परिसर से निकलेगी जो ग्राम के मुख्य मार्गो से कथा स्थल पहुचेगी इसके पश्चात शिव महा पुराण कथा प्रारंभ होगी जो प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक 23 जुलाई तक चलेगी । कथा समापन के बाद 24 जुलाई को हवन पूजन पूर्ण आहुति व कन्याभोज भंडारा किया जाएगा । कथा वाचक श्रीधाम वृंदावन धाम के पंडित राजकुमार शास्त्री के मुखारविंद से प्रतिदिन कथा श्रवण एवं पूजन कार्य पंडित नरेंद्र कुमार दुबे, पंडित आकाश दीप तिवारी द्वारा कराया जाएगा । ग्राम भटेरा में होने जा रहे 13 दिवसीय विशाल संगीतमय शिव महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ एवं रुद्री निर्माण रुद्राभिषेक के आयोजन को लेकर भव्य तैयारियां की जा रही है ।आयोजक मंडल ने क्षेत्र की धर्म प्रेमी जनता से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है ।

जल्द कराया जाए नाली का सुधार

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। स्थानीय चावड़ी वार्ड में बड़ेबली के सामने अलाव के पास से बनी नाली चोक भी है और उसका गंदा पानी सड़क पर बहकर आता है । धार्मिक स्थलों की ओर जाने वाले मार्ग पर गंदगी रहती है उक्त नाली की खुदाई कर पानी की समुचित निकासी नपा द्वारा कराई जाएं । वहा के निवासियों ने नगर पालिका से मांग की है कि जल्द से जल्द पेंचवर्क के माध्यम से नाली का कार्य व्यवस्थित तरीके से कराया जाए जिससे सड़क पर गंदा पानी न बह सके ।

दलित पिछड़ा समाज संगठन के प्रदेश सचिव बने झारिया

करेली। दलित पिछड़ा समाज संगठन भोपाल के महासचिव कमल सिंह कुशवाहा द्वारा जारी पत्र में मध्य प्रदेश में संगठन को विस्तार देने की दृष्टि से दलित पिछड़ा समाज संगठन के संस्थापक दामोदर सिंह के निर्देश एवं राष्ट्रीय सचिव व मध्यप्रदेश, राजस्थान के प्रभारी हुकुमचंद गहलोत की अनुशंसा पर नगर के समाज क्षेत्र में कार्य करने वाले राकेश झारिया को प्रदेश सचिव एवं जबलपुर व सिवनी का प्रभारी नियुक्त किया गया है। राकेश झारिया की नियुक्ति पर करेली से अमिता झारिया, मोहन जाटव, सोनू मेहरा, संजय झारिया, धनवती जाटव, किशन कुशवाह, नाज़ वी, जबलपुर से राम कुशवाह, शंकरलाल कसेरा, आशीष मोदी, अनाड़ी लाल झारिया, शहजाद अली, ईश्वरदास झारिया, सिवनी से पुरुषोत्तम उईके, सचिन मस्तकोले, बिंदु जोगी, सीताराम रजक आदि में अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

गुरु पूर्णिमा पर साँई दरबार में उमड़े भक्त

महाआरती में लिया आशीर्वाद, भंडारे का आयोजन

करेली। गुरू पूर्णिमा के पावन पर्व पर श्री साँई मंदिर मे प्रातःकाल 6 बजे कांकड आरती से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मंदिर के प्रधान पुजारी पं. अभिषेक शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्री गणेश, श्री महाकाल व श्री साँईनाथ का पूजन अर्चन यजमानों द्वारा किया गया। अपरांह बेला में माध्यान्ह आरती के बाद महाप्रसादी के रूप मे खिंचड़ी, चना व हलुआ का वितरण अनवरत जारी रहा। संध्या काल होने वाली धूप आरती मे श्री साँई बाबा की वंदना मे भक्तो का जनसमूह उमड़ पड़ा। अग्रणी धार्मिक संस्था युवक आध्यात्म मंडल द्वारा श्री रामचरित मानस के मासपरायण का संगीतमय पाठ किया गया। श्री बाबा साँई के श्री चरणों की वंदना भी गायक कलाकारों ने अपने भजनों के माध्यम से करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। रात्रि 12 बजे श्री साँई बाबा की शेजारती की गई। तदुपरांत महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर युवक आध्यात्म मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष हेमंत पटैल, सचिव पंकज गुप्ता, कोषाध्यक्ष अनंत नेमा सहित नवनियुक्त पदाधिकारियों का तिलक, श्रीफल से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सभी सदस्यों सहित श्री साँई प्रेमियों, नगर वासियो एवं सभी भक्तों का श्री साँई नाथ मानव सेवा संस्थान परिवार ने आभार प्रकट करते हुए सभी को बाबा का मंगल आशीर्वाद मिले ऐसी भावना व्यक्त की गई।

पारधियों के ठिकानों पर पुलिस की दबिश

अलग-अलग अनुभाग एवं थाना क्षेत्रों में एक साथ हुई रेड की कार्यवाही

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पुलिस कप्तान अभिनव विश्वकर्मा द्वारा कटनी जिले को अपराध मुक्त बनाने हेतु एवं अपराधियों पर सख्त कार्यवाही करने तथा अपराध से जुड़ने वाले व्यक्तियों को सख्त संदेश देने हेतु कटनी में संदिग्ध व्यक्तियों के ठिकानों पर कटनी पुलिस द्वारा रेड कार्यवाही की जा रही है। विगत दिनों हाईवे लूट कांड में पारधी गिरोह के अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद कटनी पुलिस की कार्यवाही तेज हो गई है। इन अपराधियों से संदिग्ध अपराध में प्रयुक्त हथियार साजो सामान बरामद होने के बाद पारधी गिरोह के अन्य ठिकानों पर भी कटनी पुलिस द्वारा रेड कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में थाना बरही, थाना रीठी, थाना कुठला, चौकी बिलहरी अंतर्गत रह रहे पारधियों के डेरो पर दबिश दी गई, इस कार्यवाही में अलग-अलग 04 टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों पर एक साथ रेड की कार्रवाई की गई। विजयराघवगढ़

अनुभाग अंतर्गत एसडीओपी विजयराघवगढ़ धीरेन्द्र धार्वे के नेतृत्व में थाना बरही, थाना वि.गढ एवं थाना बड़वारा की गठित टीमों द्वारा थाना बरही क्षेत्रांतर्गत ग्राम हीरापुर, छिंदिया टोला, खिरहनी में दबिश दी गई।

रेड कार्यवाही के दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल एवं अवैध कच्ची शराब निर्माण सामग्री महुआ लाहन लगभग 400 किलोग्राम नष्ट किया गया। नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के नेतृत्व में थाना कुठला, थाना माधव नगर, थाना रंगनाथनगर, थाना एनकेजे व्दारा थाना कुठला क्षेत्रांतर्गत ग्राम हरदुआ, मदार टेकरी, ग्राम पटेहरा, ग्राम कुडो, ग्राम कैलोरी में दबिश दी गई। एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी के नेतृत्व में थाना प्रभारी रीठी एवं थाना प्रभारी बहोरीबंद द्वारा थाना रीठी क्षेत्रांतर्गत देवगांव, बिरहुली, बूढ़ा ललितपुर, इमलिया, रयपुरा में दबिश दी गई। निरीक्षक संजय दुबे के नेतृत्व में निरीक्षक अनुप सिंह ठाकुर एवं चौकी बिलहरी व पुलिस लाइन के बल द्वारा चौकी बिलहरी क्षेत्रांतर्गत ग्राम कैमोरी में दबिश दी गई। रेड कार्यवाही के दौरान तीन संदिग्ध मोटरसाइकिल एवं अवैध कच्ची शराब निर्माण सामग्री महुआ लाहन लगभग 40 किलोग्राम नष्ट किया गया। एवं अवैध कच्ची शराब जब्त की गई।

रेड कार्यवाही के दौरान संदिग्ध निवासियों और उनके मूल निवास के संबंध में प्रशासन से जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई एवं उनके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जाँच की गई। कार्यवाही के दौरान पुलिस अधिकारियों ने परधियों को समझाइश दी कि वे अपराध की राह छोड़कर मुख्यधारा में लौटें और समाज की भलाई में सहभागी बनें।

उन्हें सख्त चेतावनी भी दी गई कि यदि भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए तो उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा भा.पु.से. के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। ऐसे अभियान भविष्य में भी समय-समय पर जारी रहेंगे।

फोटो : विकास गुप्ता

सनशाइन एकेडमी समदड़िया में क्विज प्रतियोगिता आयोजित

कटनी (स्वतंत्रमत)। सनशाइन एकेडमी समदड़ीया में शनिवार को क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस क्विज प्रतियोगिता का विषय दिनांक व कैलेंडर पर आधारित प्रश्नोत्तरी है इसमें सभी कक्षा के छात्रों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। छात्रों द्वारा बड़े ही उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता की तैयारी में कार्यरत रहे। इस प्रतियोगिता को दो भागों में विभाजित किया गया है। राउंड 1 और राउंड 2 में । सर्वप्रथम बच्चों को बताया गया कि क्विज क्या हैं। क्विज़ प्रतियोगिता व्यक्ति गत या टीमों के बीच खेला जाने वाला एक मानसिक खेल है, जिसमें प्रतियोगियों से सामान्य ज्ञान या अन्य विषयों पर प्रश्न पूछे जाते हैं। सही उत्तर देने वाला व्यक्ति या टीम जीत जाती है। यह किसी व्यक्ति के ज्ञान, कौशल और क्षमताओं का मूल्यांकन है। क्विज़ एक प्रकार का खेल अथवा दिमागी कसरत है जिसमें खिलाड़ी अकेले या टीम में सवालों के सही उत्तर देने का प्रयास करते हैं। क्विज़ एक प्रकार के संक्षिप्त मूल्यांकन को भी कहते हैं जिसका प्रयोग शिक्षा या इसी प्रकार के अन्य क्षेत्रों में ज्ञान, योग्यता औरध्या कौशल में वृद्धि को मापने के लिए किया जाता है। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं एक इंटरैक्टिव मंच प्रदान करती हैं जहां छात्र सक्रिय रूप से सीखने में संलग्न हो सकते हैं। पुरस्कार जीतने के आकर्षण के अलावा, ये आयोजन विषयों की गहरी समझ को बढ़ावा देते हैं, शैक्षिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करते हैं, तथा विभिन्न विषयों में उनकी रुचि को बढ़ाते हैं। प्रश्नोत्तरी, एक प्रतियोगिता जिसमें प्रतिभागी एक या एक से अधिक विषयों पर प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी जानकारी का परीक्षण करते हैं। प्रतियोगिता में बच्चों का प्रदर्शन काफी काबिले तारीफ रहा नन्हे छात्र छात्रों द्वारा इस प्रतियोगिता का ऐसा प्रदर्शन अविस्मरणीय है अंततः विजेता की घोषणा कर प्रधानाचार्या द्वारा बच्चो को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल की प्रबंध निर्देशिका जूही जैन और प्रधानाचार्या ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राहवीर योजना : जागरूकता के लिए लगाए पोस्टर

दुर्घटना में घायल को अस्पताल पहुंचाने पर मिलेगी राशि

कटनी (स्वतंत्रमत)। सड़क हादसों में शिकार हुए वाहन चालकों की जान बचाने के लिए शुरू की गई राहवीर योजना के तहत आमजन को जागरूक किया जा रहा है। शहर के व्यस्ततम चौराहों, पेट्रोल पंप, हॉस्पिटल, बस्टैंड एवं एंबुलेंस, बसों में पोस्टर बैनर लगाए गए है। आमजन को योजना से अवगत कराया गया ताकि आमजन योजना के प्रति जागरूक रहे एवं सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की मदद कर पाए। इस योजना के तहत किसी भी घायल को अस्पताल पहुंचाया जाता है तो पहुंचाने वाले को समान के अलावा घायल को डेढ़ लाख रुपए तक के उपचार की निशुल्क सुविधा भी मिलेगी। जानकारी के अनुसार जिले में सड़क हादसे लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले पांच माह की बात करें तो एक जनवरी से 31 मई तक कुल 517 हादसे हुए हैं। इसमें 146 लोगों ने अपनी जान गंवाई है तो वहीं 731 घायल हुए है।

जान बचाने ही उद्देश्य-यातायात प्रभारी राहुल पांडे ने बताया कि योजना का उद्देश्य दुर्घटना पीड़ितों की जान बचाने में मदद करना है। जो भी व्यक्ति सड़क दुर्घटना के शिकार व्यक्ति को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाएगा, उसे राज्य सरकार द्वारा 25 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। यह प्रोत्साहन लोगों को सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने के लिए प्रेरित करेगा।

गांजा तस्करी करते महिला के साथ एक अन्य आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा भा.पु.से. के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया एवं एसडीओपी स्लीमनाबाद आकाक्षा चतुवेर्दी मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक अखलेश दाहिया द्वारा सउनि सतीश जाटव, सउनि मानकी धुर्वे, प्र. आर. युसुफ शेख, आर. विशाल शिवहरे, म.आर. नेहा को हाईवे पेट्रोलिंग रवाना कस्बा रवाना हुआ था। दौरान हाईवे पेट्रोलिंग के एन एच 30 बाईपास रोड किनारे ग्राम भेडा चौराहा नीम के पेड के नीचे एक महिला काले रंग का ट्राली बैग लिये खड़ी हुई थी जो अचानक पुलिस को देखकर भागने लगी जो उसके भागने का संदेहास्पद होने से उन्हें हमराह स्टाफ की मदद से मौके पर उपस्थित राहगीर साक्षी के समक्ष पकड़कर पूछताछ की गयी जो अपना नाम संतोषी लुनिया पति स्व. अनिल लुनिया उम्र 37 साल निवासी ग्राम-छपरा, थाना स्लीमनाबाद जिला कटनी की होना बतायी किन्तु पुलिस को देखकर भागने सम्बन्धी जबाब संतोषजनक

नहीं दे सकी लिहाजा उक्त महिला के संदेहास्पद होने से महिला सउनि. मानकी धुर्वे की उपस्थिति मे उसे अभिरक्षा में लिया जाकर उपस्थित राहगीर गबाह एवं स्टाफ के सउनि. मानकी धुर्वे से उसकी तलाशी करायी गयी तलाशी पर संदेही के अधिपत्य से हाथ में लिये हुये एक काले रंग के ट्राली बैग मे अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल वजनी 10 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा निकला जिसकी कीमती लगभग 1,25,000/ रुपये का अवैध मादक पदार्थ गाँजा को विधिवत मुताबिक बासी पत्रक के समक्ष गवाहान आरोपिया के कब्जे से जप्त कर कब्जा पुलिस में लिया गया। आरोपिया संतोषी लुनिया का कृत्य अपराध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का होने से प्रकरण में गिरफ्तारी का कारण बताते हुए मौके में उपस्थित गवाहान के समक्ष गिरफ्तार किया गया। आरोपिया संतोषी लुनिया से जप्त अवैध मादक पदार्थ गांजा के सबंध में पूछताछ की गयी जिसके द्वारा बताया गया कि 11 जुलाई की रात्रि करीब 09 मेरा देवर सुनील लुनिया मादक पदार्थ गांजा लाकर मुझे दिया है और गांजा बेंचने की फिराक में मुझे मोटर साईकिल से लाकर यहा बाईपास ग्राम भेडा चौराहा नीम के पेड के नीचे खडा कराया है।

आरोपियो के विरुद्ध अपराध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया एवं आरोपी सुनील लुनिया को ग्राम छपरा से गिरफ्तार किया गया एवं आरोपियो की माननीय न्यायालय पेश किया गया। पुलिस कार्यवाही में विशेष भूमिया थाना प्रभारी निरीक्षक अखलेश दाहिया, उनि संतोष बड़गैया, सउनि सतीश जाटव, सउनि मानकी धुर्वे, सउनि अंजनी मिश्रा, प्र. आर. युसुफ शेख, आर. विशाल शिवहरे, विवेक, दुर्गेश कुमार, बृजेश सिंह, सोने सिंह, अभिषेक सिंह, म.आर. नेहा की अहम भूमिका रही।

फोटो :विकास गुप्ता

बाढ़ आपदा की आशंका के मद्देनज़र बचाव प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में संभावित बाढ़ आपदा की गंभीरता को देखते हुए, राज्य आपदा राहत बल द्वारा थाना उमरियापान परिसर में एक दिवसीय विशेष बचाव प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस बल, होमगार्ड, वन विभाग, सिविल डिफेंस और स्थानीय प्रशासनिक अमले को आपदा की स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम के दौरान एसडीआरएफ टीम ने बाढ़ से जुड़े विभिन्न आपातकालीन हालातों में किए जाने वाले रेस्क्यू ऑपरेशन, राफ्ट बोट संचालन, रस्सी से बचाव,

प्राथमिक उपचार, फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने की विधियांए और जीवन रक्षक तकनीकों का लाइव डेमो दिया।

प्रशिक्षण में शामिल मुख्य विषय-पानी में डूब रहे व्यक्ति को बचाने की तकनीक, बाढ़ में फंसे नागरिकों को नाव या रस्सियों से बाहर निकालना, प्राथमिक चिकित्सा और ष्टक्क्र की प्रक्रिया, सामूहिक रेस्क्यू के समय समन्वय का अभ्यास, प्रशिक्षण कार्यक्रम में निधि सिंह गोयल ढीमरखेडा, आकांक्षा चतुर्वेदी स्लीमनाबाद, अजय मिश्रा रेंजर उमरियापान, थाना प्रभारी उमरियापान दिनेश तिवारी, प्लाटून कमांडर श्वेता गुप्ता, थाना ढीमरखेड़ा एवं उमरियापान का पुलिस स्टाफ, नगर सैनिक, वन रक्षक, ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों एवं क्षेत्रीय तैराक एवं आमजन उपस्थित रहे। कटनी पुलिस आम जनता से अपील करती है कि बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदा की स्थिति में घबराने के बजाय प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। अगर आप मध्य प्रदेश में किसी आपदाग्रस्त क्षेत्र में फंसे हैं तो मदद के लिए टोल फ्री नंबर- 100, 1079, 1070 पर संपर्क करें। कटनी जिले में अतिवृष्टि के दौरान नागरिकगण बाढ़ नियंत्रण कंट्रोल रूम नंबर 07622-292740 या पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 7587615946 पर संपर्क कर सकते हैं।

मातृ शक्तियों द्वारा श्रावण मास पर किया रुद्राभिषेक

कटनी (स्वतंत्रमत)। खरे केसरवानी महिला शक्ति मंडल द्वारा 12 जुलाई को मधाई मंदिर में अध्यक्ष प्रियंका गुप्ता के मार्गदर्शन में सभी मातृ शक्तियों द्वारा बड़े ही उत्साह से श्रावण मास के द्वितीय दिन शनिवार को रुद्राभिषेक का कार्यक्रम संपन्न कराया गया महिला मंडल द्वारा पार्थिव शिवलिंग बनाए गए फिर पूजन आरती उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। जिसमें रोशनी गुप्ता, ममता गुप्ता, रेनू गुप्ता, सावित्री गुप्ता, उषा गुप्ता, विद्या गुप्ता, रूपा गुप्ता, कीर्ति गुप्ता, शीला गुप्ता, क्रांति गुप्ता, सीमा गुप्ता सहित और भी अन्य महिलाओं की उपस्थिति रही। खरे केसरवानी महिला शक्ति मंडल द्वारा अध्यक्ष प्रियंका गुप्ता के नेतृत्व में

कृष्ण वृद्ध आश्रम में वृक्षारोपण एवं वृद्धाओं को खाने पीने की सामग्री फल मिष्ठान छतरी बिस्किट नमकीन इत्यादि चीज वितरित कराई गई। जिसमें लता गुप्ता, रेनू गुप्ता, रोशनी गुप्ता, सरला गुप्ता, ज्योति गुप्ता, आरती गुप्ता, मंजू गुप्ता, क्रांति गुप्ता, शीला गुप्ता, राखी गुप्ता, ममता गुप्ता, कीर्ति गुप्ता, मंजू गुप्ता, रूपा गुप्ता सभी का विशेष सहयोग रहा और हमारे द्वारा पर्यावरण प्रदूषण को रोकने एवं वृक्षारोपण करने का संदेश दिया गया सभी मातृ शक्तियों द्वारा बताया गया कि पेड़ हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है हमें पेड़ लगाना चाहिए उसे ऑक्सीजन शुद्ध वायु एवं फल फूल इत्यादि प्राप्त होते हैं इसलिए हम सबको अपने जीवन में पेड़ पौधे अवश्य लगाना चाहिए और वृद्धो का अपने माता-पिता का बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए ताकि वह वृद्धाश्रम तक कभी पहुंच ना पाए।

बेलगाम ट्रक ने बाइक सवार युवकों को कुचला, तीनों की मौत

कुठला थाना क्षेत्र के अमराडार मोड़ पर देर रात हुई दुर्घटना

कटनी (स्वतंत्रमत)। कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अमराडार मोड़ के समीप शुक्रवार की देर रात एक ट्रक ने बाइक सवार तीन युवकों को रौंद डाला। हादसे में तीनों बाइक सवार युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ट्रक चालक ट्रक को घटनास्थल पर ही छोड़कर भाग निकला। बताया जाता है कि तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने बाइक सवार तीन युवकों को सामने से जोरदार ठोकर मार दी, जिससे बाइक ट्रक के नीचे आ गई और ट्रक ने तीनों को कुचल डाला। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कुठला थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल

भिजवाया। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए कुठला थाना प्रभारी राजेंद्र मिश्र ने बताया कि ट्रक क्रमांक एमपी 21 एच 1596 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक क्रमांक एमपी 35 एमजी 3106 में सवार तीनों युवकों को कुचल दिया। हादसे में तीनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक तीनों युवक रोहनिया शाहनगर निवासी थे जो कि कटनी से अपने घर की ओर जा रहे थे। पुलिस ने मृतकों की शिनाख्त की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृत युवक आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं, जिनकी उम्र 20 से 30 वर्ष के बीच है। परिजनों को सूचित कर दिया गया है। ट्रक को जब्त कर ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

बैंकर्स स्वरोजगार योजनाओं के ऋण वितरण कार्य में तेजी लायें : कलेक्टर

जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक में विभागों और बैंकर्स को कलेक्टर ने दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। सभी बैंकर्स सकारात्मक रूख अपनाते हुये विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के हितग्राहियों के प्रकरणों का समय पर निष्पादन कर ऋण उपलब्ध करायें। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने यह निर्देश कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक में दिए। कलेक्टर ने बैंकर्स को निर्देशित किया कि स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरणों को स्वीकृति प्रदान करनाए केवल लक्ष्य पूर्ति का मामला नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य जरूरतमंद हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

कलेक्टर ने बैंकर्स को निर्देशित किया कि वे विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के विभागों के लक्ष्य के अनुरूप बैंकों में पहुंचने वाले स्वरोजगार के प्रकरणों के निराकरण में सकारात्मकता और संवेदनशीलता दिखायें। ताकि रोजगार-स्वरोजगार की दिशा में लोग आगे बढ़ें और अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। इसके लिये जरूरी है कि बैंकर्स समय पर आवेदनों पर ऋण वितरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बैठक में पशुपालन विभाग, उद्यानिकी विभाग, एनआरएम अल्पसंख्यक एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा के दौरान विभागों की संतोषजनक प्रगति नहीं होने पर नाराजगी जताते हुये लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाने की सख्त हिदायत दी। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत सभी बैंकों को लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि अर्जित करने और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के हितग्राहियों के वितरण आवेदन पत्रों को पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिये। ताकि लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि के साथ-साथ हितग्राहियों को ब्याज अनुदान एवं गारंटी फीस का भी लाभ मिल सके। उन्होंने बैंकर्स से भी कहा कि वे समय से अनुदान पोर्टल पर क्लेम करें। कलेक्टर ने दो टूक लहजे में पशुपालन, मत्स्यपालन, शहरी विकास अभिकरण, एनआरएलएम एवं आदिम जाति कल्याण विभाग, अंत्यावसायी वित्त विकास निगम और उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को योजनाओं के लिये तय लक्ष्यों को पूर्ण करने की हिदायत दी। उन्होंने फसल बीमा पोर्टल में अपडेट करने और पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार करने की महत्वाकांक्षी आचार्य विद्यासगर योजना के प्रकरणों में ऋण का शीघ्र वितरण करने सुनिश्चित किया। बैठक में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की महाप्रबंधक ज्योति सिंह, डीडी नाबार्ड, आरसीटी डायरेक्टर पवन गुप्ता, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग मोदी, सहायक प्रबंधक राजेश पटेल, अग्रणी जिला प्रबंधक मेजरस किंडो और सभी बैंकों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

भारतीय टीम का स्कोर इंग्लैंड के बराबर

राहुल ने शतक-जडेजा ने फिफ्टी बनाई, बेन स्टोक्स ने नीतीश रेड्डी को पवेलियन भेजा

लॉर्ड्स, (वार्ता)। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। शनिवार को मुकाबले का तीसरा दिन है और आखिरी सेशन का खेल जारी है। टीम इंडिया ने समाचार लिखे जाने तक पहली पारी में भारत ने इंग्लैंड के स्कोर बराबर कर लिया है। टीम 387 के स्कोर पर ऑल आऊट हो गई। जडेजा ने इस सीरीज में लगातार तीसरी फिफ्टी बनाई है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 9वां और ओवरऑल 25वां अर्धशतक पूरा किया है। नीतीश कुमार रेड्डी 30 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें बेन स्टोक्स ने विकेटकीपर जैमी स्मिथ के हाथों कैच कराया।केएल राहुल (100 रन) को शोएब बशीर ने आउट किया। ऋषभ पंत (74 रन) रनआउट हुए।

राहुल को बशीर ने ब्रूक के हाथों कैच कराया-केएल राहुल (100 रन) को शोएब बशीर ने हैरी ब्रूक के हाथों कैच कराया। ऋषभ पंत लंच से ठीक पहले 74 रन बनाकर रनआउट हुए। भारत ने तीसरे दिन 145/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया था। मुकाबले के दूसरे दिन इंग्लैंड की टीम 387 रन बनाकर ऑलआउट हुई। यह सत्र पूरी तरह से भारत के नाम होता, लेकिन पंत का विकेट लेकर इंग्लैंड ने वापसी की कोशिश की। पंत और राहुल बेहतरीन ढंग से खेल रहे थे। दोनों ने अपना अर्धशतक भी पूरा किया था। लेकिन इस सत्र के आखिरी ओवर की पहली गेंद पर पहले दो रनों की गलतफहमी हुई और यह फिर रन चुराने के चक्कर में पंत को अपना विकेट गंवाना पड़ा। पंत के आउट होने के साथ ही लंच हो गया।

राहुल और ऋषभ की जोड़ी ने धैर्य के साथ रन बटोरे-भारत ने कल के तीन विकेट पर 145 रनों से आगे खेलना शुरु किया। शुरूआती एक घंटे में केएल राहुल और ऋषभ पंत की जोड़ी ने धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए रन बटोरे। इसके बाद दोनों बल्लेबाजों ने अपने हाथ खोले। इस दौरान जहां राहुल चौके लगा कर स्कोर में इजाफा कर रहे थे वहीं ऋषभ पंत ने चौकों के साथ दो छक्के भी जड़े। इस दौरान लंच से ठीक पहले स्टोक्स ने कवर पाइंट से सीधा थ्रो कर पंत को रनआउट कर पवेलियन भेज दिया। पंत ने 112 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए (74) रनों की पारी खेली। भारत ने लंच तक चार विकेट पर 248 रन बना लिये है।

इंग्लैंड ने 387 का स्कोर बनाया था-इंग्लैंड को आज पहले सत्र के आखिर में एक विकेट रनआउट के रूप में मिला। इंग्लैंड ने पहली पारी में जो रूट के शतक, जेमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स के अर्धशतकों की मदद से 387 का स्कोर बनाया था।

पंत का रन आउट होना दुर्भाग्यपूर्ण रहा : अनिल कुंबले

जियो हॉटस्टार के विशेषज्ञ, अनिल कुंबले और स्टीव हार्मिसन ने मैच सेंटर लाइव पर बात करते हुए, तीसरे दिन के पहले सत्र पर विचार किया। उन्होंने भारत की बल्लेबाजी की तारीफ की, लेकिन साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि कैसे पंत के आउट होने से इंग्लैंड को एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा मिली। तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को पहले सत्र के बाद मैच सेंटर लाइव पर बात करते हुए, जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ अनिल कुंबले ने ऋषभ पंत के दुर्भाग्यपूर्ण रन-आउट पर अपनी राय दी मुझे लगता है कि शुरुआत में ऋषभ पंत ने कॉल किया और फिर यह सोचकर हिचकिचाए कि कोई रन नहीं है। और फिर केएल ने तुरंत शुरुआत की। इसलिए ऋषभ पंत की शुरुआती हिचकिचाहट ने शायद उनकी प्रतिक्रिया में देरी की। और फिर उन्हें रन लेना पड़ा क्योंकि केएल सीधे दौड़कर लक्ष्य पर पहुंच रहे थे। यह निश्चित रूप से अनावश्यक था, क्योंकि आप अगली तीन गेंदों को रोक सकते थे, लंच पर जा सकते थे, और फिर जो करना था कर सकते थे-या उस शानदार

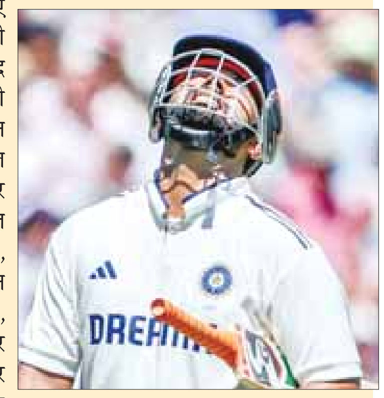

प्रदर्शन को जारी रख सकते थे जो इन दोनों बल्लेबाजों ने पहले सत्र में किया था। केएल राहुल और ऋषभ पंत के बीच शानदार साझेदारी पर बात करते हुए, कुंबले ने कहा उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मेरा मतलब है, एक शानदार साझेदारी। ऐसा नहीं है कि उन्हें कड़ी टक्कर देनी पड़ी- नियंत्रित आक्रामकता। मुझे लगा कि पहला सत्र निश्चित रूप से भारत का था। लेकिन उन्होंने इंग्लैंड को लंच सत्र में थोड़ा आत्मविश्वास दिया क्योंकि जोफ्रा आर्चर ने उस सत्र में केवल चार ओवर ही फेंके। वह लंच के बाद वापसी करेंगे और फिर कुछ विकेट लेने की कोशिश करेंगे। और उन्हें मौका क्यों दिया जाए? मेरा मतलब है, भारत आसानी से उनसे मैच छीन सकता था। और दुर्भाग्य से ऋषभ पंत रन आउट हो गए।

भारत ए पुरुष हॉकी टीम ने फ्रांस को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की

आइंडहोवन (वार्ता)। भारत ए पुरुष हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अपने तीसरे मुकाबले में फ्रांस को 3-2 से हराकर अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की। आइंडहोवन के हॉकी क्लब ओरांजे-रूड में खेले गये मुकाबले में आज भारत ए पुरुष हॉकी टीम के लिए फॉरवर्ड आदित्य अर्जुन लालगे ने दो गोल किए, उनके साथी बॉबी सिंह धामी ने भी गोल किया। आदित्य अर्जुन लालगे ने पहला गोल किया, जिसके बाद उन्होंने एक पेनल्टी कॉर्नर को भी गोल में बदला। बॉबी सिंह धामी ने भारत के लिए तीसरा गोल किया और जीत हासिल की। वहीं, फ्रांस के लिए दोनों गोल क्लेमेंट की ओर किये गये। जीत के बाद भारत ए टीम के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा, भारत ए पुरुष हॉकी टीम इस दौरे की तैयारी में पर्दे के पीछे कड़ी मेहनत कर रही है और यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि मैदान पर भी सब कुछ ठीक चल रहा है। इस दौरे पर हमें कुछ और मैच खेलने हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि टीम अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेगी और अपनी लय बनाए रखेगी। भारत ए पुरुष हॉकी टीम रविवार को फ्रांस से भिड़ेगी। भारत ए पुरुष हॉकी टीम को अपने यूरोप दौरे में कुल पांच मैच और खेलने हैं।

वीनस विलियम्स ने वाशिंगटन का निमंत्रण स्वीकार किया

वाशिंगटन (वार्ता) सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स ने वाशिंगटन ओपन के लिए वाइल्डकार्ड स्वीकार कर लिया है जो 16 महीनों में उनका पहला प्रतिस्पर्धी मैच होगा। 45 वर्षीय खिलाड़ी ने मार्च 2024 में मियामी ओपन के बाद से कोई प्रतिस्पर्धा नहीं की है और उन्होंने आखिरी बार अगस्त 2023 में सिनसिनाटी ओपन में एक मैच जीता था। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी वर्तमान में डब्ल्यूटीए वेबसाइट पर निष्क्रिय के रूप में सूचीबद्ध हैं, जिसका अर्थ है कि उनकी कोई रैंकिंग नहीं है। विलियम्स ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, डीसी के बारे में कुछ खास है - ऊर्जा, प्रशंसक, इतिहास।इस शहर ने हमेशा मुझे बहुत प्यार दिया है और मैं वहां फिर से प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हूं। वाशिंगटन ओपन - एक डब्ल्यूटीए 500 इवेंट - 21 जुलाई से शुरू हो रहा है, और महिला वर्ग में ब्रिटेन की एम्मा रादुकानू, जेसिका पेगुला, नाओमी ओसाका और अमेरिकी अमांडा अनिसिमोवा शामिल हैं जो बीबीसी की एक खबर के अनुसार, शनिवार को विंबलडन महिला एकल फाइनल में इगा स्वियाटेक से भिड़ेंगी। विलियम्स एकल में पांच बार विंबलडन चैंपियन और दो बार यूएस ओपन चैंपियन रह चुकी हैं और उन्होंने महिला युगल में अपनी बहन सेरेना विलियम्स के साथ 14 बड़े खिताब भी जीते हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के लिए यह कहते हुए वाइल्डकार्ड स्वीकार नहीं किया था, कि वह विदेश में होंगी।

उत्तर प्रदेश के सुधीर शर्मा बने रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष

लखनऊ (वार्ता)। उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के सचिव सुधीर शर्मा को रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के चुनावों में उपाध्यक्ष चुन लिया गया है। पिछले साल 25 फरवरी 2024 को हुए इन चुनावों का परिणाम दिल्ली हाईकोर्ट के निर्णय के अनुसार शुक्रवार को सिकंदराबाद के हुसैन सागर लेक में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ तेलंगाना अकादमी के कार्यालय में घोषित किया गया। रिटर्निंग ऑफिसर डब्लू बी श्रीनिवास (सीनियर एडवोकेट) ने भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन के पर्यवेक्षक गिरीश एस.फडनीस की मौजूदगी में चुनाव परिणाम घोषित किए गए। सुधीर शर्मा के रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष बनाये जाने पर उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक डा.दिनेश शर्मा (सांसद), संरक्षक पवन सिंह चौहान (एमएलसी), डॉ. आरपी सिंह (सेवानिवृत्त आईपीएस) व राजीव त्रिवेदी (सेवानिवृत्त आईपीएस), अध्यक्ष रानी पक्षालिका सिंह (एमएलए), चेयरमैन रेणुका मिश्रा (आईपीएस), चयन समिति के चेयरमैन आदित्य मिश्रा (आईपीएस) सहित आईपीएस विनोद कुमार सिंह व गोपाल गुप्ता (सेवानिवृत्त आईपीएस) ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

भारत की अंडर-20 महिला टीम उज्बेकिस्तान के साथ पहला मैत्री मुकाबला खेलेगी

ताशकंद (वार्ता)। भारत की अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम रविवार को उज्बेकिस्तान के साथ अपना पहला मैत्री मुकाबला खेलेगी। भारतीय टीम यहां उज्बेकस्तान के साथ दो मैत्री मैच खेलेंगी। पहला मैच 13 जुलाई को डूज्‍ स्टलिक स्टेडियम में भारतीय समयानुसार साढ़े आठ बजे से खेला जाएगा। बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में प्रशिक्षण के बाद भारतीय टीम शुक्रवार सुबह उज्बेकिस्तान की राजधानी पहुंची और शाम को जिम में अभ्यास किया। कल होने वाले मैच से पहले आज शाम टीम ने अभ्यास किया। भारतीय टीम इन मैत्री मैचों का उपयोग अगले महीने होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशिया कप क्वालीफायर की तैयारी के

लिए कर रही है। क्वालीफायर में भारतीय टीम का मुकाबला इंडोनेशिया, तुर्कमेनिस्तान और मेजबान म्यांमार से होगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेडरसन ने कहा, हम एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी का सामना करना चाहते थे ताकि हमें अंदाजा हो सके कि एशियाई क्वालीफायर में हमारा क्या अभ्यास है। हम यह भी आकलन करना चाहते हैं कि सभी खिलाड़ी ऐसे मैचों में अपनी भूमिका कैसे निभाते हैं, खासकर जब हम क्वालीफायर के लिए टीम को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच रहे हैं। यह हमें न केवल मैदान पर बल्कि यात्रा करने और विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल होने का भी बहुमूल्य अनुभव प्राप्त करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, ताशकंद का मौसम अभी तक बेंगलुरु जैसा ही है, इसलिए इस मोर्चे पर कोई समस्या नहीं है। होटल, आवास और भोजन भी ठीक है। भारत की अंडर-20 महिला टीम 24 खिलाड़ियों के साथ आई थी, आखिरी समय में बदलाव हुआ। मेलोडी चानू कीशम के बीमार होने कारण अनिका देवी शारुबम को गोलकीपर बनाया गया है। भारत के खिलाफ इन मैत्री मैचों के लिए उज्बेकिस्तान अंडर-20 की 23 सदस्यीय टीम में चार खिलाड़ी शामिल हैं, जो मई में भारत के खिलाफ दो फीफा मैत्री मैचों के लिए सीनियर टीम के साथ बेंगलुरु गए थे।

बिहार ने नवीकरणीय ऊर्जा नीति को दी मंजूरी

नयी दिल्ली । बिहार सरकार ने 'बिहार नवीकरणीय ऊर्जा नीति-2025' को मंजूरी दे दी। इसमें 2029-30 तक 23.97 गीगावट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और 6.1 गीगवाट घंटा (जीडब्ल्यूएच) भंडारण क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य सरकार ने एक बयान में यह जानकारी देते हुए बताया कि यह नीति राज्य में स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक व्यापक योजना है। नीति का मकसद स्वच्छ ऊर्जा के साथ ऊर्जा भंडारण क्षमता को भी बढ़ावा देना है। इसके तहत 2029-30 तक 23.97 गीगावट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और 6.1 गीगवाट घंटा (जीडब्ल्यूएच) भंडारण क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। इसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा को तेजी से अपनाना, बड़े पैमाने पर निवेश लाना और 2070 तक भारत के कार्बन उत्सर्जन को शुद्ध रूप से शून्य स्तर पर लाने के लक्ष्य की ओर ठोस योगदान देना है। नीति में विविध नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना को बढ़ावा देने, समावेशी विकास तथा रोजगार और नवोन्मेष में वृद्धि पर जोर दिया गया है। बिहार सरकार के ऊर्जा सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा, यह देश की सबसे प्रगतिशील नीतियों में से एक है। इसके जरिए बिहार न केवल स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनेगा, बल्कि शुद्ध रूप से शून्यकार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने में भी अहम भूमिका निभाएगा।'' उन्होंने कहा, ''यह नीति बिहार को देश के सबसे पसंदीदा निवेश स्थलों में शामिल करेगी और राज्य को नवीकरणीय ऊर्जा का बड़ा केंद्र बनाकर रोजगार के बड़े अवसर पैदा करेगी।'' नीति के तहत देशभर के निवेशकों और कंपनियों को आकर्षित करने के लिए कई आकर्षक और प्रतिस्पर्धी प्रोत्साहनों का प्रावधान किया गया है। इसमें परियोजनाओं की मंजूरी प्रक्रिया को आसान और तेज बनाने के लिए एकल-खिड़की मंजूरी व्यवस्था शामिल है। राज्य माल एवं सेवा कर (एसजीएसटी), भूमि रूपांतरण शुल्क और भूमि के पट्टे या हस्तांतरण पर लगने वाले स्टांप शुल्क की 100 प्रतिशत वापसी जैसे व्यापक वित्तीय लाभ भी दिए गए हैं। इसके अलावा नीति के तहत 15 साल तक बिजली शुल्क से पूरी छूट और 25 साल के लिए 'ओपन एक्सेस' यानी खुली पहुंच की सुविधा दी जाएगी। प्रदेश सरकार ने बयान में कहा कि ये सभी प्रावधान बिहार को नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाते हैं।

अदाणी समूह कोलकाता में ऐतिहासिक कुम्हारटुली घाट का जीर्णोद्धार करेगा

नयी दिल्ली । कोलकाता की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए अदाणी समूह ने ऐतिहासिक कुम्हारटुली घाट का पुनरुद्धार करने के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता (एसएमपीके) के साथ हाथ मिलाया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुम्हारटुली के लोग कई पीढ़ियों सेमूर्ति बनाने की अपनी परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। इस पहल का उद्देश्य घाट को अधिक स्वच्छ, सुरक्षित तथा कारीगरों, स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए अधिक सुलभ बनाना है, जिससे शहर के सबसे प्रतिष्ठित नदी तटों में से एक को नया जीवन मिल सके। बंदरगाह की 'स्वच्छता' पहल के तहत हुगली नदी के किनारे ऐतिहासिक घाट के पुनर्विकास, जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए एसएमपीके और अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) को दर्शाता है जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय अनुकूल को बढ़ाना और नागरिक जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए विरासत-अनुरूप पुनर्विकास के माध्यम से सांस्कृतिक स्थल में बदलाव लाना है। एसएमपीके के चेयरमैन रथेंद्र रमन ने कहा, यह सिर्फ एक जीर्णोद्धार परियोजना नहीं है, बल्कि बंगाल की कलात्मक विरासत का पुनरुद्धार है। एसुब्रत त्रिपाठी ने कहा, कोलकाता की पहचान से भावनात्मक रूप से जुड़े एक स्थान के जीर्णोद्धार में मदद करना सम्मान की बात है।

दाल, तेल में नरमी, चावल मजबूत

नयी दिल्ली (वार्ता) स्थानीय जिंस बाजार में साप्ताहिक कारोबार के अंतिम दिन दालों और तेलों में कुल मिला कर गिरावट का रुख देखा गया। मलेशिया में पाम ऑयल वायदा में पिछले कुछ दिनों की लगातार तेजी के बाद अब प्रतिरोध की रिपोर्ट आ रही रही हैं। जबकि अमेरिका में तेल सोया में शुक्रवार को तेजी बनी हुई थी। बावजूद इसके शनिवार को स्थानीय खाद्य तेल बाजार में तेल मूंगफली , वनस्पति और सरसों तेल में तेज गिरावट दिखी। मूंगफली तेल में मांग के समर्थन के अभाव और अच्छे स्टॉक की स्थिति के बीच प्रति क्विंटल 238 रुपये तक की गिरावट दर्ज की गयी जबकि तेल सरसों 48 और वनस्पति 81 रुपये नीचे आ गया । तेल सोया, सूरजमुखी और पाम आयल में भी हल्की से औसत दर्जे की गिरावट रही।

स्टॉक और मांग के अंतर के बीच चावल में तेजी दिखी। इसके विपरीत गेहूं में पांच रुपये क्विंटल तक की नरमी दिखी। आज दालों में भी उठाव कम होने से गिरावट का रुख देखा गया। दलहन बाजार में चना 44 रुपये टूट गया जबकि तुअर दाल का भाव 69 रुपये तक गिर कर बोला गया। उड़द और मसूर दाल में क्रमश: 71 और 34 रुपये की गिरावट दर्ज की गयी। दाल मूंग के भाव हल्की तीन रुपये की तेजी के साथ करीब करीब पिछले स्तर पर रहे। बाजार में गुड़ के औसत भाव में औसतन 10 रुपये की तेजी दर्ज की गयी।दाल-दलहन ़ दाल चना 7826-7782 , मसूर काली 8042 -8008, मूंग दाल 10147-110150, उड़द दाल 10546-10515, अरहर दाल 11060-10990 रुपये प्रति क्विंटल। (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2822 रुपये और चावल 3858 रुपये प्रति क्विंटल । चीनी एस 4284.64 और गुड़ 4893 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 16797.11 रुपये, मूंगफली तेल 17613.42 रुपये, सूरजमुखी तेल 15251.2 रुपये, सोया रिफाइंड 13703. 41 रुपये, पाम ऑयल 12195.42 रुपये और वनस्पति तेल 14434.41 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

सोशल नेटवर्किंग साईट 'एक्स' ने भारत में सदस्यता शुल्क 48 प्रतिशत तक घटाया

नयी दिल्ली । सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स' ने भारत में खाता धारकों के लिए सदस्यता शुल्क को 48 प्रतिशत तक घटा दिया है। इसके पोर्टल पर यह जानकारी दी गई है। एलन मस्क की अगुवाई वाली सोशल मीडिया कंपनी ने मोबाइल ऐप के लिए 'प्रीमियम' खाता का सदस्यता शुल्क मासिक आधार पर 900 रुपये से लगभग 48 प्रतिशत घटाकर लगभग 470 रुपये कर दिया है।'एक्स' में 'प्रीमियम' और 'प्रीमियम-प्लस' सेवा के ग्राहकों को उनके नाम या आईडी के बगल में एक 'चेकमार्क' मिलता है। इसी तरह, 'एक्स' ने वेबसाइट खातों के लिए प्रीमियम ग्राहक शुल्क 650 रुपये से लगभग 34 प्रतिशत घटाकर 427 रुपये कर दिया है। कंपनी ने अपने हैंडल पर सामान्य ग्राहक के लिए मासिक शुल्क को 243.75 रुपये से 30 प्रतिशत घटाकर 170 रुपये कर दिया है।

अनिश्चितता के कारण शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट रही

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट का दौर जारी रहा। इस सप्ताह निवेशकों के मन में अमेरिका की टैरिफ योजना को लेकर बनी अनिश्चितता, अर्निंग सीजन की निराशाजनक शुरुआत और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में हो रही देरी ने बाजार में अस्थिरता पैदा कर दी। इन कारणों से प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। साप्ताहिक कारोबार के दौरान सोमवार को सेंसेक्स 170 अंक गिरकर 83,262 के स्तर पर खुला, हालांकि कारोबार के अंत तक इसमें मामूली सुधार हुआ और यह 83,442 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 53 अंक गिरकर 25,407 पर खुला और

बाद में थोड़ा ऊपर 25,461 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी दोनों सूचकांक गिरावट में खुले लेकिन दिन के अंत में सेंसेक्स 270 अंक की बढ़त के साथ 83,712 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 61 अंक की बढ़त लेकर 25,522 पर पहुंचा। बुधवार को वैश्विक बाजार के मिले-जुले रुख और टैरिफ अनिश्चितता के कारण बाजार में सतर्कता रही। सेंसेक्स शुरुआत में बढ़त के बावजूद अंत में 176 अंक गिरकर 83,536 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी भी 46 अंक नीचे 25,476 पर बंद हुआ। गुरुवार को हल्की गिरावट के साथ शुरुआत हुई और सेंसेक्स 345 अंक या 0.41 प्रतिशत गिरकर 83,190 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 120 अंक नीचे 25,355 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में भारी दबाव रहा। सेंसेक्स 689 अंक गिरकर 82,500 के स्तर पर बंद हुआ, जो 0.83 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। निफ्टी भी 205 अंक की गिरावट के साथ 25,149 पर बंद हुआ। कुल मिलाकर इस सप्ताह बाजार में निवेशकों की बेचैनी और सतर्कता देखने को मिली, जिसका कारण वैश्विक व्यापार अस्थिरता और घरेलू आर्थिक संकेतकों की कमजोर स्थिति रही। निवेशकों के लिए फिलहाल सतर्क रहना और आर्थिक नीतियों पर नजर बनाए रखना जरूरी है।

मत्स्य पालन को मिलेगा उद्योग का दर्जा: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन को किया संबोधित

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम के मित्र महाराज निषादराज ने सबसे पहले श्रीराम की प्रभुता को पहचाना था। मछुआ समुदाय अपने जीवन को खतरे में डालकर पानी में खेती करता है, यह साहस का कार्य है। मछली और मछुआरों का सदियों से संबंध रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में भी मछुआ कल्याण बोर्ड के माध्यम से कई योजनाएं संचालित हैं। प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार का लाभ दे रही है। मछली पालन भी एक उद्योग है, इसे भी अन्य उद्योगों की तरह सभी सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 22 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से 453 स्मार्ट फिश पार्लर का भूमि-पूजन और इंदिरा सागर बांध में लगभग 92 करोड़ लागत से 3360 केज परियोजना का वर्चुअल भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादवने मछुआरा समुदाय को बेहतर जीवन के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को उज्जैन स्थित कालिदास संस्कृत अकादमी परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मत्स्य पालन से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर एवं भगवान निषादराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर राज्य स्तरीय सम्मेलन का शुभारंभ किया।

आधुनिक उद्योग है मछली पालन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब मछली पालन सिर्फ पारम्परिक कार्य नहीं, एक आधुनिक उद्योग है। इसमें निवेश बढ़ेगा, उत्पादन बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि भोपाल में 40 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक एक्वा पार्क (मछलीघर) का निर्माण किया जा रहा है। सरकार मस्त्य पालन के लिए मछुआरों को अनुदान देगी। राज्य सरकार ने प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाया है, जिसका लाभ मछुआरों को भी मिल रहा है। पिछली सरकार में प्रदेश की सिर्फ 7 लाख हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई होती थी, यह रकबा हमारी सरकार में बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) लिंक परियोजना से सिंचाई का रकबा 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचेगा। कई तालाब भी बनाए जाएंगे। मछलियां कई लोगों के लिए आजीविका का साधन हैं। इंदिरा सागर सहित अन्य जलाशयों में 3 लाख से अधिक केज स्थापित किए जाएंगे।

आईस बॉक्स लगी 430 मोटरसाइकिलें बांटी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मछुआरों को 430 मोटर साइकिलें बांटी गई हैं, जिनमें आईस बॉक्स भी लगे हैं। प्रदेश में वर्तमान में 4.4 लाख हेक्टेयर में मछली पालन कार्य हो रहा है, वर्ष 2024-25 में प्रदेश का मछली उत्पादन 3.81 लाख मैट्रिक टन रहा। प्रदेश में लगभग 2 लाख से अधिक मत्स्य पालक पंजीकृत हैं। महिलाएं भी इस व्यवसाय में अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि 217 करोड़ लागत से मछली बीज उत्पादन के लिए आधुनिक हैचरी का निर्माण किया जाएगा। इससे बीज के लिए बंगाल पर निर्भरता खत्म होगी। हमारी सरकार दूध उत्पादन और मस्त्य उत्पादन में प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। बदलते समय में मछली पालन क्षेत्र में आधुनिक मशीनों का उपयोग और स्टार्टअप शुरू हो रहे हैं।

सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित है। रक्षाबंधन का समय आ रहा है, आज लाड़ली बहनों के खाते में राशि अंतरित करने का दिन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार 15 से 30 जुलाई तक प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान चलाएगी। मुख्यमंत्री ने उपस्थितजन को नशा मुक्ति एवं फिजूलखर्ची से बचने का संकल्प दिलवाया। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में स्वयं को बदलने की जरूरत है।

मछुआरों को मछुआ क्रेडिट कार्ड बांटे जा रहे

मछुआ कल्याण एवं मत्स्य पालन मंत्री नारायण सिंह पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार मत्स्य पालकों के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रदेश में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद पिछड़े मछुआ समुदाय को मुख्य धारा में लाने की पहल शुरू की गई है। मछुआरों को व्यापार संचालन के लिए मछुआ क्रेडिट कार्ड बांटे जा रहे हैं। वर्ष 2028 तक मछुआ कल्याण विभाग प्रदेश में कई उपलब्धियां अर्जित करेगा।

जो कार्य वर्षों में नहीं हुए, वे अब महीनों में हो रहे

म.प्र. मछुआ कल्याण बोर्ड अध्यक्ष सीताराम बाथम ने कहा कि प्रत्येक जिले में कुछ निषाद मंगल भवन बने हैं। श्री बाथम ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि जो कार्य वर्षों में नहीं हुए, वे अब महीनों में हो रहे हैं। यह मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदृष्टि और संवेदनशील नेतृत्व का प्रमाण है।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुए मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव श्रावण के पवित्र माह के दूसरे दिन उज्जैन में सपत्नीक भगवान श्रीमहाकाल के दर्शन कर भस्मारती में शामिल हुए। भस्मारती के बाद उन्होंने सपत्नीक भगवान श्रीमहाकाल का पूजन किया। पुजारी श्री आकाश गुरु द्वारा पूजन संपन्न करवाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरसिंह घाट पर स्नान कर पूजन-अर्चन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीमहाकाल मंदिर परिसर में भ्रमण कर भस्मारती में शामिल हुए श्रद्धालुओं से उनके मंदिर में दर्शन अनुभव की जानकारी ली और उनकी कुशल क्षेम जानी। अयोध्या से उज्जैन महाकालेश्वर के दर्शन करने आई महिला श्रद्धालु ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को धन्यवाद देकर कहा कि उनके दर्शन सुलभता से पूर्ण हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की बाबा श्रीमहाकाल की कृपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश देश के साथ कदम से कदम मिलाकर प्रगति कर समृद्धि की और अग्रसर है। इंदौर में आयोजित ग्रोथ समिट में प्राप्त निवेश से प्रदेश के युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा।

युवाओं को स्कूल एवं कॉलेज में विश्व स्तरीय रोजगारमूलक पाठ्यक्रम की शिक्षा दी जा रही है। युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए 3 लाख से अधिक रोजगार सृजित किए जा रहे है। प्रमोशन के माध्यम से प्रदेश के 5 लाख से अधिक अधिकारी और कर्मचारियों को फायदा होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी क्षेत्रों में समान रूप से निवेश आकर्षित कर युवाओं को रोजगार के समान अवसर दिए जा रहे है। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन की सभी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कावड़ यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के साथ, उनकी सुविधा के लिए प्रदेश के सभी देवस्थानों में उचित प्रबंधन किए गए है। सरकार सर्वजन हिताय के ध्येय को आत्मसात कर कार्य कर रही है। लाड़ली बहनों और सभी वर्ग से किए गए वादों को पूरा करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

मोटर ट्रांसपोर्ट नियोजकों की कार्यशाला सम्पन्न

भोपाल । सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए राज्य सरकार ने प्रभावी कदम उठा रही है। इस दिशा में परिवहन वाहनों जैसे बस, ट्रक, टैक्सी आदि का संचालन करने वाले ड्रायवरों तथा अन्य स्टाफ जैसे कंडक्टर और क्लीनर के कार्य के घंटे के संबंध में प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू किए जाने की पहल की जा रही है। इसी सिलसिले में मोटर ट्रांसपोर्ट नियोजकों की कार्यशाल श्रमायुक्त कार्यालय, इंदौर में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में श्रमायुक्त रजनी सिंह ने मोटर परिवहन कर्मकार अधिनियम, 1961 के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट कार्यों में संलग्न ड्राइवरों और अन्य स्टाफ के कार्य के घंटों, विश्राम अवधि और अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिनियम के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट वर्कर्स के लिए प्रतिदिन 8 घंटे और साप्ताहिक 48 घंटे कार्य की अवधि निर्धारित है। इन प्रावधानों का गंभीरता से पालन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ड्रायवरों और स्टाफ के लगातार लंबी अवधि तक कार्य करने और विश्राम का समय न मिलने से थकान और तनाव की स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। श्रमायुक्त ने वाहनचालकों के समय-समय पर नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, विशेषकर नेत्र परीक्षण, सुनिश्चित करने का सुझाव भी दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि विभिन्न तकनीकों और उपकरणों की सहायता से, साथ ही जागरूकता और प्रचार-प्रसार के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम किया जा सकता है। इसके लिए ड्रायवरों के कार्य समय और विश्राम अवधि की निगरानी करने तथा अन्य सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने हेतु मोटर वाहनों में सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस प्रणाली जैसे तकनीकी उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर

दमोह। दमोह जिले की पथरिया से 12 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम केवलारी में साजली नाला भारी उफान पर है। इस नाले के आ जाने से पांच गांव का संपर्क टूट जाता है। पांच गांव के लोग बहुत ही कठिनाई का सामना कर रहे हैं। केवलारी, सेमरा हजारी, सुजनीपुर, कोड़रमणी, सासा, बोतराई, पथरिया विधानसभा क्षेत्र ग्रामीणों को क्षतिग्रस्त साजली नाला बना मुसीबत बना। करीब 15 साल पहले नाले का निर्माण किया किया गया था। शासन प्रशासन से ग्राम केवलारी के ग्रामीण मांग की थी यह नाला पथरिया मेन रोड का है, इसमें आप बड़ा पुल बना दीजिए वरना हम लोगों को आगे और समस्या पैदा होगी।

सुपोषित मध्यप्रदेश की दिशा में मजबूत कदम: निर्मला भूरिया

नीति-सुधारों पर दिए महत्वपूर्ण सुझाव

भोपाल। गुजरात के केवड़िया में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, केन्द्र सरकार द्वारा आयोजित जोनल सम्मेलन में महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने राज्य में चल रहे योजनाओं, नवाचारों और ज़मीनी पहल का प्रभावशाली विवरण प्रस्तुत किया। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि मध्यप्रदेश, अपनी जनजातीय बहुलता और भौगोलिक विविधता के बावजूद, महिलाओं और बच्चों के संपूर्ण सशक्तिकरण के लिये निरंतर प्रयासरत है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनवाड़ी

कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की ऑनलाइन नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गई है, जिससे लगभग 19,500 पदों की पारदर्शी तरीके से पूर्ति हो रही है। यह प्रक्रिया हर छह माह में रिक्तियों के अनुसार नियमित रूप से संचालित की जाएगी। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि एआईआईएमएस भोपाल के सहयोग से पोषण ट्रैकर डेटा की गुणवत्ता में सुधार किया गया है।कार्यकर्ताओं के लिए नेत्र परीक्षण अभियान भी चलाया जा रहा है जिससे स्मार्टफोन आधारित ऐप संचालन में उन्हें सुविधा मिले। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि झाबुआ जिले में मोटी आई कार्यक्रम और डिण्डौरी जिले में रेवा प्रोजेक्ट जैसे नवाचारों के माध्यम से कुपोषण उन्मूलन में अद्भुत परिणाम मिल रहे हैं।

सशक्त वाहिनी कार्यक्रम के तहत अब तक 11,000 से अधिक बालिकाओं को नि:शुल्क शारीरिक और शैक्षणिक प्रशिक्षण दिया गया है। कई बालिकाएं आज पुलिस, चिकित्सा एवं अन्य सेवाओं में चयनित होकर सेवा दे रही हैं। हेल्पलाइन 181 और 1098 का ईआरएसएस -112 से तकनीकी एकीकरण जुलाई 2024 में सफलतापूर्वक किया गया।

एससी, एसटी और ओबीसी के स्थाई जाति प्रमाण पत्र शीध्र बनाए जाएं

हटा। सांदिपनी उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विकासखण्ड स्तरीय प्राचार्य समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा शैलेन्द्र असाटी, मोहन राय की उपस्थिति में विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी बीएल बिदौल्या ने विकासखण्ड के समस्त हायर सेकेंडरी एवं हाईस्कूल प्राचार्यों से शीघ्र लक्ष्यानुसार नामांकन, मेपिंग नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण, नि:शुल्क साईकिल वितरण, कक्षाओं के नियमित संचालन, शैक्षणिक कैलेंडर अनुसार पाठ्यक्रम, छात्रवृत्ति, सीएम हेल्पलाइन निराकरण, इंस्पायर अवार्ड मानक पंजीयन जैसे विभिन्न विषयों पर बिन्दुवार चर्चा कर विद्यालय वार कार्ययोजना बनाने हेतु निर्देशित किया। बैठक में एससी, एसटी, ओबीसी विद्यार्थियों के स्थाई जाति प्रमाण पत्र बनवाने हेतु प्रक्रिया पर विकास स्तरीय नोडल अधिकारी गोपाल साहू, लक्ष्मी कान्त डिम्हा, मनोज पटैल ने जानकारी दी।

हटा ब्लाक में 100 से अधिक स्कूल भवन अनफिट

लग रही कक्षाएं, कभी भी हो सकता है हादसा

हटा।

हटा तहसील क्षेत्र में प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल के 214 सरकारी स्कूल भवन है, वर्तमान में करीब 100 से अधिक स्कूल भवन जीर्णशीर्ण हालत में हैं। कही कक्षा में पानी भर रहा है तो कही पानी में से होकर स्कूल भवन तक पहुंचा जाता है। कहीं स्कूल भवन की सीलिंग व दीवाल की छाप गिर रही है तो कही अति गम्भीर हालत में है। कुछ तो ऐसे भवन है जहां कभी भी हादसा हो सकता है। स्कूल प्रधान एवं गांव प्रधान द्वारा इन

भवनों की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी जा चुकी है। कहीं-कहीं तो इसके मरम्मत की राशि भी स्वीकृत हो चुकी है लेकिन कार्य प्रारंभ अभी तक नहीं किया गया। स्वीकृत राशि को बहुत कम राशि बतया जा रहा है। सरकारी दस्तावेज के अनुसार मात्र 49 स्कूल भवन मरम्मत योग्य है जिनमें से केवल आधा दर्जन स्कूल को ही अति क्षतिग्रस्त बतलाया गया है। वास्तविकता इससे कुछ हटकर है। पूर्व कृषि मंत्री, चार बार के सांसद, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया की गृह ग्राम पंचायत सकौर के निवाई माफी का स्कूल भवन तालाब के डूब क्षेत्र में आता है। यही हाल नगर के गौरीशंकर शाला भवन का है। यह स्थिति विगत कई वर्ष से होने के बाबजूद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गांधी वार्ड और नवोदय वार्ड की प्राथमिक शालाओं में बच्चे पानी मे से होकर कक्षाओं में पहुंचते है निमरमुंडा में छात्र कीचढ़ में होकर स्कूल जाने को मजबूर है। नवीन शिक्षण सत्र प्रारंभ हुए एक पखवाड़ा निकल गया। शासकीय स्कूलों की ओर अभिभावकों का विश्वास बढ़ रहा है शासकीय स्कूलों में छात्रों की संख्या बढती जा रही है। ऐसी स्थिति में जीर्ण शीर्ण शालाओं में मरम्मत जीर्णोद्धार के कार्य तत्काल प्रारंभ होने चाहिए या वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए। पंचायतों में खखरी बाढ़ नियंत्रण दीवार के नाम से होने बाले भ्रष्टाचार युक्त कार्यो की जगह स्कूलों पर राशि खर्च करने के निर्देश जारी होने की दरकार है।

हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत

दमोह। जिले के हटा नगर पालिका क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई। नवोदय ककराई वार्ड निवासी 36 वर्षीय प्रहलाद नामदेव की 11 केवी लाइन से करंट लगने से मौत हो गई। घटना शनिवार सुबह 9 बजे की है। प्रहलाद छत पर बारिश के कारण हो रहे पानी के रिसाव को रोकने के लिए बरसाती डालने गया था। इसी दौरान वह छत के बगल से गुजर रही 11 केव्ही लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह बेहोश होकर नीचे गिर पड़ा। परिजन उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हटा ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत के बाद आक्रोशित परिजन शव लेकर सड़क पर उतर आए। नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र खटीक भी प्रदर्शन में शामिल हुए। श्री खटीक ने बताया कि इसी वार्ड में पहले भी दो लोगों को करंट लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने कई बार बिजली विभाग को पत्र लिखकर रिहायशी इलाके से लाइन हटाने की मांग कीए लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। परिजनों ने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। पहली परिवार को 10 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए। दूसरी परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए एवं तीसरी इलाके से हाई वोल्टेज लाइन तत्काल हटाई जाए।

बाढ़ पीड़ितों का निरीक्षण करने पहुंचे अधिकारी

पथरिया। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते ग्रामीण क्षेत्रों के घरों में पानी भर गया, ग्रामीणों के मकान क्षतिग्रस्त हो गए जिससे ग्रामीणों का काफी नुकसान हुआ है। ग्रामीणों का अनाज पूरी तरह से भीग गया था। ग्राम केवलारी के ग्रामीणों की मांग थी कि हमारे जो मकान बरसात में क्षतिग्रस्त हो गए हैं, उसकी सहायता राशि शासन प्रशासन से उचित मिल सके। शनिवार की सुबह जनपद पंचायत के सीईओ निरीक्षण करने पहुंचे और ग्रामीणों से मिले और उनका हाल जाना। जनपद सीईओ को ग्रामीणों ने अपनी पुलिया की समस्या रखी। जनपद के सीईओ रामभरत कटारे के सामने ग्रामीणों ने मांग की कि हमारे घर के सामने जो पुलिया नाला उसको सही ढंग तरीके से बनाया जाए। जिससे हम लोगों को बरसात के मौसम में कठिनाई का सामना ना करना पड़े। क्योंकि इस पुलिया के कारण हम लोगों को काफी समस्या पैदा होती है। जनपद सीईओ ने ग्राम पंचायत केवलारी सरपंच सचिव आदेश किया है पुलिया बनाने की अनुमति दी। जल्द ही यह पुलिया का निर्माण कराया जाए। बारिश के मौसम में हमारे घरों में पानी भरा रहता है। बाढ़ पीडितों से मिलने पथरिया तहसीलदार वृन्देश पांडे, केवलारी पटवारी प्रतीक दुबे ग्रामीणों के घरों में निरीक्षण करने पहुंचे और घर के अंदर पटवारी तहसीलदार ने जाकर निरीक्षण किया और ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए कहा है आपका जो नुकसान हुआ पटवारी घरों का जांच निरीक्षण कर मुआवजा राशि दिलाई जाएगी। तहसीलदार ने पटवारी को आदेश कर बताया कि जल्द से जल्द ग्रामीणों की जांच कर जो भी इनका नुकसान हुआ है उसकी मुआवजा राशि दी जाए। इस दौरान ग्राम पंचायत केवलारी सरपंच राजेश प्रताप सिंह, ग्राम पंचायत सचिव वीरेंद्र सिंह राजपूत सहित ग्रामीणों की उपस्थित रही। इस संबंध में पथरिया जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामभरत कटारे ने कहा कि जल्द ही ग्रामीणों की समस्या का निराकरण किया जाएगा एवं जल्दी पुलिया का निर्माण किया जाएगा। बाढ़ पीड़ितों पथरिया तहसीलदार की मदद से पटवारी के माध्यम से जांच कर सहायता दिलाई जाएगी जो ग्रामीणों मकान क्षतिग्रस्त हुए।

हटा की ग्राम पंचायतों में नहीं थम रहा भ्रष्टाचार का खेल

हटा।

हटा जनपद पंचायत अंतर्गत अनेक ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजना के कार्यो में ब्यापक पैमाने पर गडबड़ियां की गई है जिनकी दस्तावेजी शिकायतें पीएमओ के अलावा पंचायत विभाग आयुक्त सागर संभाग तक की गई है जिन पर जांच समितियों का गठन भी हुआ है। कुछ जांच समितियों ने अपनी जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी पाते हुए सरपंच, सचिव, उपयंत्री से बसूली भी प्रस्तावित की है लेकिन किसी से भी बसूली की कार्यवाही आरम्भ नहीं की गई है। मजेदार बात यह है कि जिन सचिव-सरपंच से बसूली का लेख किया गया है उन्हें ही उसी कार्य की मजदूरी के नाम पर भुगतान भी किये गए है। मामला उच्च न्यायालय जबलपुर में जनहित याचिका के माध्यम से भी उठाया गया है जिसमें जिला सीईओ की ओर से जवाब दिया गया है कि गड़बड़ियों पर जिम्मेदार सीईओ एवं उपयंत्री के खिलाफ कार्यवाही की गई है। इसके बाबजूद भुगतान पर कोई रोक नहीं लगाई जिससे अनेक भुगतान जांच में बसूली स्थापित के बाद भी कर दिए। इन्ही में से एक गैसाबाद का बहुचर्चित मामला है जिसमें लगातार जांच पर जांच के बाद सरपंच और सचिव पर बसूली की कार्यवाही संस्थित कर नोटिस जारी किए गए है।

जिला पंचायत सीईओ द्वारा 24 जून को जारी आदेश 9 जुलाई को सार्वजनिक हुआ जिसमें गैसाबाद के तत्कालीन सरपंच श्रीमती ललिता अहिरवार एवं सचिव श्री राजपूत को नोटिस जारी कर पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 89 के प्रावधानों के आधार पर निर्माण कार्यो की राशि बसूली के अन्तर्गत मनरेगा के तहत हुए कार्य बाढ़ नियंत्रण बॉल कुरया घाट, लियाकत अली के खेत के पास एवं बाढ़ नियंत्रण बाल सामू घाट में नरेगा पोर्टल अनुसार व्यय राशि एवं जांच दल के अनुसार मौका निरीक्षण के दौरान किये गए मूल्यांकन पत्रक में अंतर की राशि 17 लाख 92 हजार 7 सौ 54 बसूली योग्य पाने की सूचना दी गई और 11जुलाई को उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का समय दिया गया ताकि उक्त राशि बसूल की जा सके।

महिला को उठवा लेने की धमकी और प्रेगनेंसी पर अश्लील टिप्पणी

सांसद का चरित्र, उजागर करता है भाजपा का असली चेहरा : पटवारी

भोपाल।

सीधी जिले की सामाजिक कार्यकर्ता लीला साहू द्वारा एक गर्भवती महिला के लिए सड़क निर्माण की माँग करना भाजपा सांसद को इतना नागवार गुज़रा कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से न केवल महिला की प्रेगनेंसी पर बेहूदा टिप्पणी की, बल्कि 'एक हफ्ता पहले उठवा लेंगे' जैसे शब्द से शर्मसार किया है। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस पूरे मामले को शर्मनाक, अमर्यादित और भाजपा की विकृत मानसिकता का प्रतिबिंब बताया है। यह केवल लीला साहू का अपमान नहीं, यह हर संघर्षशील महिला का अपमान है। श्री पटवारी ने कहा कि, यह बयान उस संकीर्ण सोच को दर्शाता है जो भाजपा की राजनीति की जड़ में बैठी है। एक महिला जब जनसरोकार का मुद्दा उठाती है, तो उसे 'उठवा लेने' जैसे शब्दों का प्रयोग करना इनकी मानसिकता को दर्शाता है।

महिला विरोधी घटनाओं का सिलसिला

1. उज्जैन में छात्रा से गैंगरेप और थाने में रिपोर्ट दर्ज करने में टालमटोल।
2. खरगोन में सामूहिक विवाह योजना के तहत दलित युवती को मंदिर में प्रवेश से रोका गया।
3. जबलपुर में गर्भवती महिला को पालकी में ढोकर अस्पताल ले जाया गया, फिर भी सांसद ने पीड़ित महिलाओं को सोशल मीडिया कलाकार बता दिया।
4. अब सीधी में लीला साहू जैसी जागरूक महिला को सड़क माँगने पर धमकी-प्रेगनेंसी की डेट बताओ, उठवा लेंगे...

तो उन्हें लोकतंत्र नहीं तानाशाही चाहिए...

श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा ने पूरे प्रदेश को डर, अपराध और महिला अपमान की प्रयोगशाला बना दिया है। जब जनप्रतिनिधि ही महिलाओं के प्रति इस स्तर की भाषा का प्रयोग करें, तो आम प्रशासन की मानसिकता का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। जीतू पटवारी ने आगे कहा हर क्षेत्र में सड़क मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया जाए। बीजेपी सरकार इस प्रकरण को गंभीरता से ले और सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगे। पूरे प्रदेश में महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी व्यवस्थाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा हो। श्री पटवारी ने कहा यदि भाजपा सांसद को यह भी बर्दाश्त नहीं कि एक महिला सड़कों की हालत पर सवाल उठाए, तो उन्हें लोकतंत्र नहीं तानाशाही चाहिए।

हिस्ट्रीशीटर अब्दुल रज्जाक के घर में घुसी पुलिस

सरताज को अरेस्ट करना है टारगेट

रिमांड में आरोपियों से सघन पूछताछ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हिस्ट्रीशीटर बदमाश अब्दुल रज्जाक के बेटे, भाई और भतीजे सहित 4 लोगों को पुलिस ने गुरुवार देर रात सिवनी पुलिस के साथ मिलकर पेंच नेशनल पार्क से गिरफ्तार किया था। शनिवार को कोर्ट से रिमांड में लेकर पुलिस चारों आरोपियों को ओमती स्थित घर लेकर पहुंची। इस दौरान आधा दर्जन से अधिक थानों की पुलिस मौके पर मौजूद रही। दरअसल पुलिस का मानना है कि अब्दुल रज्जाक के घर पर सर्चिंग में कई अहम दस्तावेज और जानकारियां मिल सकती है।

अब्दुल रज्जाक बीते कई माह से जबलपुर केंद्रीय जेल में बंद है। उसका बेटा और भाई फरार थे, जिसके बाद एसपी ने 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। सूत्रों का कहना है कि पुलिस लंबे समय से फरार रज्जाक के पुत्र सरताज की सघन तलाशी में जुटी है सरताज को अरेस्ट करने के लिये पुलिस को टारगेट दिया गया है।

खंगाली जा रही सीडीआर

पुलिस गिरफ्त में आये अब्दुल रज्जाक के बेटे सरफराज, भाई साबू और भतीजे के मोबाइल की सीडीआर बारीकी से जांची जा रही है परिचितों के संबंध में पूछताछ की जा रही है शनिवार को नया मोहल्ला रिपटा स्थित रज्जाक के निवास पर ताला तोड़कर पुलिस परिजनों को लेकर घुसी कई घंटों तक घर की तलाशी, दस्तावेज की जब्ती आदि की गई। सूत्रों का कहना है कि पुलिस किसी भी कीमत में सरताज को अरेस्ट करने प्रयासरत है, खबर थी कि सरताज अफ्रीका, दुबई और तुर्की में छिपा है पुलिस परिजनों के मोबाइल से उसके संपर्क सूत्र खोज रही है। पूर्व में घर की तलाश में विदेशी हथियार जब्त किये जा चुके हैं।

ये है पूरा मामला

जानकारी के मुताबिक पुलिस ने गुरुवार रात सिवनी जिले के पेंच टाइगर रिजर्व स्थित ओलिव रिसॉर्ट में छापामार कार्रवाई कर कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अब्दुल रज्जाक के गैंग के 4 फरार सदस्यों को गिरफ्तार किया। ये सभी एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने पहुंचे थे। पुलिस की गिरफ्त में आए रज्जाक का बेटा सरफराज, भाई मोहम्मद मेहमूद, भतीजा अजहर और साथी सज्जाद से दो कार और एक लोडेड पिस्टल बरामद हुई थी। सभी के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

घर पहुंचा 5 थानों का बल

शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पुलिस रज्जाक के बेटे सहित अन्य 3 लोगों को लेकर बड़ी ओमती स्थित उनके घर पहुंची, इस दौरान लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ लग गई। रज्जाक के घर पर ताला लगा होने के कारण करीब एक घंटे तक पुलिस ने चाबी मिलने का इंतजार किया, पर जब घर का ताला नहीं खुला तो पुलिस ताला तोड़कर अंदर गई। हालांकि पुलिस को अभी तक कुछ नहीं मिला है। रज्जाक के घर पर पांच थाने के 100 से अधिक जवान पहुंचे थे। ओमती सीएसपी के नेतृत्व में बेलबाग, घमापुर, लार्डगंज, ओमती, सिविल लाइन थाने के पुलिस मौजूद रही।

गहमागहमी के बीच लाल झंडे का कब्जा बरकरार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

506 आर्मी वेस वर्कशॉप में शनिवार को हुए वर्क्स कमेटी मेंबर निर्वाचन में 506 श्रमिक संघ (एआईडीईएफ) ने 10 में से 06 सीट जीतकर कार्य समिति में अपना कब्जा बरकरार रखा। बताया जा रहा है कि सुबह निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान माहौल शांतिपूर्ण रहा, परन्तु जब मत गणना का समय आया तो माहौल गरमा गया।इसके चलते लगभग 3 घंटे मत गणना बाधित रही। वरिष्ठ नेताओं के हस्तक्षेप के बाद गणना पूर्ण हो सकी। जहां 506 श्रमिक संघ ने जीत हासिल की। वहीं प्रतिरक्षा मजदूर संघ बीपीएमएस को चार सीटों से ही संतुष्ट होना पड़ा। जीतने वाले प्रत्याशियों में हिंतोश रैकवार को सर्वाधिक मत मिला। वहीं शिव कुमार केवट दूसरे स्थान पर रहे। इसके आलावा विकाश यादव, विनोद कुमार, कमल कुमार,दुर्गेश केवट ,गुलाब कुमार, कपिल कुमार रजक, अतुल ने जीत हासिल की।

संस्कृति का मूल स्वर सामाजिक समरसता है

समवेत स्वर हनुमानताल में हो कजलियां महोत्सव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भारतीय संस्कृति का मूल स्वर सामाजिक समरसता है और इसी समरसता के भाव को जागृत करने हमे पारंपरिक पर्वो को मिलकर मानना होगा, इसके लिए समरसता सेवा संगठन के द्वारा जिस तरह सभी समाजों को एक करके कार्यक्रम किए जा रहे है यह अनुकरणीय भी है और अभिनंदनीय भी है, उक्ताशय के उद्गार महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद जी महाराज ने समरसता सेवा संगठन द्वारा आयोजित सर्व समाज की बैठक के अवसर पर समन्वय सेवा केंद्र छोटी लाइन फाटक में दिए। समरसता सेवा संगठन द्वारा आगामी वृहद पौधारोपण एवं कजलियां महोत्सव की रूपरेखा हेतु सर्व समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम के स्थान और स्वरूप पर समाज के प्रतिनिधियों से सुझाव दिए। सामाजिक प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझाव में कजलियां महोत्सव का आयोजन इस वर्ष पारंपरिक तर्ज पर हनुमानताल में मानने की बात की गई। संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने कहा समरसता सेवा संगठन आप सभी का अपना संगठन है, आपके सहयोग और मार्गदर्शन से आज संगठन ने जो गति और उंचाई तय की है उसमे आपकी उल्लखेनीय भूमिका रही है। प्रारंभ से लेकर अभी तक 72 संगोष्ठियों के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण, समरसता के प्रमुख पर्व में होली और कजलियां महोत्सव के दो वर्षो में आयोजन किया गया।

आराध्या ने जीता सिलवर मेडल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश राज्य मिनी एवं सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 में रुंगभूमि बैडमिंटन अकादमी, जबलपुर की होनहार खिलाड़ी आराध्या गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मिक्स डबल्स अंडर-15 वर्ग में रजत पदक (सिलवर मेडल) जीतकर अकादमी और शहर का नाम रोशन किया। यह कार्याक्रम इंदौर में 6 जुलाई से 12 जुलाई तक आयोजित हुआ। यह आराध्या गुप्ता की इस वर्ष की दूसरी राज्य स्तरीय पदक जीत है, जो उनके निरंतर अभ्यास, उत्कृष्ट प्रदर्शन और लगन का प्रमाण है। रुंगभूमि बैडमिंटन अकादमी के कोचेस और समर्पित प्रशिक्षण प्रणाली का यह परिणाम खिलाड़ियों की सफलता में झलकता है। आराध्या को इस उपलब्धि के लिए एली स्पोर्ट्स मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट कंपनी, खेल प्रेमियों, कोचेस एवं उनके साथियों ने ढेरों शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

बीएमडी हितकारिणी की सुरभि का अंडर-18 नेशनल कबड्डी टीम में चयन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित पहली अंडर 18 राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करने के बाद संस्कारधानी की सुरभि पटेल का चयन नेशनल टीम के लिए हुआ है। आप बाबू मनमोहनदास हितकारिणी कन्या शाला दीक्षितपुरा की कक्षा बारहवीं कॉमर्स आईपी संकाय की स्टुडेंट हैं। कबड्डी के जाने माने खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक शानू यादव के निर्देशन में सुरभि प्रशिक्षण ले रही है। सुरभि की सफलता पर हितकारिणी सभा के मंत्री बाबू विश्वमोहन, वरिष्ठ सदस्य राजेश अग्रवाल, विधिवेत्ता एड अशोक गुप्ता, विद्या परिषद के मंत्री एड जयेश राठौर, संदीप गोलछा, जय कुमार वाधवानी, खेल अधिकारी दिनेश सिंह ठाकुर, संयोजक नरेश तिवारी, सहसंयोजक राजीव श्रीवास्तव सहित विद्यालय स्टाफ और खेल प्रेमियों ने बधाई दी है।

विद्युत गृह बरगी की दोनों यूनिट से उत्पादन शुरू

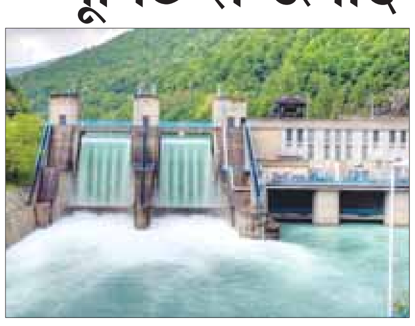

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी की रानी अबंती बाई सागर जल विद्युत गृह बरगी की 45-45 मेगावाट यूनिट से विद्युत उत्पादन पूर्ण क्षमता के साथ शुरु हो गया। दोनों यूनिट 9 जुलाई की शाम को क्रियाशील हो गईं। दोनों यूनिट को वार्षिक रखरखाव (ओवरहॉलिंग) के लिए क्रमशः 20 जून व 1 जुलाई को विद्युत उत्पादन से पृथक कर दिया गया था। सामान्यतः एक यूनिट की ओवरहॉलिंग में 30 दिन का समय लगता है लेकिन बरगी की यूनिट नंबर 1 को 20 दिन और यूनिट नंबर 2 को सिर्फ 8 दिन में ओवरहॉलिंग करके विद्युत उत्पादन के लिए तैयार कर दिया गया। बरगी में किसी बाहरी एजेंसी की सहायता के बिना ओवरहॉलिंग का कार्य विद्युत गृह के अभियंताओं व तकनीकी कार्मिकों द्वारा करके दोनों यूनिट को निर्धारित समय से पूर्व क्रियाशील कर दिया गया। इस कार्य को करने के लिए अंडर वाटर में जाकर उपकरण जांचे गए और दोनों यूनिट के पेनल बदले गए। जल संसाधन विभाग ने जानकारी दी कि मानसून आने के बाद सामान्य तौर पर बरगी बांध के गेट 15 से 31 जुलाई तक खोले जाते हैं। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी ने इस जानकारी के आधार पर बरगी का वार्षिक रखरखाव कार्यक्रम तैयार किया।

जलाभिषेक करने आज निकलेगी कांवड़ यात्रा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हिन्दू सेवा परिषद द्वारा आयोजित भगवा कावड़ यात्रा का आयोजन आज प्रातः 10 बजे से किया जाएगा। यह यात्रा लगातार 13 वर्षों से आयोजित की जा रही है। इस वर्ष भी ग्वारीघाट नर्मदा तट से प्रारंभ होकर गुप्तेश्वर महादेव मंदिर तक जाएगी। कावड़ यात्रा के दौरान जय शिव शंकर, हर हर महादेव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय रहेगा। यात्रा मार्ग को भगवा ध्वजों, पुष्प सज्जा से सजाया गया है। परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अतुल जेसवानी ने बताया कि यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्त सम्मिलित होंगे जो कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की मनोकामना की पूर्ति हेतु कांवड़ उठाएंगे और भगवान महादेव का जलाभिषेक करेंगे। परिषद् के अतुल जेसवानी, गौरव साहू, सौरभ जैन, निखिल कनौजिया ,नितिन सोनपाली, उत्कर्ष रावत, धीरज ज्ञानचंदानी, अक्षय झा व समस्त पदाधिकारियों पदाधिकारी ने इस भगवा कावड़ यात्रा में उपस्थिति का अग्राह किया है।

सावन के पहले ही दिन टूटे 2 शिवालयों के ताले

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सावन सोमवार से ठीक पहले शहर के 2 प्रतिष्ठित भगवान भोलनाथ के मंदिरों का ताला तोड़कर अज्ञात चोर कीमती सामग्री सहित दान पेटी से हजारों रूपए चोरी कर ले गए। थाना लार्डगंज के पीछे स्थित प्राचीन शिव कल्याण मंदिर में चौथी बड़ी चोरी की वारदात है। मंदिरों में हो रही चोरी की वारदातों के बाद भी पुलिस की क्षेत्र में सघन रात्रि गश्त नहीं हो रही है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि मंदिरों की सुरक्षा भी अब राम भरोसे है, पुलिस इस तरह के सुरक्षा कार्य में उलझना ही नहीं चाहती। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है, शातिर चोर सूने मकान, दुकान, कृषि उपकरण और वाहनों की

चोरी बड़ी सरलता और निडरता से कर रहे हैं। लार्डगंज थाना क्षेत्र स्थित प्राचीन शिव कल्याण मंदिर में चोरों ने ताला तोड़कर भगवान की मूर्ति और 3 दान पेटी का ताला तोड़कर रकम चोरी कर ली।

क्षेत्रीय लोगों में भारी आक्रोश- मंदिर की देखरेख करने वाले पवन जयसवाल ने बताया कि शुक्रवार रात पुजारी भगवान की पूजा-आरती के बाद मंदिर के तीनों प्रवेश द्वार में ताला लगाकर घर चले गए थे। सुबह आसपास के लोग मंदिर पहुंचे तो मुख्य प्रवेश द्वार का ताला टूटा हुआ मिला। चोर मंदिर में रखी 3 दान पेटियों का ताला तोड़कर नगदी चोरी कर ले गए। इसी तरह पड़ाव स्थित शिव मंदिर का ताला तोड़कर दान पेटी की पूरी रकम चोर ले गए। मंदिर में चोरी के बाद मौके पर लगी भक्तों की भीड़ ने पुलिस को बताया कि दानपेटी में 30 से 40 हजार रुपए की चढोत्तरी रही होगी। पुलिस अब दोनों मंदिरों में हुई चोरी के मामले की छानबीन कर रही है। मंदिर में लगातार हो रही चोरी को लेकर क्षेत्रिय लोगों में आक्रोश है। अलगातार चोरी से पुलिस की गशत पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। मंदिर प्रबंधन की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई।

स्वदेशी जागरण मंच का आयोजन आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

स्वदेशी जागरण मंच द्वारा एक दिवसीय जिला विचार वर्ग का आयोजन आज दोपहर 2.30 बजे से प्रज्ञा मंडपम मेहता पेट्रोल पंप के पास किया जा रहा है उपरोक्त विचार वर्ग में स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय पर्यावरण टोली के सदस्य राघवेंद्र चंदेल, स्वदेशी के प्रांतीय संयोजक आलोक सिंह अपना वक्तव्य प्रकट करते हुए स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलम्बन विषय, स्वदेशी का इतिहास एवं स्वदेशी की वर्तमान आर्थिक सामाजिक संदर्भ में उपयोगिता विषय पर प्रकाश डालेंगे।

जीएनएम कोर्स के नियमों को चुनौती

कोर्ट ने कहा सरकार का निर्णय सही, याचिका हुई खारिज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र मातृ मृत्यु दर में देश में अव्वल रहा है। लिहाजा अब मप्र सरकार ने मृत्यु दर कम करने के प्रयासों के चलते जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) पद पर भर्ती के नियम 2024 में बदलाव कर दिया है। इस पद के लिए अब बायोलॉजी विषय के साथ 12वीं कक्षा पास करना अनिवार्य है। हरदा के लाल बहादुर शास्त्री व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय और 39 अन्य ने इस नियम को मप्र हाईकोर्ट में चुनौती दी। मप्र हाईकोर्ट ने नियमों को सही बताते हुए याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ताओं ने मप्र हाईकोर्ट में तर्क रखा कि नियमों में बदलाव कर बायोलॉजी विषय के साथ 12वीं कक्षा पास करने की अनिवार्यता से जीएनएम कोर्स के लिए उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं। इस कोर्स में इस वर्ष महज 139 सीटें भरी हैं और 8388 अभी भी खाली हैं। याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि सरकार को नियमों में संशोधन करने के निर्देश दिए जाएं, ताकि खाली सीटों पर उम्मीदवारों को प्रवेश मिल सके।

ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क भी उपलब्ध कराए सरकार- न्यायमूर्ति जस्टिस अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति डीके पालीवाल की बेंच ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए नियम और योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए सरकार के कड़े नियमों को सही बताया है। हालांकि बेंच ने सरकार को यह भी सलाह दी है कि वह ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य केद्रों और एम्बुलेंस की संख्या बढ़ाने के साथ बेहतर सड़क भी उपलब्ध कराए, ताकि मरीजों का समय पर इलाज हो सके। राज्य सरकार की ओर से उपमहाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी और इंडियन नर्सिंग काउंसिल की ओर से अधिवक्ता मोहन सौंसरकर ने पक्ष रखा।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2023-25, RNI No. 64561/96.